रांची, शुक्रवार
06.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 67 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री आज करेंगे परीक्षा पे चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विद्यार्थियों से संवाद का कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा अपने नवें संस्करण के साथ शुक्रवार सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष यह कार्यक्रम पहली बार देश के विभिन्न स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार परीक्षा पे चर्चा 2026 का सीधा प्रसारण प्रधानमंत्री मोदी के यूट्यूब चैनल, दूरदर्शन तथा शिक्षा मंत्रालय के सोशल मीडिया मंचों पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त वेव्स ओटीटी, अमेजन प्राइम वीडियो, जियो, जी फाइव, सोनी लिव और स्पॉटिफाई पर भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण उपलब्ध रहेगा।

आरबीआई गवर्नर आज सुबह 10 बजे करेंगे मौद्रिक समीक्षा का ऐलान

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा 6 फरवरी को सुबह 10 बजे तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार आरबीआई एमपीसी की बैठक में पॉलिसी दरों रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई ने गुरुवार को एक्स पोस्ट पर बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा 2026 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 4 से 6 फरवरी तक चलने वाली मौद्रिक समीक्षा बैठक की लाइव टेलीकास्ट बयान सुबह 10:00 बजे से देंगे।

छत्तीसगढ़ : 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में गुरूवार को 54 लाख के इनामी 12 नक्सलियों ने पुलिस के आलाधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 08 महिला और 4 पुरुष कैडर के नक्सली शामिल हैं। इन्होंने 3 आटोमैटिक हथियार, कारतूस और विस्फोटक पुलिस को सौंपें। बीजापुर में सुरक्षाबलों के संयुक्त प्रयास से आज साउथ सब जोनल ब्यूरो से संबंधित कुल 54 लाख रुपए की इनामी 8 महिला और 4 पुरुष कैडर के 12 नक्सलियों, जिसमें डीवीसीएम-1 सदस्य, बटालियन नम्बर 1, कंपनी नम्बर दो-2, पीपीसीएम-1, एसीएम -2, पार्टी सदस्य-2, पीएलजीए सदस्य-4 ने 3 आटोमैटिक हथियार, कारतूस व विस्फोटक के साथ बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम, बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव, उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स बीजापुर सेक्टर बीएस.नेगी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रतिस्पर्द्धा में मेडल जीतनेवाले खिलाड़ियों को मिलेगा पेंशन

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य मंत्रिपरिषद की गुरुवार को हुई बैठक में कुल 27 प्रस्तावों पर स्वीकृति दी गयी। इनमें से दो प्रस्तावों को कैबिनेट ने स्थगित कर दिया है। इनमें से एक प्रस्ताव 14 वीं जेपीएससी की परीक्षा में बैठनेवाले छात्रों को उम्र सीमा में छूट देने से संबंधित था। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक से संबंधित फैसलों की ब्रीफिंग राज्य में हो रहे निकाय चुनाव के कारण लगे आचार संहिता के कारण नहीं की गई।

सूत्रों के अनुसार कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने उम्र सीमा में छूट के लिए अगस्त 2023 का प्रस्ताव दिया था। लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से इस प्रस्ताव को स्थगित रखने की बात कही गई। सूत्रों के अनुसार कितने वर्षों की उम्र सीमा में छूट दी जाए, इसे लेकर सरकार के शीर्ष स्तर पर अभी सहमति नहीं बनी है। इसीलिए प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि 11 वीं से 13 वीं जेपीएससी की परीक्षा में उम्र सीमा का कट ऑफ डेट अगस्त 2017 था। छात्र 14 वीं जेपीएससी की परीक्षा में कट ऑफ डेट अगस्त 2018 की मांग कर रहे हैं। इस स्थिति में सरकार के लिए कट ऑफ डेट क्या रखा जाना चाहिए, इस पर फिर से विचार किया जाएगा।

एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को पेंशन देने के फैसले को नये सिरे से रिस्ट्रक्चर किया है। अब अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रत्येक महत्वपूर्ण खेल प्रतिस्पर्द्धा में मेडल जीतनेवाले खिलाड़ियों को पेंशन मिलेगा।

निर्णय के अनुसार राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड, ओलिंपिक में पदक जीनेवाले खिलाड़ियों को सरकार 20 हजार रुपये मासिक पेंशन देगी। इसी तरह वर्ल्ड कप, एशिएन गेम्स, सैफ से लेकर नेशनल गेम्स में पदक विजेताओं को क्रमानुसार 16 हजार से पांच हजार रुपये तक का पेंशन मिलेगा।

नेशनल गेम्स के पदक विजेताओं को सबसे कम पांच हजार रुपये पेंशन मिलेगा। जानकारी के अनुसार कार्य विभागों मसलन पेयजल स्वच्छता, जल संसाधन सहित अन्य विभागों को एकाउंटिंग और वर्क्स मैनेजमेंट में सेवा प्रदाता के रूप में सहायता देनेवाली सी-डैक कंपनी की सेवा विस्तार दी गयी है। इसी तरह जल संसाधन विभाग के तृतीय और चतुर्थ वर्गीय कर्मियों के 2727 पदों को कार्मिक को प्रत्यर्पित किया गया है। सिद्धो-कान्हो, कोल्हान और विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों के पदों को रिस्ट्रक्चर किया गया है।

केंद्रीय बजट में झारखंड की हुई है उपेक्षा :हेमंत

बिभा संवाददाता

कोडरमा । राज्य के मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने गुरुवार को कोडरमा के लोकाई में कहा कि इस बार के केंद्रीय बजट में झारखंड की उपेक्षा की गयी है।

खनिज मामलों में धनी राज्य झारखंड यदि इन संसाधनों को दूसरे राज्यों में भेजने पर पांबदी लगा दे तो देश की आर्थिक स्थिति कमजोर हो जायेगी।

सोरेन ने झामुमो में शामिल हुए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि कोडरमा जिले में झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने राजनीतिक कार्यक्रमों को आगे बढाते हुए एक और कड़ी जोड़ रही है। एक लंबे समय के बाद अलग अपना राज्य बना। 25वां साल का यह झारखंड प्रदेश बिहार के एक कोने में बसता था, नतीजा झारखंड प्रदेश कई मायनो में पिछड़ा रहता था।

आजादी के लिए भारत देश को कितना संघर्ष करना पड़ा, वो आप सबको पता है। कितने लोग जेल गए, ना जाने कितने लोग देश के लिए कुरबान हो गए। ठीक उसी प्रकार जब ये भारत देश आजादी का सपना भी नहीं देखा था उससे कई वर्षों आगे से झारखंड में यहां के आदिवासी मूलवासी अंग्रेजों से लोहा लेते रहे। हजारीबाग जेल से लेकर झारखंड के हर कोने के जेल झारखंड के आंदोलनकारियों से भरा पड़ा था, तब ये राज्य मिला। यह ऐसा राज्य है जिसने सदियों से सिर्फ देने का काम किया।

उन्होंने कहा कि कोयला, लोहा, अबरख सारा कुछ हम लोग दिया। हमारे खनिज संपदा से दिल्ली, मुंबई, गुजरात चमकता रहा। हम लोग अंधकार में गरीबी में रहने को मजबूर हुए और योजनाबद्ध तरीके से झारखंड को गरीब राज्य बनाने का काम किया गया। देश के आजाद होने के बाद कारखाने उद्योग लगे लेकिन दुर्भाग्य उसका लाभ हमारे झारखंड के भाइयों को नहीं मिला।

झारखंड गरीब है वो इसलिए गरीब है कि और राज्यों को आगे बढ़ाना है। दिल्ली, मुंबई, गुजरात तो आगे बढ़ाना है तो वाहन चलाएगा कौन, सड़क, बिल्डिंग बनाएगा कौन, फैक्ट्री चलेगा तो उसको चलाएगा कौन। उसके लिए तो मजदूर चाहिए इसीलिए झारखंड बिहार को लोगों ने मजदूर बनाके छोड़ दिया। लेकिन अब झारखंड बदल रहा है, झारखंड को वैश्विक मंच पर पहुंचाने का काम किया, विदेश में यहां के नौजवान पढ़ाई कर रहे हैं। सोरेन ने यह भी कहा कि शालिनी गुप्ता के नेतृत्व में मजबूती मिलेगी। अब दो आंख और होगी और हम और अच्छे तरीके से कोडरमा को देख सकेंगे। इस दौरान राज्य के मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू, पार्टी नेता प्रणव वर्मा, पूर्व विधायक केदार हाजरा, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी यादव के साथ पार्टी के अन्य नेता मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बिरेन्द्र पांडेय जबकि संचालन जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने किया।

कोडरमा में दिखेगा बदलाव: सुदीव्य कुमार

राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि साल 2019 में विधानसभा के चुनाव में झारखंड की जनता ने हेमन्त सोरेन के साथ चलने का निर्णय किया। चाहे वह सर्वजन पेंशन योजना हो, चाहे वह सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना हो, चाहे वो मंईयां सम्मान हो। जब 2024 का चुनाव आया तो झारखंड के बड़े भूभाग में और झारखंड के ज्यादा इलाके से लोगों ने हेमन्त सोरेन के पीछे चलने का संकल्प लिया और आज देखकर यह खुशी हो रही है कि कोडरमा की जनता ने भी हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में करवट लेने का मन बना लिया है और अब यहां भी बदलाव दिखेगा। वहीं, झामुमो में शामिल होने के बाद अपने सम्बोधन में शालिनी गुप्ता ने कहा कि आज यहां नयी ऊर्जा और जुनून है, आज एक नई दिशा मिलने वाली है और हम सब लोगों ने जो 15 साल से लगातार संघर्ष किया, तपस्या की।

भारत प्रतिस्पर्धा को तैयार, दुनिया के देश व्यापारिक संबंध बनाने को आतुर : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि भारत आज विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है और दुनिया के देश भारत के साथ व्यापारिक संबंध बनाने को आतुर हैं। भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए समझौते ने दुनिया को भरोसा दिया है और अमेरिका के साथ हुए व्यापारिक समझौते ने इसे गति का एहसास कराया है। वर्तमान में दुनिया में वैश्विक दक्षिण (विकासशील देश) चर्चा का विषय बने हुए हैं। इसका सूत्रधार भारत है और वैश्विक मंचों पर उनकी आवाज बुलंद कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का उत्तर दिया। इस दौरान उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में विपक्ष पर निशाना साधा और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने राहुल गांधी के राजनीतिक नारे मोहब्बत की दुकान को जुमला बताया और कहा कि ऐसा कहने वालों के अंदर असल में नफरत भरी है। विपक्ष उनकी सरकार की उपलब्धियां के चलते मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, लोग मुझे पूछते हैं कि मेरी सेहत का राज क्या है और मैं कहता हूं कि मैं रोज दो किलो गाली खाता हूं।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान कांग्रेस नेतृत्व पर तंज कसा और कहा कि चोरी इनका पुश्तैनी पेशा रहा है और उन्होंने एक गुजराती (महात्मा गांधी) का सरनेम चुरा लिया। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी के भाजपा नेता नवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहे जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सदन के एक सदस्य को सिख होने के कारण ऐसा कहा गया। उन्होंने कांग्रेस पर भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान करने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कल लोकसभा में पेपर उछाले जाने की घटना का भी उल्लेख किया और कहा कि विपक्ष ने इस दौरान चेयर पर मौजूद पूर्वोत्तर के एक साथी और आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य का अपमान किया है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के कितने ही टुकड़े हुए हैं, कितने लोग पार्टी छोड़कर गए हैं, लेकिन किसी और को उन्होंने (राहुल गांधी) गद्दार नहीं कहा। उन्होंने उस सदस्य (बिट्टू) को गद्दार इसलिए कहा, क्योंकि वे एक सिख हैं। यह सिखों का अपमान था, गुरुओं का अपमान था। कांग्रेस में सिखों के प्रति जो कूट-कूटकर नफरत भरी हुई है।

राज्यसभा में प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान पहले विपक्ष ने शोर-शराबा किया और कुछ समय बाद सदन से बाहिर्गमन किया। बाकी समय प्रधानमंत्री ने विपक्ष की अनुपस्थिति में चर्चा का जवाब दिया। नारेबाजी के दौरान प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के खड़े होकर नारे लगाने पर कहा कि उनकी आयु अधिक है और वे चाहते हैं कि वे अपनी सीट पर बैठकर नारे लगाएं। वहीं विपक्ष के बाहर जाने पर उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले थक के बाहर चले गए हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में राज्यसभा सदस्य सदानंद मास्टर के चर्चा में भाग लेने और पहली बार सदन में बोलने पर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि वैचारिक असमानता के कारण एक शिक्षक (सदानंद मास्टर) के पैर काट दिए गए। इसके लिए इंडी अलायंस जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, कटे हुए पैर से वे जिंदगी गुजार रहे हैं, लेकिन संस्कार इतने ऊंचे हैं कि वाणी में भी अपशब्द नहीं निकलता है। ऐसे व्यक्तित्व को, सदानंदन जी मास्टर को मैं हृदय से अभिनंदन करता हूं। क्योंकि इतने हमले के बाद भी देश की सेवा का अपना व्रत जारी रखा और आज देश के नीति-निर्धारण में अपना योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे मलेशिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7-8 फरवरी को मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री की मलेशिया की तीसरी और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिए जाने के बाद पहली यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अपने समकक्ष अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय के साथ-साथ उद्योग और व्यापार प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा के साथ ही 10वां भारत-मलेशिया सीईओ फोरम भी आयोजित किया जाएगा।

मेघालय अवैध कोयला खदान विस्फोट में 16 मजदूरों की मौत, कई अन्य के फंसे होने की आशंका

एजेंसी

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में बृहस्पतिवार को "अवैध" कोयला खदान में विस्फोट होने से कम से कम 16 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य के फंसे होने की आशंका है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आई नोंगरंग ने यह जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि यह घटना थांगस्कू इलाके में हुई और बचाव दल तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमने अब तक 16 शव बरामद किए हैं, लेकिन विस्फोट के समय खदान के अंदर मौजूद लोगों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी नहीं है। कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।" ईस्ट जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि घटना में घायल एक व्यक्ति को एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे राज्य की राजधानी शिलांग रेफर कर दिया गया। शक है कि यह विस्फोट उस जगह पर कोयला खनन की गतिविधियों के दौरान हुआ, जिसे एक गैर-कानूनी काम माना जा रहा है।

जब पूछा गया कि क्या खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी, तो कुमार ने कहा, "हां, ऐसा ही लगता है।" उन्होंने कहा कि विस्फोट की वजह का पता अभी नहीं चला है, और इसकी जांच की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 2014 में मेघालय में 'रैट-होल' कोयला खनन तथा खनन के दूसरे अवैज्ञानिक तरीकों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

पीएम ने मजदूरों की मौतों पर जताया शोक, अनुग्रह राशि की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में कोयला खदान में हुए विस्फोट के कारण कम से कम 16 मजदूरों की मौत होने पर शोक जताया और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी के हवाले से कहा, ईस्ट जयंतिया हिल्स, मेघालय में हुई दुर्घटना के बारे में जानकर दुख हुआ। अपने प्रियजन को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायल व्यक्ति के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मोदी ने घोषणा की कि प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के आठ सदस्यों के निलंबन और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की मांग पर हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर 02 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। इस दौरान हंगामे के बीच सदन ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया।

लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि उन्हें कई स्थगन प्रस्तावों की सूचना मिली है, लेकिन किसी को अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद यशो नाईक, सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े दस्तावेज सदन के पटल पर रखे।

कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच पहुंच गए और सरकार विरोधी नारे लगाने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों को चेतावनी दी कि हाथों में तख्तियां लेकर आने पर उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अनेक संशोधन प्रस्तुत किए गए, जिन्हें मतदान के बाद अस्वीकृत कर दिया गया। इस दौरान हंगामे के बीच ही धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि वे सदन को चलने दें और सभी को बजट पर बोलने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि लगातार हंगामा करना सदन का अपमान है लेकिन विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते कार्यवाही को 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

गौरतलब है कि बुधवार को विपक्ष की महिला सदस्य बैनर लेकर प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंच गई थीं, जिसके चलते कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी। हालांकि उस समय प्रधानमंत्री सदन में मौजूद नहीं थे। अध्यक्ष बिरला ने बीते दिन हुई घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि विपक्षी सदस्य सत्ता पक्ष की वेल तक पहुंच गए थे, जो सदन की मयार्दा के अनुरूप नहीं है। सदन की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है और यदि इसे खत्म किया जाएगा तो सदन चलाना संभव नहीं हो सकेगा।

सरकार विपक्ष को बोलने नहीं दे रही, इसलिए किया वॉकआउट : खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के राज्य सभा में भाषण के दौरान विपक्ष के वॉकआउट को उचित बताया।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने न तो लोकसभा में और न ही राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को बोलने दिया, जबकि विपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखना चाहता था। सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही है, किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों पर अमेरिका के साथ हुए समझौते पर जवाब देने से बच रही है और बेरोजगारी, महंगाई तथा सामाजिक न्याय जैसे सवालों पर चर्चा से भी कतराती है।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि चार दिनों से लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया, जबकि विपक्ष लोकतंत्र के हित में अपनी बात रखना चाहता था। विपक्षी दलों ने तय किया था कि यदि विपक्ष के नेता को बोलने दिया जाएगा तो सभी दल चर्चा में हिस्सा लेंगे, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया।

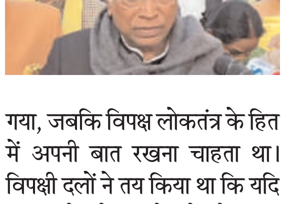

खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री से भी विपक्ष ने आग्रह किया था कि उन्हें दो मिनट बोलने का अवसर दिया जाए, जिससे स्थिति सामान्य हो सकती थी, लेकिन सरकार की मंशा विपक्ष को चुप कराने की थी। विपक्ष ने न तो हंगामा किया और न ही प्रधानमंत्री को बाधित किया, फिर भी उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार उन नेताओं का अपमान सहन कर रही है, जो स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले पूर्व प्रधानमंत्रियों और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हैं। जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे नेताओं ने आधुनिक भारत की नींव रखी, लेकिन सदन में उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणियों पर सरकार चुप रहती है।

खरगे ने कहा कि विपक्ष ने एकजुट होकर निर्णय लिया कि जब उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है और उनके नेताओं का अपमान किया जा रहा है, तो वॉकआउट कर विरोध दर्ज कराना ही उचित होगा। विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा और जनता के मुद्दों को उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन सरकार चर्चा से बच रही है।

नगर निकाय आम निर्वाचन के सफल संचालन को लेकर समीक्षात्मक बैठक हुई संपन्न

बिभा संवाददाता

लातेहारः नगर निकाय आम निर्वाचन-2026 के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में निर्वाचन कार्य से जुड़े विभिन्न कोषांगों कार्मिक कोषांग=निर्वाचन कोषांग, सूचना तकनीकि कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, सामग्री कोषांग , मतपत्र एवं मतपेटिका कोषांग,परिवहन कोषांग, विधि-व्यवस्था सह आचार संहिता कोषांग ,हेल्पलाईन एवं जब शिकायत कोषांग, मिडिया कोषांग , प्रेक्षक कोषांग, निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग, नित्रयण कक्ष, मेडिकल कोषांग सहित अन्य संबंधित कोषांगों के कार्यों की प्रगति पर समीक्षा की गई।उपायुक्त ने सभी कोषांग प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने दायित्वों से संबंधित कार्यों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संपादित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में नगर निकाय चुनाव से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि निर्वाचन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जा सके।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की , अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रेयांश, सभी कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण

लातेहार : जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा आज ईवीएमझवीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में रखे गए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वोटर वेरीफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) उपकरणों की भौतिक स्थिति, रख–रखाव, सुरक्षा व्यवस्था एवं रिकॉर्ड संधारण की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा परिसर के अवलोकन के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, तैनात सुरक्षा बलों, अग्निशमन यंत्र आदि सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से संबंधित सभी निदेशों एवं मानकों का पालन पूरी तत्परता से किया जाना आवश्यक है।मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अन्य उपस्थित थे।

करनडीह में पोटका विधायक संजीव सरदार ने स्विच ऑन कर किया शुरू किया ट्रैफिक सिग्नल, हजारो लोगो को जाम से मिलेगी बड़ी राहत

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः पिछले कई वर्षों से लंबित करनडीह ट्रैफिक सिग्नल का शुभारंभ गुरुवार को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद विधायक संजीव सरदार द्वारा लाइट सिग्नल का स्विच ऑन कर किया गया।

यह बहुप्रतीक्षित मांग पोटका विधानसभा के विधायक संजीव सरदार के निरंतर और सार्थक प्रयासों से पूरी हो सकी है। ट्रैफिक सिग्नल के चालू होने से करनडीह चौक की यातायात व्यवस्था अब अधिक सुचारु और सुरक्षित हो सकेगी। करनडीह क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक और बार-बार लगने वाले जाम से स्थानीय नागरिक, स्कूली बच्चे और राहगीर लंबे समय से परेशान थे। ट्रैफिक सिग्नल के संचालन से न केवल जाम की समस्या से राहत मिलेगी, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। इसके साथ ही आम लोगों के समय की भी बचत होगी, जिससे दैनिक आवागमन आसान होगा।

जनहित को प्राथमिकता, लोगो को सुविधा प्रदान करना मेरा मुख्य उद्देश्य : संजीव सरदार मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि करनडीह ट्रैफिक सिग्नल स्थानीय लोगों की जायज और लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिसे पूरा कर क्षेत्र को सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था देना आवश्यक था। यहाँ से हजारो मजदूर रोज टाटा कंपनी में नौकरी को जाते है, इस अवसर पर बहादुर किस्कु, जगत मार्डी, संतु कर्मकार, देवजीत मुखर्जी, नीता सरकार, मुखिया सरस्वती टुडू, मुखिया कानू मुर्मू, सरोज मंडल, दीपक पाल सहित बुद्धिजीवी वर्ग तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक रेलिंग तोड़ते हुए जा पलटा, अनेकों बार मोड़ पर हो चुका है भयावह दुर्घटना

खूँटी (बिभा)। नगर पंचायत क्षेत्र के तमाड़ रोड पर कदमा चर्च के निकट मोड़ में लम्बी दूरी तय करके आ रहा एक एनएल-07एए 3752 नम्बर का कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे चालक व उपचालक को चोटें आयी है। घटना वृहस्पतिवार की सुबह होने से पहले साढ़े तीन बजे की है। ट्रक पिज्जा बनाने वाला सामान लेकर कलकत्ता से सम्बलपुर उड़िसा जा रहा था। वहीं तमाड़ की ओर से खूँटी की आने के क्रम में चालक को झपकी आ गयी और कंटेनर रेलिंग को तोड़ते हुए सड़क के दूसरी ओर जाकर पलट गया। चालक विनोद कुमार ने बताया कि कलकत्ता से बर्गर पिज्जा बनाने वाला सामान लेकर राउरकेला उड़िसा जा रहा था। इतने में उपचालक रामकेश यादव को नींद आने जैसा लगा और फिर देखते ही देखते एनएल-07एए 3752 का लोड कंटेनर पलट गया। बता दें कि , खूँटी इस स्थान पर अनेकों बार कार , ट्रक बाईक आदि की जबरदस्त दुर्घटना हो चुकी है जिससे जान-माल की काफी क्षति हो जाती है। जहाँ आज भी एक ट्रक पलटने से रेलिंग टूट तो गया पर ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि चालक बाल बाल बच गया और खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

इंटर के लाखों परिशार्थी मतदान का अधिकार से हो सकते हैं वंचित, विद्यार्थी परिषद् ने जैक सचिव को सौंपा ज्ञापन

खूँटी(बिभा)। झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आगामी 23 फरवरी को भी इंटर की परीक्षा पूर्व से ही तय किया है। लेकिन उस दिन लाखों नगर निकाय का निर्वाचन भी है। ऐसे में लाखों परिक्षार्थी मतदान का अधिकार से वंचित होने की सम्भावना बढ़ गयी है। इसलिए लोकतंत्र के इस महापर्व पर देश के भविष्य विद्यार्थी अपना मतदान सुनिश्चित करने से वंचित हो सकते हैं। ऐसे में उनके अधिकार से विद्यार्थी वंचित न हो इसलिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने झारखण्ड अधिविद्य परिषद् के सचिव से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा है और परीक्षा तिथि का बदलाव करने का आग्रह किया है। मौके पर , अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने बताया कि आगामी 23 फरवरी को परीक्षा भी तय है और उस दिन नगर निकाय चुनाव झारखंड के विभिन्न शहरों में होना सुनिश्चित है। ऐसे में नगरीय क्षेत्र के मतदाता विद्यार्थियों को अपने मतदान का अधिकार से वंचित होना पड़ सकता है। इसलिए इस बात से अवगत कराते हुए अधिविद्य परिषद् के सचिव को ज्ञापन सौंपा गया है। ताकि विद्यार्थी मतदान का अधिकार से वंचित न हो सके। वहीं उन्होंने इस बात को भी गम्भीरता से लेते हुए आश्वासन दिया है।

खुशबू राज ने की यूजीसी-नेट परीक्षा में उत्तीर्ण

खूँटी(बिभा)। जिला एक समय शिक्षा जगत के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ था । लेकिन अब पढ़ाई के राह पर आगे निकलता जा रहा है यह गर्व और बदलता खूंटी का उदाहरण है। जहाँ इक्के दुक्के विद्यार्थी ही आगे बढ़ पाते थे लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपना स्थान बनाने लगा है। जिसमें अधिकतर बालिकाएँ ही आगे है। वहीं इस बार भी खूँटी की बेटियां यूजीसी नेट क्वालिफाई की हैं। जिसमें से एक खुशबू राज और आकांक्षा बागे ने ये उपलब्धि पायी है। अग्निशमन विभाग में हेड कांस्टेबल में कार्यरत रमेश राम की बेटी खुशबू राज ने यूजीसी-नेट परीक्षा में सफलता हासिल करने पर काफी खुशियाँ है। वहीं खुशबू ने बतायी कि उसकी माँ पिताजी के द्वारा पढ़ाई में ध्यान दिलाने के कारण आज ये मुकाम हासिल हुई है। खुशबू मूलतः उत्तरप्रदेश के मुगलसराय की रहनेवाली है। इधर, बिरसा महाविद्यालय में भी इस उपलब्धि पर खुशी का माहौल है। बिरसा महाविद्यालय में एमए की छात्रा रही खुशबू को बिरसा महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ चंद्रकिशोर भगत, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अभिषेक , राजकुमार जायसवाल, अग्निशमन विभाग के सोनीलाल सहित अनेक लोगों ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

प्रखंड के सभी पंचायत मे मनरेगा रोजगार दिवस मनाया गया

लातेहार(बिभा): लातेहार जिले के सभी पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। रोजगार दिवस का आयोजन हर बृहस्पतिवार को प्रत्येक पंचायत में मनाया जाता है। इस दिन काम का आवेदन लिया गया। आये हुए श्रमिकों का जॉब कार्ड का ई केवाईसी से संबंधित कार्य किया गया। नये श्रमिकों का जॉब कार्ड बनाया गया। साथ ही 100 दिन कार्य करने वाले श्रमिकों को सम्मानित किया गया।मनरेगा अच्छादित परिवारों के औसत कार्य दिवस (वर्तमान में 43.69 दिन) को बढ़ाकर प्रावधानानुसार 100 दिनों तक करना।अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को चिन्हित करते हुए आधार लिंक ईकेवाईसी युक्त जॉब कार्ड उपलब्ध कराना ईच्छुक परिवारों को माँग के अनुरूप 15 दिनों के अंदर रोजगार उपलब्ध कराना। महिलाओं एवं वंचित परिवारों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना। ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन को कम करने के उद्देश्य से इच्छुक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराना।

खूँटी नगर पंचायत में 03 अध्यक्ष और वार्ड के 81 उम्मीदवार पाये गये योग्य

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की वृहस्पतिवार को संवीक्षा की गयी। जिसके बाद विधिमान्य पाए गए अभ्यर्थियों की वार्डवार सूची जारी कर दी गई। जिसमें निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार अध्यक्ष पद समेत विभिन्न वार्डों में कुल कई अभ्यर्थियों के नाम स्वीकृत किए गए।

जिसमें अध्यक्ष पद के लिए तीन लोगों के नाम विधिमान्य पाये गये और एक अभ्यर्थी सुनीता पूर्ति का नामांकन प्रपत्र त्रुटिपूर्ण होने से अयोग्य किया गया। इस प्रकार, अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवार मनोनित बोदरा, रानी टुटी और सोनम बागे के नाम विधिमान्य जाने से निर्वाचन में प्रत्याशी योग्य नामित हुए।

इसके अलावे वार्ड 01 से नामित छह प्रत्याशी आसिफ इकबाल , जैनुब निशा, दिनेश कुमार महतो, फहरीन शबा, राजकुमार प्रसाद, सालू प्रवीण, उम्मीदवार के बने। वार्ड 02 में छह प्रत्याशी - अंजली उषा कुमारी, दीक्षा कुमारी, बिंदुमती देवी, सुधा देवी, सुनीता गोप और सुमित्रा कुमारी प्रत्याशी बने। वार्ड 3 से 07 प्रत्याशी चन्द्रशेखर महतो उर्फ चन्द्रेश्वर महतो, दिनेश कुमार महतो, धुमेश लोहरा टूटी, फूलकुमारी जायसवाल, रवि कुमार गुप्ता, सुरेश कुमार जायसवाल और सोनू कुमार है। वार्ड चार से 03 प्रत्याशी - अनीता देवी, सोनामती देवी और हेमंती कुमारी प्रत्याशी हुए। वार्ड पाँच से 02 प्रत्याशी - अनीता टूटी और सलोमी नाग प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। वार्ड छह से 08 प्रत्याशी - अंजना देवी, नीलम कुमारी, पूजा देवी, प्रिया कुमारी, मनीषा गुप्ता, शिखा देवी, सुलोचना देवी और संजू देवी प्रत्याशी हुए। वार्ड 07 से 05 प्रत्याशी - अनूप कुमार साहू , आंचल देवी, दीपक कुमार साहू , प्रेमानंद तिवारी और मोहम्मद सरवर आलम प्रत्याशी हुए। वार्ड 8 से 07 प्रत्याशी - अभिषेक कुमार राम, गोविंद राम, प्रदीप साहू, रोहित कुमार, विमला देवी, शशांक शेखर और संजय प्रसाद प्रत्याशी हुए। वार्ड 9 से 04 प्रत्याशी - विनय नायक, योगेंद्र नायक, रवि नायक और सत्यनारायण नायक प्रत्याशी हैं। वार्ड 10 से 04 प्रत्याशी - मो. आदिल हुसैन, मो खालिद हुसैन, निरंजन कुमार भगत और शबनम खातून प्रत्याशी हैं। वार्ड 11 से 04 प्रत्याशी - अनास्तासिया भेंगरा, रामचंद्र बारला, शेफाली कुजूर और संदीप संदीप स्मिथ होरो प्रत्याशी हुए। वार्ड 12 से दो उम्मीदवार अनिल कच्छप और प्रेमा शांति भेंगरा योग्य नामित हुए। वार्ड 13 से तीन प्रत्याशी - जूही प्रियंका तोपनो, पुष्पा मड़की और सुसारी तोपनो के नाम स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड 14 से मनीषा कुमारी और सेरोफेना मड़की चुनाव लड़ रहे हैं। वार्ड 15 से कविता वर्मा और स्टेला तिर्की खड़े हुए हैं। वार्ड 16 से 04 प्रत्याशी - इंजलीना हेमरोम, पूनम कण्डुलना , मोनिका मुंडू और लिली सुषमा भेंगरा प्रत्याशी हुए। वार्ड 17 से 04 प्रत्याशी - अनिता वर्मा, आनंद मसीह तिड़ू , माइकल तिड़ू और सत्यम कुमार प्रत्याशी हुए। वार्ड 18 से गंगु टुटी और सुंदरमनी हंस प्रत्याशी है। जबकि वार्ड 19 से छह प्रत्याशी - अविनाशी गुड़िया, बसंती पूर्ति, ममता कुमारी, शोना संगा सोफिया होरो और हुलासी भेंगरा प्रत्याशी बनी हैं। जो संवीक्षा के बाद मान्य घोषित किए गए हैं।निर्वाचन कार्यालय ने बताया कि निर्धारित तिथि तक नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष आनन्द राम ने बजट पर किया प्रेसवार्ता
53 लाख करोड़ का बनाया गया विकसित भारत 2047 के लिए बजट : आनन्द

बिभा संवाददाता

खूँटी । भारत सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर वृहस्पतिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष आनन्द राम ने प्रेसवार्ता करके बजट के दूरगामी लाभ की जानकारी दी। आनन्द राम ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि भारत सरकार ने जो बजट पेश किया है वो विकसित भारत को ध्यान में रखते हुए बजट बनाया है। जिसमें 53 लाख करोड़ का बनाया गया विकसित भारत 2047 दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर बनाया है। वहीं सरकार ने महिला शिक्षा को बढ़ावा दिया है। जिससे उन लोगों का विकास तो होगा, साथ ही, स्वास्थ्य , सुरक्षा, रोजगार और विशेष जरुरतों पर विशेष ध्यान दिया गया है। जो देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाया जा सकेगा। जिसके तहत ही योजना लाया गया है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में युवा मोर्चा सदस्य सौरव कुमार , मुखिया प्रेमचंद टुटी, मुखिया फागू पाहन, आकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

बासकी गांव में नर्मदेश्वर शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

भव्य कलश यात्रा से शिवमय हुआ तोरपा क्षेत्र

बिभा संवाददाता

खूँटी । तोरपा प्रखंड के बासकी गाँव में नवनिर्मित नर्मदेश्वर शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर गुरुवार को मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन में बासकी सहित आसपास के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा।

कलश यात्रा में सबसे आगे नौ कन्याएं सिर पर पवित्र कलश धारण कर चल रही थीं। उनके पीछे सैकड़ों महिलाएं और श्रद्धालु छह किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए तोरपा स्थित छाता नदी छठ घाट पहुंचे। नदी तट पर गंगा पूजन एवं अन्य वैदिक अनुष्ठानों के बाद कलशों में पवित्र जल भरा गया।इसके बाद यात्रा कर्रा रोड, मेन रोड, तोरपा मिशन और तपकरा रोड होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते रहे।

इस अवसर पर बनारस से पधारे विद्वान आचार्यों के सानिध्य में वेदी पूजन, पंचांग पूजन सहित कई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। मंदिर निर्माण के लिए भूमि दान देने वाले राजेंद्र सिंह सपत्नीक मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे गांव में उत्साह और उल्लास का वातावरण है। गांव को झंडे-पताकाओं से सजाया गया है तथा अनुशासन और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ग्रामीणों ने आपसी सहमति से महोत्सव की अवधि में मांसाहार और मदिरा सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को शिवलिंग एवं अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही जलाधिवास, पुष्पाधिवास, अन्नाधिवास सहित विभिन्न अनुष्ठान होंगे और सुबह से अखंड हरि-कीर्तन प्रारंभ होगा। तीनों दिनों तक श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी की गई है।

उल्लेखनीय है कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी 2024 को ही इस मंदिर का शिलान्यास किया गया था। वहीं, महाकाल की नगरी उज्जैन से 22 जनवरी 2026 को नर्मदेश्वर शिवलिंग बासकी गांव लाया गया, जो इस आयोजन को और भी विशेष बनाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजनाथ सिंह, शिवकुमार सिंह, राजेंद्र सिंह, राम नरेश सिंह, सोनू सिंह, एमपी सिंह, गोपाल सिंह आनन्द सिंह, सुरेंद्र सिंह, विक्रमा महतो सहित पूरे गाँव के श्रद्धालु योगदान दे रहे हैं।

मानगो मेयर चुनाव में पार्वती देवी की दमदार एंट्री, पानी-कचरा समस्या और रोजगार पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो नगर निगम मेयर पद की प्रत्याशी पार्वती देवी ने चुनावी मैदान में जोर-शोर से उतरते हुए अपने अभियान की शुरूआत कर दी है। जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि जनता उन्हें मेयर चुनती है तो मानगो की वर्षों पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

पार्वती देवी ने कहा कि मानगो क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या पेयजल और कचरा प्रबंधन की है। गर्मी के दिनों में पानी की भारी किल्लत से आम लोग परेशान रहते हैं, वहीं जगह-जगह फैले कचरे से गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। उनकी जीत के बाद पूरे मानगो में व्यवस्थित जलापूर्ति व्यवस्था लागू की जाएगी और आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से साफ-सफाई को बेहतर बनाया जाएगा।

उन्होंने शिक्षा को लेकर भी बड़ा वादा किया। पार्वती देवी ने कहा कि सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारना, बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना और गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बेरोजगारी की समस्या को कम किया जा सके।

चुनावी अभियान के दौरान पार्वती देवी ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि मानगो को एक स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित क्षेत्र बनाना है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे बदलाव के लिए आगे आएं और उन्हें सेवा का अवसर दें। पार्वती देवी के प्रचार अभियान को स्थानीय लोगों का समर्थन मिलता नजर आ रहा है, जिससे चुनावी माहौल में नई हलचल पैदा हो गई है।

काम ही मेरी पहचान के साथ मैदान में उतरे राकेश कुमार सिंह, वार्ड-14 को विकास और भरोसे का मॉडल बनाने का संकल्प

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो नगर निगम चुनाव 2026 में वार्ड संख्या-14 से शिक्षित, कर्मठ और युवा प्रत्याशी राकेश कुमार सिंह ने पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनावी मैदान में कदम रखा है। काम ही मेरी पहचान के नारे के साथ नामांकन करने के बाद उन्होंने जनता के सामने अपने वादों और प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि वार्ड-14 को एक आदर्श, पारदर्शी और जनहितकारी वार्ड के रूप में विकसित करना है।

राकेश कुमार सिंह ने कहा कि वे ऐसी राजनीति में विश्वास रखते हैं, जिसमें वादे सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर दिखाई दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जनता ने उन्हें मौका दिया तो वे वार्ड को भ्रष्टाचार-मुक्त बनाने के साथ-साथ हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने का काम करेंगे। उनका मानना है कि जनप्रतिनिधि का असली मूल्यांकन जनता के सुख-दुख में खड़े होने से होता है।अपने चुनावी संकल्पों को प्राथमिकता देते हुए राकेश कुमार सिंह ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विशेष पहल की जाएगी। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु कौशल विकास केंद्र की स्थापना, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम उनकी पहली प्राथमिकता में शामिल है। इसके साथ ही विधवा, वृद्धा और दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड जैसी योजनाओं की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सरल बनाया जाएगा, ताकि जरूरतमंदों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।

गरीब और कमजोर वर्गों के हित को लेकर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना समेत सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभुकों तक पहुँचाया जाएगा। वार्ड के छोटे दुकानदारों, सब्जी विक्रेताओं और अस्थायी रूप से दुकान लगाने वाले गरीब परिवारों की आजीविका की रक्षा करना भी उनकी जिम्मेदारी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि गरीब बच्चों की शिक्षा और उनकी शादी जैसे सामाजिक दायित्वों में सहयोग करना उनकी विशेष प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

स्वच्छता और स्वास्थ्य को लेकर राकेश कुमार सिंह ने वार्ड-14 को ह्लस्वस्थ और स्वच्छ वार्डह्व बनाने का वादा किया। इसके तहत आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली, नियमित नालियों की सफाई, मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग और स्वच्छ पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। नामांकन के दौरान राकेश कुमार सिंह ने कहा, ह्लमैं जनता के बीच केवल वादे लेकर नहीं आया हूँ, बल्कि सेवा का संकल्प लेकर आया हूँ। सबका साथ, सबका विकास और हर नागरिक के दुख-सुख में साथ खड़ा रहना ही मेरी राजनीति की असली पहचान है।ह्व इस अवसर पर वार्ड-14 के कई गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित थे, जिन्होंने उनके जनहितकारी वादों पर भरोसा जताया।

जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने छात्रों को सड़क सुरक्षा की दी जानकारी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के एक नर्सिंग कॉलेज में वृहस्पतिवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने छात्रों को सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना के पीड़ित व्यक्ति को गोल्डन आवर में सहायता उपलब्ध कराने से राह वीर योजना अंतर्गत पच्चीस हजार रुपए का पुरस्कार का प्रावधान किया गया है। सड़क दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति की सहायता करने का प्रयास करें। सड़क चलाते समय यातायात नियमों का खास ध्यान रखें एवं अपने परिजन और मित्रो को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। आप सड़क सुरक्षा मित्र बन कर अपने प्रतिष्ठान एवं क्षेत्र के लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जानकारी दे कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी ला सकते हैं। अज्ञात वाहन से हुए दुर्घटनाओं में मुआवजा का प्रावधान है अगर आपके जानकारी में ऐसे कोई व्यक्ति हैं तो उन्हें आवेदन जमा करने के लिए मदद करें।

कार्यक्रम में पर्वतारोही दल से आए जितेंद्र प्रताप के द्वारा छात्रों को सही तरीके से हेलमेट का उपयोग करने, दुर्घटनाओं से बचने के उपाय एवं वाहन चलाने से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। उनके द्वारा बताया गया कि आप हमेशा सही तरीके से वाहन चलाए और वाहन चलाते समय ओवरस्पीडिंग अथवा स्टंट करने का प्रयास ना करें, ऐसा करना आपके एवं दूसरे लोगों के लिए एक बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है।

जिला परिवहन कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान संदीप हेमरोम, योगेश कुमार, महेंद्र प्रताप एवं गोविंदानंद उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने फाइलेरिया मुक्त झारखंड के संकल्प को लेकर प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

11 से 26 फरवरी तक घर-घर जाकर खिलायी जाएगी फाइलेरिया की दवा

बिभा संवाददाता

रांची: स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने गुरुवार को आईपीएच सभागार से फाइलेरिया रोधी दवा खाकर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मास ड्रग अभियान की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोई भी अभियान छोटा नहीं होता है । अभियान, कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को संदेश दिया जाता है कि यह अभियान आपके स्वास्थ्य के लिए ही है, आपको जागरूक करने के लिए है । बिना आपके सहयोग से हम कार्यक्रम को सफल नहीं बना सकते हैं, इसलिए आप दवा जरूर खायें । इसमें कोई नुकसान नहीं है बल्कि, यदि आपके अंदर फाइलेरिया के जीवाणु हैं, तो वो मर जाएँगे । डॉ इरफान अंसारी आईपीएच सभागार नामकुम में आयोजित राज्य स्तरीय अंतर विभागीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे ।इस अवसर पर डॉ इरफान अंसारी ने 14 जिलों के लिए प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।

डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड को 2029 तक फाइलेरिया मुक्त राज्य बनाने का हमारा लक्ष्य है और इस दिशा में हम आगे बढ़ चुके हैं । खूंटी जिला को हमने फाइलेरिया मुक्त बनाने में सफलता पाई है । अगस्त 2025 में राज्य के 9 जिलों में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया था और अब 2026 में 10 फरवरी से 26 फरवरी तक यह अभियान राज्य के 14 जिलों (रांची, गुमला, गिरिडीह, बोकारो, साहिबगंज, पाकुड़, देवघर, पूर्वी सिंहभूम, कोडरमा, रामगढ़, सिमडेगा, धनबाद और लोहरदगा) में चलाया जाएगा । जहाँ 10 फरवरी को बूथ में और फिर 11 फरवरी से 26 फरवरी तक घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी ।

डॉ इरफान अंसारी ने जन वितरण प्रणाली की दुकानों से भी फाइलेरिया दवा देने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को ईमानदारी से अपनी भूमिका निभानी होगी । साहिया, जेएसएलपीएस की बहनें , एएनएम ,सीएचओ सभी के सहयोग और समर्थन की आवश्यकता है तभी हम इस बीमारी से निजात पा सकेंगे ।

डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में झारखंड को देश के अग्रिणी राज्यों की श्रेणी में पहले पायदान पर लाने की दिशा में सभी प्रयास किए जा रहे है । राज्य के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं । । रिम्स-2 को बनाने की दिशा में काम जारी है । किडनी ट्रांसप्लांट हॉस्पिटल की भी शुरूआत जल्द ही होगी।

अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने कहा कि जब तक सभी ऐक्टिव होकर इस अभियान में नहीं लगेंगे तब तक यह कार्यक्रम सफल नहीं होगा । फाइलेरिया उन्मूलन के लिए जरूरी है कि सभी लोग दवा खाएँ। हमलोग फाइलेरिया मुक्त झारखंड के लक्ष्य को पाने की दिशा में प्रयासरत है और जिस तरह पोलियो मुक्त झारखंड बनने में सफलता पाई है उसी प्रकार हमलोगों फाइलेरिया मुक्त झारखंड बनाने में सफल होंगे ।

निदेशक प्रमुख डॉ सिद्धार्थ सागर ने कहा कि हमने फाइलेरिया के उन्मूलन में बेहतर काम किया है । आगे भी बेहतर करने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है ।दवा का सेवन सभी कोई करें कोई भी समुदाय इससे ना छूटे इसे सुनिश्चित किया जाएगा ।

श्रीमती शाज्ञा सिंह ,स्टेट को-ऑर्डिनेटर ने फाइलेरिया रोग के बारे में विस्तार से बताया । कहा कि कैसे हमलोग फाइलेरिया से बच सकते हैं। फाइलेरिया किसी को ना हो इसके लिए सभी लोगों को पूरे जनसमुदाय को एक साथ फाइलेरिया की दवा खिलानी है । जिससे फाइलेरिया के कीड़े सभी में एक साथ मार जाए । इससे यह होगा कि एक साथ खाने से किसी के शरीर में फाइलेरिया के कीड़े नहीं होंगे तो सभी सुरक्षित रहेंगे । सभी स्वास्थ्य लोगों को सिर्फ कुछ लोगों को छोड़कर ये दवा खानी है।

कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए जिला परिषद अध्यक्ष,जिला प्रमुख, मुखिया आदि ने अपने - अपने विचार रखे ,सुझाव दिए कि किस प्रकार हमारा झारखंड फाइलेरिया मुक्त बन सकता है । और इस दिशा में हमलोग क्या क्या सहयोग कर सकते हैं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी, विभिन्न जिलों से आयें मुखिया , प्रमुख , सहिया एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय बजट को बताया जनविरोधी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कुल 27 प्रस्तावों पर मुहर लगी।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्रिमंडल के साथ पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय बजट को लेकर जमकर निशाना साधा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय बजट पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को गौर से देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि हो या अन्य सेक्टर, बताइए इस बजट में ऐसा क्या है जिससे आम लोगों को राहत मिली हो।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बजट में आम आदमी की जरूरत की चीजों को नजरअंदाज किया गया है। पत्रकारों की ओर से कोयला, खनिज और लोहा महंगा होने से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री और अधिक मुखर हो गए। उन्होंने कहा कि आप कोयला, खनिज और लोहा की बात कर रहे हैं, लेकिन क्या रोजमर्रा की चीजें सस्ती हुई हैं। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि इस बजट में तो दाल और चावल तक महंगे हो गए हैं। असम दौरे से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने वहां के चाय बागान मजदूरों की स्थिति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां आज भी गुलामी की स्थिति बनी हुई है।

केंद्र और असम सरकार पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि असम में एक अजीब स्थिति है, वहां ऐसा लगता है जैसे देश के अंदर ही एक और देश हो। आज भी वहां अंग्रेजी हुकूमत की झलक दिखाई देती है। वहां अब भी ऐसा महसूस होता है कि लोग गुलामी का जीवन जी रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

मारवाडी महाविद्यालय में स्व गंगा प्रसाद बुधिया की जयंती मनाई गई

रांची (बिभा): मारवाडी महाविद्यालय प्रांगण में कॉलेज के संस्थापक स्व गंगा प्रसाद बुधिया जी की 122 वी जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए मारवाडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार जी ने कहा की आज के समय में गंगा बाबू के जीवन से सादा जीवन उच्च विचार से कार्य करने की प्रेरणा ले कर शिक्षा के लिए काम करने के लिए ही हमलोग उनकी जयंती मना रहे है, यहां से पढ़े छात्र छात्राएँ बड़े बड़े पदों पर आसीन है जो हमलोगों के लिए गौरव की बात है, पूर्व प्राचार्य जावेद अहमद जी ने कहा कि में इस कॉलेज में 18 से 20 हजार छात्र- छात्रा पढ़ रहे है, यहां से पढ़े लोग पूरे विश्व में कॉलेज का नाम रोशन कर रहे हैं यह गंगा बाबू के प्रयास से सफल हुआ है,उनकी कार्यशैली का अनुकरण ही आज के कार्यक्रम की सफलता होगी, पूर्व प्राचार्य रणजीत सिंह की ने कहा कि जब मैं पी जी में पढ़ता था उस समय गंगा बाबू साधारण कपड़ों में मजदूरों के साथ निर्माण करवाते थे, जिसका इतना बड़ा स्वरूप हो गया,उनकी कार्यशैली अनुकरणीय है,मारवाडी शिक्षा ट्रस्ट के वेद बगला,अरुण बुधिया,चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा,अपने उद्गार व्यक्त किए, कॉलेज के अनुभव चक्रवर्ती जी ने संचालन किया,महाविद्यालय के शिक्षकों, छात्र छात्राओं, एन सी सी के छात्रों ने, समाज के लोगों ने मालार्पण कर गंगा बाबू के सत कार्यों की चर्चा की एवम उन्हें जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मारवाड़ी सहायक समिति अध्यक्ष पवन शर्मा,चैंबर सचिव रोहित अग्रवाल,पवन मंत्री, बासुदेव भाला,महाबीर माहेश्वरी,रजनी बुधिया, माधुरी बुधिया सहित एनएसएस के स्वयंसेवक भी भारी संख्या में मौजूद थे।

बीआईटी मेसरा में स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन कार्यक्रम का आयोजन

रांची(बिभा): बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा ने कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों के लिए स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ जीवनः स्कूली छात्रों के लिए आउटरीच कार्यक्रम की घोषणा की है। यह कार्यक्रम ठअरकझारखंड चैप्टर की पहल के अंतर्गत 9 फरवरी 2026 को मेसरा कैंपस में आयोजित किया जाएगा। स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन कार्यक्रम का उद्देश्य यह समझाना है कि वायु गुणवत्ता, संसाधनों का उपयोग और पर्यावरणीय दबाव जैसे कारक मानव स्वास्थ्य को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। इन सत्रों का संचालन कार्यरत वैज्ञानिक करेंगे, जो अपने शोध और फील्ड अनुभव के आधार पर विषय को सरल भाषा में प्रस्तुत करेंगे। इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. कौशिक चक्रवर्ती पर्यावरणीय कारकों और मानव स्वास्थ्य के बीच संबंध पर व्याख्यान देंगे। वहीं सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अभय कुमार सिंह खनन एवं उद्योग से जुड़ी सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) की चुनौतियों पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम के दौरान मॉडल प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता के साथ-साथ पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसमें छात्र डिजाइन, आंकड़ों और समस्या-समाधान के माध्यम से पर्यावरण से जुड़े विषय प्रस्तुत करेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व भगवान की प्रतिमाओं का कराया गया नगर परिक्रमा

रांची(बिभा)। धुर्वा के होटवासी में नवनिर्मित चार मंदिरों में भगवान की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के चौथे दिन गुरुवार को गाजे-बाजे के साथ नगर प्रक्रिमा कराया गया। मौके पर भक्तों के बीच खीर प्रसाद का वितरण करने के बाद जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। इस दौरान मुहल्ले की काफी संख्या में स्त्री-पुरूष भगवान के नगर परिक्रमा में शामिल हुए। खुले वाहन से सभी देवी-देवताओं के छोटे प्रारूप को पहले टुंडुल की दो मंदिरों में ले जाया गया। इसके बाद 32 एकड़ स्थित मंदिर ले जाया गया। उसके बाद महुआटोली होते हुए होटवासी गांव स्थित दो मंदिरों में सभी प्रतिमा को ले जाकर पूजा अर्चना की गयी। इसके बाद नवनिर्मित मंदिरों में पूजा-अर्चना की गयी। वाराणसी से पंडित ललन प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में पहुंचे पुरोहितों ने बताया कि कार्यक्रम में सबसे पहले अन्नाधिवास से भगवान को जगाकर बाहर निकाला गया। उसके बाद सभी का देव स्नान कराया गया। देर शाम सभी प्रतिमाओं का शैयाधिवास कराया गया। शुक्रवार को प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूरा होने के बाद हवन और आरती एवं प्रसाद भोग का वितरण किया जायेगा। उन?होंने बताया कि शुक्रवार को भी जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

निकाय चुनाव को लेकर नामांकन पत्रों की हुई स्क्रूटनी

बिभा संवाददाता

रांची। निकाय चुनाव को लेकर नामांकन पत्रों की हुई स्क्रूटनी नगर निकाय चुनाव को लेकर गुरुवार को प्रत्याशियों की ओर से दायर किए गए नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की प्रक्रिया पूरी की गई। यह प्रक्रिया समाहरणालय स्थित ब्लॉक-ए और ब्लॉक-बी में स्थित संबंधित निवार्ची पदाधिकारियों के कार्यालयों में हुई।

स्क्रूटनी के बाद रांची नगर निगम अंतर्गत मेयर पद के लिए कुल 19 अभ्यर्थियों के नामांकन वैध पाये गये, इनमें महिला अभ्यर्थियों की संख्या-5 है।

वहीं रांची नगर निगम में वार्ड पार्षद के लिए 390 अभ्यर्थियों के नामांकन वैध पाये गये, महिला अभ्यर्थियों की संख्या 242 है।

वहीं बुंडू नगर पंचायत अंतर्गत अध्यक्ष पद के लिए 07 अभ्यर्थी योग्य पाये गये। जबकि वार्ड सदस्य के लिए कुल योग्य अभ्यर्थियों की संख्या 50 है, इनमें महिला अभ्यर्थियों की संख्या 27 है। अभ्यर्थी शुक्रवार को नाम वापस ले सकेंगे। वहीं शनिवार को को चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जाएगा।

स्क्रूटनी के दौरान अभ्यर्थियों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नामांकन पत्रों की जांच की गई।

इस क्रम में नामांकन पत्रों में संलग्न जरूरी दस्तावेजों, शपथ पत्र और अन्य निर्धारित मापदंडों का परीक्षण किया गया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और वैधानिकता सुनिश्चित की जा सके।

सामान्य प्रेक्षक, रांची नगर निगम क्षेत्र, संदीप कुमार दोराईबुरु ने विभिन्न निवार्ची पदाधिकारियों के कक्षों का भ्रमण कर स्क्रूटनी प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन, पारदर्शिता और प्रक्रिया की सुचारु व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया एवं संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

मौके पर पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी-सह-पंचायती राज पदाधिकारी राजेश कुमार साहू उपस्थित थे। उन्होंने स्क्रुटनी की संपूर्ण प्रक्रिया पर नजर रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि सभी कार्य निर्धारित नियमों एवं समय-सारिणी के अनुसार संपन्न हों।

राज्यपाल योगदा आश्रम पहुंचे, स्मृति मंदिर में जाकर की ध्यान-साधना

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार गुरुवार रात योगदा सत्संग आश्रम पहुंचे। इस दौरान राज्यपाल ने आश्रम परिसर का अवलोकन किया। इस क्रम में वे उस कक्ष में भी गए, जहां स्वामी परमहंस योगानंद निवास किया करते थे। उन्होंने स्मृति मंदिर में भी जाकर ध्यान-साधना की तथा आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया।

राज्यपाल को वरिष्ठ स्वामी ईश्वरानन्द गिरी ने आश्रम की आध्यात्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। स्वामी ने आश्रम की गुरु-शिष्य परम्परा तथा योगदा सत्संग परंपरा के माध्यम से आत्म-विकास, चरित्र निर्माण एवं मानव कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

इस अवसर पर राज्यपाल को स्वामी ईश्वरानन्द गिरी जी ने योगी कथामृत, ईश्वर-अर्जुन संवाद (श्रीमद्भगवद्गीता), आत्म-साक्षात्कार की यात्रा सहित अन्य महत्वपूर्ण आध्यात्मिक ग्रंथ एवं सोसाइटी द्वारा प्रकाशित कैलेंडर भेंट की। राज्यपाल ने कहा कि लम्बे समय से आश्रम आना चाहते थे, जो आज पूर्ण हुआ है। उन्होंने योगदा सत्संग आश्रम की ओर से समाज को आध्यात्मिक दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

महाशिवरात्रि पर पहाड़ी मंदिर में होगी सादे लिबास में पुलिस बल की तैनाती

रांची। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आगामी 15 फरवरी 2026 को रांची पहाड़ी मंदिर में आयोजित अनुष्ठान को लेकर विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर समाहरणालय सभागार में गुरूवार को बैठक हुई। उपायुक्त सह रांची पहाड़ी मंदिर विकास समिति अध्यक्ष मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पर्व के शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। पूरे मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के कडे इंतजाम किए गए। इस दौरान निर्णय लिया गया कि सरकारी पूजा के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर खोला जाएगा और जलाभिषेक अर्धा प्रणाली से कराया जाएगा।

हज यात्रियों का वैक्सिनेशन और मेडिकल जांच कराएगी सरकार : इरफान

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एवं झारखंड हज कमेटी के अध्यक्ष डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि हज यात्रियों की सभी मेडिकल जांच और वैक्सीनेशन का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हाजियों को पूरी सुविधाएं दी जाएंगी।

मंत्री बुधवार को हज 2026 की तैयारियों को लेकर राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। बैठक में हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग और वैक्सीनेशन प्रक्रिया को समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से पूरा करने पर बल दिया गया।

डॉ अंसारी ने कहा कि सरकार हज पर जाने वाले सभी हाजियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हज 2026 के तहत झारखंड से लगभग 1670 हज यात्रियों का जाना प्रस्तावित है। सरकार की ओर से निर्देश दिया गया कि 07 फरवरी तक सभी हाजियों की मेडिकल स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाए, ताकि 08 फरवरी 2026 से वैक्सीनेशन प्रक्रिया शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल स्क्रीनिंग के बाद ही वैक्सीनेशन और वीजा प्रक्रिया संभव होगी, इसलिए सभी जिलों में बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की जरूरत है। वहीं अंसारी ने रांची से इमिग्रेशन प्वाइंट हटाने पर चिंता जताते हुए बताया कि इस मुद्दे पर हज कमेटी ऑफ इंडिया से बातचीत चल रही है।

बैठक में सदर अस्पताल रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात रंजन सहित राज्यभर के सिविल सर्जन और अन्य अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

विधानसभा परिसर में सैलरी अकाउंट सुविधाओं पर प्रस्तुतीकरण

बिभा संवाददाता

रांची। बैंक ऑफ इंडिया की ओर से राज्य सरकार के नियमित, संविदा और पेंशनधारी कर्मचारियों को समर्पित विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से झारखंड विधानसभा परिसर स्थित सेंट्रल हॉल में गुरूवार को झारखंड सरकार के साथ हाल में किए गए समझौता (एमओयू) के तहत एक विस्तृत प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों और कार्यालयों के कर्मचारियों को वेतन खाते (सैलरी अकाउंट) से जुड़ी सुविधाओं और बीमा उत्पादों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रस्तुति के दौरान दुर्घटना बीमा, टर्म इंश्योरेंस, चिकित्सा बीमा सहित अन्य बैंकिंग सेवाओं पर प्रकाश डाला गया, जिससे कर्मचारियों को सुरक्षित और समग्र वित्तीय संरक्षण उपलब्ध हो सके।

विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने बैंक की ओर से दी जा रही सुविधाओं में गहरी रुचि दिखाई।

बैंकिंग संबंधित विभिन्न पहलुओं पर सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर खास तौर पर बैंक ऑफ इंडिया की ओर से कार्यक्रम का नेतृत्व अजय कुमार पाण्डेय, सहायक महाप्रबंधक, एफजीएमओ रांची तथा बनिता मोहापात्रा, उप अंचल प्रबंधक, रांची अंचल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, सदस्य रामचंद्र सिंह, प्रभारी सचिव झारखंड विधानसभा रंजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

लोक भवन के उद्यान का 37 हजार 976 लोगों ने किया दीदार

बिभा संवाददाता

रांची। लोकभवन खुलने के चौथे दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और वहां का दीदार किया। बच्चे, बुर्जग, युवक, युवतियां और महिलाएं सभी लोकभवन के आकर्षक गुलाब, झूले, फाउंटेन, झरना और फलदार वृक्ष और औषधीय पेड़-पौधे के साथ मोबाइल से सेल्फी और तस्वीर लेते देखे गये।

शहर के प्रमुख स्थलों में शामिल लोक भवन उद्यान इन दिनों पर्यटकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हरियाली, खुला माहौल और सुसज्जित परिसर की वजह से बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने और अवलोकन के लिए पहुंच रहे हैं।

गुरुवार को लोक भवन उद्यान में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली, जब एक ही दिन में करीब 37,976 सैलानी यहां पहुंचे।

सुबह से ही लोक भवन परिसर में चहल-पहल शुरू हो गई थी। परिवारों के साथ आए लोग, बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी उद्यान की हरियाली और शांत वातावरण का आनंद लेते नजर आए। लोक भवन उद्यान आम लोगों के लिए सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक खुला है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के तहत दोपहर एक बजे तक प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। प्रवेश गेट संख्या-दो से कराया जा रहा है, यहां सुरक्षा जांच के बाद लोगों को अंदर जाने दिया जा रहा है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के इंतजाम भी किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि दो फरवरी से आठ फरवरी तक लोकभवन का द्वार आमलोगों के लिए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के आदेश पर खोल दिया गया। लोकभवन का पहले दिन 2559 लोगों, दूसरे दिन 4813, तीसरे दिन 12711 लोगों ने भ्रमण किया था।

झारखंड सरकार के खजाने से हुए दस हजार करोड़ के गबन की हो उच्च स्तरीय जांच: बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार के खजाने से 10,000 करोड़ की राशि गायब होने की खबर पर बड़ा निशाना साधा। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि वित्त मंत्री की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वित्त सचिव द्वारा सभी विभागों के सचिवों की बैठक बुलाकर विस्तृत हिसाब लिया जाए, लेकिन वित्त सचिव की ओर से मंत्री के आदेश का पालन करने के बजाय फाइल को मुख्य सचिव के पास भेज दिया गया, जहां वह पिछले तीन महीनों से लंबित पड़ी है। आखिर सरकार जांच से क्यों कतरा रही है?

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तरह मुख्य सचिव भी जमीन घोटाले के आरोपों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में संदेह उठना स्वाभाविक है कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव की ओर से जानबूझकर मामले को दबाने या टालने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव को यह स्पष्ट करना चाहिए कि तीन महीने से फाइल पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई और देरी के लिए कौन जिम्मेदार है?

मरांडी ने कहा कि यह पूरा मामला गंभीर आर्थिक अपराध है। इसकी जांच होनी चाहिए कि यह राशि कहां गई, कहीं इसे निवेश के रूप में तो नहीं लगाया गया और क्या मुख्यमंत्री या मुख्य सचिव ने इससे कोई लाभ उठाया है?

बोकारो के बड़की पुन्नू गांव में हाथियों के झुंड ने तीन ग्रामीणों को कुचलकर मार डाला, एक घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो : जिले के गोमिया प्रखंड के महुआ टांड थाना क्षेत्र के घने जंगल से घिरे बड़की पुन्नू गांव में गुरुवार अहले सुबह करीब 3 बजे पांच हाथियों के झुंड ने तांडव मचा दिया। भोजन की तलाश में गांव में घुसे गजराजों ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों–पति-पत्नी और भाभी–को सूंड से पकड़कर कुचल दिया, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना नक्सल प्रभावित इलाके में मानव-वन्यजीव संघर्ष की पेशबंदी बन गई है, जहां पिछले एक माह में हाथी हमलों से छह लोगों की जान जा चुकी है।घटना की जानकारी

देते हुए बोकारो जिला वन अधिकारी संदीप सिंदे ने बताया, ?हाथियों का यह झुंड पड़ोसी रामगढ़ जिले के जंगलों से आया था। सुबह 3 बजे गंगवा करमाली के घर के आंगन में घुसा और भोजन तलाशने लगा। गंगवा जब भागने की कोशिश कर रहे थे, तो एक हाथी ने उन्हें सूंड से पकड़ लिया और जमीन पर पटककर कुचल दिया। उनकी चीख सुनकर पत्नी कमली देवी बाहर निकलीं, लेकिन उन्हें भी हाथी ने लपेटकर मार गिराया। उसी दौरान गंगवा की भाभी भगिया देवी भी घर से भागीं, तो उन्हें भी गजराज ने कुचल दिया।?मौके पर पहुंची फॉरेस्ट टीम ने घायल व्यक्ति को तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सिंदे ने आगे कहा, ?प्रावधानों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम के बाद प्रत्येक मृतक के आश्रितों को आंशिक मुआवजा दिया जाएगा। हमारी टीम हाथियों के झुंड को जंगल से बाहर खदेड़ने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत है।

ग्रामीणों का आक्रोश फूटा, धरना शुरू

मृतकों के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की तत्काल मांग को लेकर महुआ टांड थाने के समक्ष धरना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि वन विभाग संजीदा प्रयास नहीं कर रहा, जिससे बार-बार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ?यह नक्सल प्रभावित क्षेत्र है, जंगल घना है, लेकिन हाथियों को नियंत्रित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। पिछले एक माह में छह मौतें हो चुकी हैं, कब तक हम इस आतंक में जीएंगे? महुआ टांड थाना क्षेत्र के जंगलों में हाथी हमले कोई नई बात नहीं। पिछले 30 दिनों में अलग-अलग घटनाओं में छह निर्दोष ग्रामीणों की जान जा चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और जंगलों की कटाई के कारण हाथी मानव बस्तियों की ओर बढ़ रहे हैं। फॉरेस्ट विभाग ने अब ड्रोन और ट्रैकिंग डिवाइस का सहारा लेने की योजना बनाई है, लेकिन ग्रामीणों का विश्वास बहाल करना चुनौतीपूर्ण होगा।जिला प्रशासन ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और मृतकों के परिवारों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। फिलहाल, फॉरेस्ट टीम्स अलर्ट पर हैं और ग्रामीणों को रात में घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

बीएसएल में शिफ्ट प्रबंधकों हेतु ह्यपरिचालन 2.0 रणनीतिक क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में शॉप फ्लोर पर परिचालन की अग्रिम पंक्ति में कार्यरत शिफ्ट प्रबंधकों की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र द्वारा परिचालन 2.0 शीर्षक से दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन 05 से 06 फरवरी 2026 तक बीएसएल लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल संख्या-1 में किया जा रहा है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिफ्ट प्रबंधकों (ऑपरेशन्स) की परिचालन, तकनीकी, वाणिज्यिक, डिजिटल, गुणवत्ता तथा ईएसजी से संबंधित दक्षताओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना है.

इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी द्वारा किया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अजय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधनझ्एल एंड डी) सुश्री नीता बा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. सत्र के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधनझ्एल एंड डी) सुश्री नीता बा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के रणनीतिक महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला.

अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री बनर्जी ने भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी रूप से सामना करने हेतु सतत अधिगम एवं कौशल उन्नयन की अनिवार्यता पर बल दिया. वहीं, मुख्य महाप्रबंधक एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अजय कुमार ने वर्तमान प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिवेश में इस प्रकार की क्षमता संवर्द्धन पहलों की बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित किया. उल्लेखनीय है कि शिफ्ट प्रबंधकों की भूमिका संगठन की रणनीतियों को वास्तविक समय में परिचालन गतिविधियों में रूपांतरित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. ह्लपरिचालन 2.0ह्व कार्यक्रम के अंतर्गत प्रबंधकों की मूलभूत प्रक्रियागत समझ को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शिफ्ट स्तर पर लिए जाने वाले निर्णयों को उत्पादकता वृद्धि, लागत दक्षता, गुणवत्ता उत्कृष्टता, डिजिटल परिवर्तन तथा ईएसजी अनुपालन से संबंधित संगठनात्मक लक्ष्यों के अनुरूप समन्वित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 19 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का समन्वयन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधनझ्एल एंड डी) श्री अमित आनंद द्वारा किया जा रहा है. कार्यक्रम के संचालन में मानव संसाधनझ्एल एंड डी विभाग के अनुभाग अधिकारी श्री ऋषिकेश रंजन तथा प्रशासनिक सहयोगी (प्रशिक्षण) श्री सिद्धो चरण मुर्मू का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है.

संक्षिप्त खबरें

17 से 23 फरवरी तक श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ, तैयारियों में जुटी आयोजन समिति

बोकारो(बिभा)। बोकारो के सेक्टर-3 स्थित दुर्गा मैदान में आगामी 17 फरवरी से 23 फरवरी तक आयोजित होने वाले श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन स्थल को भव्य, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा हर स्तर पर बारीकी से कार्य किया जा रहा है। आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी विजय कुमार पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि सुजीत उपाध्याय के निर्देशन व मुरारी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस सात दिवसीय धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जा रही है। समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य पूरी निष्ठा, समर्पण और सामूहिक सहभागिता के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। श्रीमद भागवत कथा के वाचक के रूप में देश-विदेश में ख्यातिप्राप्त सुधांशु जी महाराज श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। उनके स्वागत, आवास, आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर भी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति ने बोकारो सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में भाग लेने की अपील की है। इस आयोजन को सफल बनाने में वीरेंद्र कुमार चौबे, शैलेंद्र कुमार तिवारी, विनय कुमार तिवारी, संतोष कुमार, आर. के. मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार, जय सिंह पाली, एम. के. पांडेय, ऋषिकेश चौधरी, अशोक कुमार पांडेय, एस. बी. पांडेय, बृजेश चौबे, पंचानंद पांडेय, सुजीत कुमार, राहुल कुमार मिश्रा, विजयलक्ष्मी, मंतोष पांडेय, निवास कुमार, सुरेंद्र तिवारी, दीपक तिवारी, राज कुमार मिश्रा, अभय श्रीवास्तव, राज कुमार मिश्रा सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

मिशन 500 के लिए तैयारी करना जरूरी : विकास

बोकारो(बिभा)। बोर्ड की परीक्षा आते ही 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के चेहरे पर साफ तनाव नजर आने लगता है। विद्यार्थी परीक्षा के करीब आते ही पैनिक करने लगते हैं। विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए और उनका एग्जाम प्रेशर कम करने के लिए चिन्मय विद्यालय, बोकारो में 'मोटिवेशन फॉर बेटर परफॉर्मेंस इन द बोर्ड एग्जाम' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में साइकोग्राफिक सोसायटी के डायरेक्टर श्री विकास कुमार उपस्थित रहे। उनके साथ साइकोग्राफिक सोसाइटी के सह संचालक श्री सिद्धार्थ भी मौजूद रहे। साथ ही, विद्यालय के सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा और उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि श्री विकास कुमार और श्री सिद्धार्थ का स्वागत सैपलिंग देकर किया गया। इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने 10वीं के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए प्रेरित किया और बोर्ड के जरूरी दिशा - निर्देश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद समारोह के मुख्य अतिथि विकास कुमार ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबोधित किया। उन्होंने चिन्मय विद्यालय, बोकारो से पास हुए विद्यार्थियों की उपलब्धि के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य तय करना जरूरी है और उसके प्रति सकारात्मक रूप से मेहनत करना भी जरूरी है। श्री विकास ने कहा कि बोर्ड परीक्षा के लिए मिशन 500 की तैयारी करनी जरूरी है।

ऑरेंज ग्लोबल ओलंपियाड में विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बोकारो (बिभा)। रॉयल पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 में विद्यालय स्तर पर आयोजित ऑरेंज ग्लोबल ओलंपियाड में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस ओलंपियाड में कक्षा 1 से कक्षा 4 तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा 1 से ऋषभ कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं आयुति कुमारी ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। कक्षा 2 में राजकिशोर हांसदा ने प्रथम स्थान हासिल किया व विधान केवट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा दिक्षा कुमारी, इकरा आफरी, अभिराज कुमार, दीप्ति कुमारी व कुणाल पात्रो ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। कक्षा 3 से पीयूष कुमार, शादिका परवीन व गौरव केवट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं शिवान्या चौधरी ने तृतीय स्थान हासिल किया व दिव्या कुमारी ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। कक्षा 4 में अंजली कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि प्रिंस कुमार व कृष्णा कुमार ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके साथ ही पूजा कुमारी, प्रिंस कुमार व सिया राज ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इस सफलता में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने वाली शिक्षिका आशु संजना की भूमिका सराहनीय रही। बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार व रॉयल पब्लिक स्कूल की प्राचार्य रूपम गुप्ता ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीसी - डीडीसी ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

बोकारो : शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के प्रस्तावित जिला भ्रमण कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है। इसी क्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट रामरूद्र सीएम एसओई चास विद्यालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय परिसर, सभागार, कक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा,

माइकिंग एवं यातायात प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गौरतलब हो कि कल राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार डिस्ट्रिक्ट रामरूद्र सीएम एसओई चास विद्यालय में छात्रों से संवाद करेंगे। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अलग-अलग दायित्व सौंपा गया। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं तथा समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, एनडीसी प्रभाष दत्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री अतुल कुमार चौबे, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, विद्यालय के शिक्षकगण आदि उपस्थित थे।

डीएवी-4 में हवन के पावन सुवासित वातावरण में दसवीं के परीक्षार्थी छात्रों का आशीर्वाद एवं शुभाशीष समारोह सम्पन्न

बोकारो। डीएवी सेक्टर-4 के प्रांगण में यज्ञ-हवन की पावन वेदध्वनि एवं सुगंधित धूम्र रेखाओं से परिपूर्ण वातावरण में दसवीं बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों हेतु आशीर्वाद तथा शुभाशीष समारोह का मंगल शुभारंभ किया गया। इस विशिष्ट मौके पर बच्चों के कुशल मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन हेतु विशिष्ट अतिथियों के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करने आए श्री अतुल कुमार चौबे (जिला शिक्षा पदाधिकारी, बोकारो) एवं श्री विकास कुमार (कैरियर काउंसलर एवं डायरेक्टर, साइकोग्राफिक समिति रांची) ने सभी परीक्षार्थियों से विशेष रूप से सीधे संवाद स्थापित किए एवं परीक्षा काल के दौरान होने वाले तनाव , शैक्षणिक जिज्ञासाओं एवं कैरियर संबंधी विकल्पों पर उनके जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का प्रेरक एवं संतोषजनक प्रत्युत्तर दिया। साथ ही उन्होंने परीक्षा काल के दौरान परीक्षार्थियों को अपने मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य व संतुलन को कायम रखने हेतु उपयोगी परामर्श भी दिए। अतिथियों ने सभी परीक्षार्थियों को आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में अपने प्रश्न पत्र हल करने तथा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु समय प्रबंधन एवं तैयारी संबंधी जरूरी सुझाव दिए।

हो समाज की आत्मा और अस्मिता का महापर्व मागे परब 8 को मनाया जाएगा

बिभा संवाददाता

बोकारो। हो समाज की संस्कृति, परंपरा और सामूहिक चेतना का प्रतीक मागे परब आगामी रविवार 8 फरवरी को सेक्टर-8ए स्थित सरना स्थल में बोकारो हो समाज समिति के तत्वावधान में श्रद्धा, गर्व और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को ऐतिहासिक और यादगार बनाने को लेकर गुरुवार को आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समिति अध्यक्ष मुनेश बारी ने की। बैठक में पर्व को सफल, सुव्यवस्थित और हर्षोल्लासपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान अध्यक्ष मुनेश बारी ने कहा कि मागे परब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हो समाज की जड़ों, भाषा और पूर्वजों के सपनों से जुड़ने का जीवंत माध्यम है। यह पर्व हमें प्रकृति, सिंगबोंगा और समाज के साथ सामंजस्य में जीवन जीने की सीख देता है। समिति के संरक्षक ललित पूर्ति ने मागे परब के दार्शनिक और आध्यात्मिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ईश्वर (षिञवोङ्गा) की इच्छा से प्रथम माता-पिता लुकु- लुकमि की द्वैत शक्ति द्वारा सृष्टि के उद्देश्य को आगे बढ़ाने की भावना ही मागे परब का मूल सार है। आयोजन समिति ने सभी समाजबंधुओं से अपील की है कि वे कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं और अपनी सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत करें। मौके पर समिति के सचिव अनु बिरुली, कोषाध्यक्ष सुखसेन देवगाम, उप कोषाध्यक्ष ब्रजमोहन तुबिद, संरक्षक ललित पूर्ति, संजय पूर्ति, निरंजन कुंकल, कृष्णा गगराई सहित कई अन्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

स्वदेशी मंच पर बही देशभक्ति, हास्य और सामाजिक सरोकारों की काव्य धारा

बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच के तत्वधान में आयोजित इस्पतांचल स्वदेशी मेला में ग्रंथ सृजन संस्थान के बैनर तले काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें देशभक्ति, हास्य और सामाजिक सरोकारों पर काव्यस्ष्टाओं ने काव्य पाठ कर काव्य धारा प्रवाहित किया। विशिष्ट अतिथी भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य व पूर्व धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह, मुख्य अतिथी गुरुगोविंद सिंह टेनिकाल इंजिनियरिंग कॉलेज के डॉरेक्टर डॉ प्रियदर्शी जरूहार व पुर्व गिरिडीह सांसद रविन्द्र पांडे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन और भारत माता की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर काव्य गोष्ठी आरंभ किया गया। मंच के आयोजन समिति के श्रेत्रिय संयोजक अमरेन्द्र कुमार सिह ने पशुपति नाथ सिंह, सांस्कृतिक आयोजन समिति के अनंत शेखर ने पूर्व गिरिडीह सांसद रविन्द्र पांडे और ग्रंथ सृजन संस्था के संस्थापक रजत नाथ ने डॉ प्रिशदर्शी जरूहार को शाल पहना कर सम्मानित किया वहीं ग्रंथ सृजन संस्थान के संस्थापक रजत नाथ को मंच पर उपस्थित अतिथी और काव्य रचनाकारों ने संयुक्त रूप से शॉल पहना कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पीएन सिंह ने कहा कि स्वदेशी मेला का ध्येय स्वदेशी भावना को प्रोहत्साहित करना है। यह काव्य गोष्ठी राष्टभक्ति का संवाहक है। पशुपतिनाथ ने साहित्य और काव्य की इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला और निराला, नीरज, महादेवी के रचनाओं को उदरित करते काव्य की महत्ता प्रकाश डाला।

बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी ने मो. जमील अख्तर को दिया महापौर पद पर समर्थन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी ने चास नगर निगम महापौर पद के उम्मीदवार मो. जमील अख्तर को आधिकारिक समर्थन देने की घोषणा की है। इस संबंध में आज जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जवाहर लाल महथा के आवासीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी की ओर से यह फैसला सार्वजनिक किया गया।प्रेस को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्री जवाहर लाल महथा ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार एवं पीएससी बोकारो के निर्णय के आधार पर चास नगर निगम महापौर पद के लिए मो. जमील अख्तर को कांग्रेस पार्टी का समर्थन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जमील अख्तर पार्टी के समर्पित सिपाही हैं और दो दशक से अधिक समय से पार्टी की सेवा में जुड़े हुए हैं। महथा ने विश्वास जताया कि मो. जमील अख्तर एक मजबूत प्रत्याशी हैं एवं उनकी जीत लगभग

सुनिश्चित है।प्रेस वार्ता में जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष श्री देवाशीष मंडल, चास प्रखंड भाग-2 अध्यक्ष मो. मुख़्तार अंसारी, उपाध्यक्ष श्री असीम शर्मा, नगर अध्यक्ष श्री गौरव राय, युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्री नितेश भारद्वाज, सेवा दल अध्यक्ष श्री प्रशांत बाउरी, वरिष्ठ नेता श्री प्रेम राय, श्री अशोक मिश्रा, पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष मो. अली अंसारी, श्री रामपद रविदास, श्री सुधीर जायसवाल, चास मंडल अध्यक्ष श्री हीरालाल शर्मा, श्री दीपक शर्मा, श्री राजीव कुमार, श्री आर.के. विद्यार्थी, श्री शुभम सिंह, श्री प्रदीप दे, श्री सुनील स्वर्णकार, मागा राम स्वर्णकार, कर्ण सिंह, दीपक कालिंदी, रोहित यादव, अमीरूल हसन, गोलबाबू अंसारी, रियाज परिंदा, सुनील शर्मा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे।प्रेस वार्ता में महापौर प्रत्याशी मो. जमील अख्तर के साथ वार्ड पार्षद प्रत्याशी श्री विक्की महतो, मुस्लिम अंसारी, शोएब सलमान, प्रशांत बाउरी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

महिला शिशु जन विकास समिति ने आयोजित की मोहल्ला गोष्ठी, घरेलू हिंसा पर हुई चर्चा

चास (बोकारो) । इस्पात नगर बोकारो स्थित महिला शिशु जन विकास समिति के संचालित परिवार परामर्श केंद्र चास द्वारा काला पत्थर दास टोला में मोहल्ला गोष्ठी बैठक का आयोजन किया गया। संस्था की सचिव श्रीमती आरती जयसवाल के नेतृत्व में हुई इस बैठक में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और पारिवारिक विवादों पर विस्तृत चर्चा हुई।संस्था सचिव आरती जयसवाल ने बताया कि परिवार परामर्श केंद्र महिलाओं व उनके परिवारों को वैवाहिक विवाद, बच्चों के मुद्दों व अन्य पारिवारिक समस्याओं पर निशुल्क परामर्श प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ये केंद्र महिलाओं को उनके अधिकारों-जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हैं तथा खुशहाल परिवार गठन व संरक्षण में सहायता करते हैं। बैठक में मोमबत्ती, फूल व अगरबत्ती निर्माण की ट्रेनिंग तथा सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श किया गया।बैठक में परामर्शी कविता कुमारी के अलावा मंजू कुमारी, मंजू देवी, राधा देवी, सीमा देवी, बॉबी देवी, बाला देवी समेत बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

स्वदेशी मेला, बोकारो में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में कवि-कवयित्रियों के काव्य रस से सराबोर हुए श्रोता

साहित्य व कला-संस्कृति के क्षेत्र में बोकारो की विशिष्ट पहचानः संचार प्रमुख मणिकांत धान

बिभा संवाददाता

बोकारोः सेक्टर 4 मजदूर मैदान में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित 24वें इस्पातांचल स्वदेशी मेला के प्रांगण में बुधवार की शाम राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। रश्मिपुंज साहित्यिक संस्थान के तत्वावधान में कलिका क्रियेशन्स द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में तीन राज्यों के कविगण आमंत्रित थे। बोकारो के कवि अरुण पाठक की अध्यक्षता व रायबरेली से पधारे रश्मिपुंज साहित्यिक संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गोविन्द गजब के कुशल संचालन में आयोजित इस कवि सम्मेलन में कवि-कवयित्रियों ने प्रेम, उल्लास, ओज व मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत कविताएं, गीत-गजल सुनाकर श्रोताओं को घंटों बांधे रखा। कवि सम्मेलन की

शुरूआत मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के संचार प्रमुख मणिकांत धान, विशिष्ट अतिथि बीएसएल के उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन/राजभाषा) आलोक कुमार व आमंत्रित कवि-कवयित्रियों द्वारा संयुक्तरुप से दीप प्रज्जवलित कर की गई। इस अवसर पर अतिथियों व कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवि-कवयित्रियों को शॉल व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने अपने संबोधन में इस आयोजन की सराहना की और कहा कि शिक्षा, साहित्य व कला-संस्कृति के क्षेत्र में बोकारो की विशिष्ट पहचान है। बीएसएल भी साहित्य व कला-संस्कृति के संवर्द्धन में अपना योगदान देता रहा है। विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार ने भी साहित्य व कला क्षेत्र की प्रतिभाओं की चर्चा की और इस आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

काव्यपाठ की शुरूआत कवयित्री करुणा कलिका द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई। नालंदा से आयी अनमोल कुमारी ने चूड़ी, कंगन और महावर, बिंदिया कब तक गाऊंगी, नवादा से आये ओंकार कश्यप ने राष्ट्रद्रोहियों गद्दारों का शीश काटना पाप नहीं है, जमशेदपुर से आयी अंकिता सिन्हा ने फिर भी कोई सच कहने की हिम्मत नहीं करता, साहेबगंज से आये मेजर कुमार संजय ने जाने क्यों लोग पी एम बनतें हैं, बोकारो के अभिनव शंकर अनिकुल ने कविता मन के भाव, राँची से आये चंदन प्रजापति ने मौत ने मेरा दिल निकाला और जिंदा छोड़ दिया, पटना से आये रविकिशन ने चुपचाप तड़पने का हुनर सीख रहा हूं, रायबरेली से आये डॉ गोविन्द गजब ने मैं हर रात सुहागन होती, रोज सुबह विधवा हो जाती, करुणा कलिका ने संघर्षो से यारी हमने कर ली है तो कर ली है व कार्यक्रम अध्यक्ष अरुण पाठक ने अपनी रचना मैथिली में होली गीत होली पावनि अछि मनभावन एकरा सभ मिलि संग मनाउ सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही ली। धन्यवाद ज्ञापन स्वदेशी जागरण मंच के कुमार संजय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन कलिका क्रियेशन्स की ओनर तथा रश्मिपुंज साहित्यिक संस्थान की महासचिव करुणा कलिका ने तथा सह संयोजन अरुण पाठक ने किया। इस अवसर पर श्रोताओ में प्रभात कुमार, रवि सिन्हा, काजल भलोटिया, समीर स्वरूप गर्ग, पं बच्चनजी महाराज, मनोज उपाध्याय उर्फ सुमनजी, कस्तूरी सिन्हा, नीलिमा प्रसाद, माला, सोनी, पूनम झा, पम्मी, जयंती पाठक, आरफा, समरेश सिंह, बादल महता, चंद्रकान्त मिश्र, नीरज सिंह, रमण चौधरी, अनंत शेखर प्रसाद सिन्हा, प्रमोद कुमार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं बेहतर बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व शिक्षा अभियान सहित शिक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन एवं विस्तृत रूप से समीक्षा की गई।बैठक के दौरान शिक्षा से संबंधित नियुक्ति मामला, पोषक, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, नामांकन, विद्यालयों की आधारभूत संरचना, शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों की स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, मध्याह्न भोजन योजना, बच्चों की स्वास्थ्य जांच, आईएफए टैबलेट वितरण, चावल उठाव एवं वितरण, आधार अपडेट, निपुण भारत अभियान सहित अन्य संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शिक्षा से संबंधित सभी मूलभूत आवश्यकताओं की समीक्षा करते हुए जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों को आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के विद्यालयों में सभी मानकों को सुदृढ़ कर जिले को राज्य में अग्रणी स्थान दिलाने की दिशा में गंभीरता से कार्य करना होगा।

उन्होंने डीएमएफटी अंतर्गत संचालित आधारभूत संरचना कार्यों को समन्वित रूप से करने की आवश्यकता बताते हुए संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। साथ ही विद्यालयों का नियमित क्षेत्र भ्रमण कर समस्याओं के त्वरित समाधान एवं आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। उपायुक्त ने सभी बीईओ को निर्देशित किया कि शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए। विद्यालय कक्षों की मरम्मत, पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, पीएम श्री विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग तथा आवश्यकता के अनुसार बेंच-डेस्क उपलब्ध कराने हेतु निर्धारित प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया गया।बायोमेट्रिक अपडेट एवं आधार से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु समन्वय स्थापित कर त्वरित सुधार करने के निर्देश दिए गए। सभी बीईओ एवं बीपीओ को अपने अधीन विद्यालयों में बायोमेट्रिक अपडेट की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया।निपुण भारत अभियान के अंतर्गत कार्यों को गंभीरता से संपादित करने तथा लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। विद्यालय भ्रमण के दौरान जय गुरुजी ऐप की जांच करने एवं स्थानीय स्तर पर स्कूलवार डेटा के लिए ऐप विकसित करने के भी निर्देश दिए गए।

मध्याह्न भोजन योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, इस पर विशेष फोकस करने तथा बाल वाटिका की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, आईएफए टैबलेट का शत-प्रतिशत वितरण तथा पीवीटीजी क्षेत्रों के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष स्वास्थ्य निगरानी पर भी जोर दिया गया।

बैठक में जन चेतना केंद्र निर्माण, आईसीयूटी लैब की स्थापना, समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत स्टूडेंट प्रोफाइल अपडेट, छात्र नामांकन एवं वोकेशनल एजुकेशन से संबंधित विषयों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर उपविकास आयुक्त रिया सिंह, सदर एसडीओ आदित्य पांडेय, नगर आयुक्त ओमप्रकाश गुप्ता, प्रशिक्षु आईएएस आनंद शर्मा, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देवप्रिया, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, डीएससी आकाश कुमार सहित सभी बीईओ, बीपीओ एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

नगरपालिका आम निर्वाचन के निमित्त सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: नगरपालिका आम निर्वाचनझ2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) श्री शशि प्रकाश सिंह एवं सामान्य प्रेक्षक श्री अविनाश शर्मा की अध्यक्षता में सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरपालिका आम निर्वाचन से संबंधित अब तक संपादित निर्वाचन कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्वाचन की सभी प्रक्रियाओं को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने पर विशेष बल दिया गया।

मतदान दिवस के अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं निर्वाचन प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने हेतु मिनी कंट्रोल रूम की स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही हेल्पलाइन कोषांग में प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निष्पादन एवं संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को समय पर सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

बैठक में सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने कोषांगों के अंतर्गत सौंपे गए दायित्वों का विधि-सम्मत, गंभीरतापूर्वक एवं ससमय निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

आगामी 23 फरवरी को अवश्य करें मतदान : डॉ ताराचंद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के अंतर्गत आगामी 23 फरवरी को लोहरदगा जिला के नगर परिषद क्षेत्र में मतदान होना है जिसे लेकर स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत समाहरणालय परिसर में स्वीप कोषांग की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अभियान की शुरूआत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ ताराचंद द्वारा की गयी।

इस कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा कि लोहरदगा नगर परिषद क्षेत्र में कुल 23 वार्डों के 46 मतदान केंद्रों में मतदान 23 फरवरी 2026 को होना है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इस दौरान सभी संबंधित वार्ड के मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्रों में पहुंच कर मतदान अवश्य करें। आपका मतदान आपका अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है। एक जिम्मेदार नागरिक बनें और अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

कार्यक्रम में उपायुक्त द्वारा सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलायी गयी।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक समेत पदाधिकारियों व कर्मियों द्वारा सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी ली गयी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दास समेत जिला स्तर के अन्य पदाधिकारीगण, स्वीप कोषांग के पदाधिकारी व कर्मीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अग्रवाल युवा मंच द्वारा 16 फरवरी को श्री श्याम रंगीलो फागन निशान यात्रा का भव्य आयोजन

हजारीबाग(बिभा) : अग्रवाल युवा मंच के तत्वावधान में आगामी 16 फरवरी को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से परिपूर्ण श्री श्याम रंगीलो फागन निशान यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह निशान यात्रा श्री रानी सती जी मंदिर परिसर से विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकाली जाएगी। फाल्गुन माह की पावन बेला में आयोजित इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। भक्त हाथों में रंग-बिरंगे निशान श्याम बाबा के जयकारों के साथ नगर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर करेंगे। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों की गूंज और फूलों की वर्षा आकर्षण का केंद्र रहेगी।अग्रवाल युवा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन समाज में धार्मिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं युवाओं में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए मंच के सभी सदस्य सक्रिय रूप से तैयारियों में जुटे हुए हैं। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक आनंद का अनुपम संगम साबित होगा।

हजारीबाग नगर निगम हेतु सामान्य एवं व्यय प्रेक्षक नियुक्त

हजारीबाग(बिभा): नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के निमित्त झारखण्ड निर्वाचन आयोग, राँची द्वारा हजारीबाग नगर निगम निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक एवं व्यय प्रेक्षक का आगमन हजारीबाग जिले में हो चुका है। हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के लिए श्री रविराज शर्मा को सामान्य प्रेक्षक तथा श्री पंकज नारायण को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रेक्षक रविराज शर्मा न्यू सर्किट हाउस तथा व्यय प्रेक्षक श्री पंकज नारायण न्यू सर्किट हाउस में ठहरे हुए हैं।सामान्य प्रेक्षक रविराज शर्मा का मोबाइल नंबर 9546508991 है, जबकि व्यय प्रेक्षक श्री पंकज नारायण का मोबाइल नंबर 8580164338 है।सामान्य प्रेक्षक हेतु नामित सम्पर्क (लायजनिंग) पदाधिकारी सज्जाद अंसारी, परियोजना प्रबंधक, DMFT, हजारीबाग का मोबाइल नंबर 8789639390 है तथा व्यय प्रेक्षक हेतु नामित सम्पर्क (लायजनिंग) पदाधिकारी श्री रोनीत कुमार, हेल्थ मैनेजर, DMFT, हजारीबाग का मोबाइल नंबर 7503342531 है।एतद् द्वारा सभी राजनितिक दलों, प्रत्याशियों एवं आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि वे हजारीबाग नगर निगम निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित अपनी शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु प्रतिदिन संध्या 05:00 बजे से 06:00 बजे तक प्रेक्षक से भेंट कर सकते हैं अथवा उपर्युक्त मोबाइल नंबरों पर संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

कुडू प्रखंड उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने सेकेंड हैंड बाइक शोरूम का किया उद्घाटन

कुडू(बिभा)। गुरुवार 5 फरवरी को कुडू में चोटनागपुर मोटर्स सेकंड हैंड बाइक शोरूम का विधिवत शुभारंभ कुडू प्रखंड उप प्रमुख ऐनुल अंसारी, कुडू थाना के एएसआई सुकू सोरेन, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कमरूल इस्लाम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर कुडू प्रखंड उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने बताया कि मीडियम क्लास के लोगों को यह बाइक शोरूम खुलने से काफी आसानी होगी। लोगों को अब सेकंड हैंड मोटरसाइकिल लेने के लिए अब इधर-उधर ढूंढना नहीं पड़ेगा। वहीं इस शोरूम के संचालन कर्ता ने बताया कि बजाज, होंडा, सहित अन्य कंपनी का सेकंड हैंड मोटरसाइकिल यहां मौजूद रहेगा। अब एक ही छत के नीचे लोग किसी भी प्रकार की कंपनी का सेकंड हैंड मोटरसाइकिल खरीद सकते है। साथ ही बताया कि यहां पर सस्ते और उचित दामों में बाईक उपलब्ध रहेगा। इस उद्घाटन समारोह में कुडू प्रखंड उप प्रमुख ऐनुल अंसारी, कुडू थाना के एएसआई सुकु सोरेन, कमरुल इस्लाम, हलीम अंसारी, मनान अंसारी, मोहम्मद अब्बू रेहान, परवेजअंसारी, संगीता उरांव, मोहम्मद इसतखार सहित अन्य उपस्थित थे।

निगम चुनावः महापौर पद पर 3 और वार्ड पार्षद पद पर 6 नामांकन निरस्त

नामांकन और स्क्रूटनी की प्रक्रिया हुई संपन्न आज नाम वापसी, कल होगा चुनाव चिन्ह आवंटन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर निगम चुनाव को लेकर शहर का राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा चुका है। चौक-चौराहों से लेकर बाजार, मोहल्लों और चाय की टपरियों तक सिर्फ चुनावी चचाओं का ही दौर चल रहा है। आम मतदाता से लेकर राजनीतिक कार्यकताओं तक हर कोई प्रत्याशियों की स्थिति, संभावित मुकाबले और समीकरणों पर चर्चा करता नजर आ रहा है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 4 फरवरी को नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई थी। इसके बाद 5 फरवरी को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की गई, जिसमें कई प्रत्याशियों के दस्तावेजों की गहन जांच की गई। आज 6 फरवरी को नाम वापसी की प्रक्रिया होगी, जबकि 7 फरवरी को शेष बचे प्रत्याशियों को क्रमांक संख्या एवं चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही नगर निगम चुनाव का असली सियासी रण शुरू हो जाएगा।

महापौर पद के लिए कुल 13 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया था। स्क्रूटनी के दौरान दस्तावेजों में त्रुटियां पाए जाने के बाद तीन प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर दिया गया। इनमें नजमा खातून, सुनील कुमार ठाकुर एवं मनोज कुमार उर्फ टुन्नु गोप शामिल हैं। नामांकन निरस्त होने के बाद अब महापौर पद के लिए चुनाव मैदान में प्रत्याशियों की संख्या घट गई है, जिससे मुकाबला और रोचक होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर वार्ड पार्षद पद के लिए नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से 180 से अधिक उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर अपनी दावेदारी पेश की थी। स्क्रूटनी के दौरान कुल छह प्रत्याशियों के नामांकन रद्द किए गए। और वही दो उम्मीदवार निर्विरोध जीत हासिल किए हैं जिसमें वार्ड संख्या 13 से विकास यादव एवं वार्ड संख्या 36 से अविनाश यादव ने निर्विरोध जीत हासिल किया है। जांच में सामने आया कि अधिकांश मामलों में जाति प्रमाण पत्र, संतान संबंधी घोषणा पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों में खामियां पाई गईं। स्क्रूटनी के दौरान वार्ड संख्या 1 से उम्मीदवार शाहीन परवीन का नामांकन बिहार सरकार द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने के कारण निरस्त किया गया। वार्ड संख्या 4 से उम्मीदवार रामेश्वर कुशवाहा का नामांकन नगर पालिका का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, मतदाता सूची एवं बैंक पासबुक की अभिप्रमाणित प्रति उपलब्ध नहीं होने के कारण रद्द किया गया। वार्ड संख्या 10 से उम्मीदवार मनोरमा देवी का नामांकन संतान संबंधी घोषणा पत्र में त्रुटि के कारण निरस्त कर दिया गया। इसी प्रकार वार्ड संख्या 17 से उम्मीदवार शमा परवीन, वार्ड संख्या 30 से उम्मीदवार रजिया खातून का नामांकन भी बिहार सरकार द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र के कारण रद्द किया गया। वहीं वार्ड संख्या 21 से उम्मीदवार मोहम्मद अयातुल्लाह इरफान एवं वार्ड संख्या 24 से उम्मीदवार कंचन देवी का नामांकन संतान संबंधी घोषणा पत्र में कमी पाए जाने के कारण निरस्त किया गया। इसके अलावा कुछ वार्डों में दोहरी नामांकन की स्थिति भी सामने आई। वार्ड संख्या 32 से उम्मीदवार चंदन कुमार के दाखिल दो नामांकन पत्रों में से एक प्रति नाम निर्देशन शुल्क एवं जाति प्रमाण पत्र में त्रुटि के कारण निरस्त कर दी गई, जबकि दूसरी प्रति को वैध मानते हुए स्वीकृत कर लिया गया। इसी तरह वार्ड संख्या 35 से उम्मीदवार खुशबू देवी के दो नामांकन पत्रों में से एक प्रति कम आयु संबंधी घोषणा में गड़बड़ी के कारण निरस्त की गई, जबकि दूसरी प्रति को स्वीकृत कर लिया गया है। नामांकन और स्क्रूटनी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी की निगाहें नाम वापसी और चुनाव चिन्ह आवंटन पर टिकी हुई हैं। 7 फरवरी को जैसे ही प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह मिलेंगे, वैसे ही नगर निगम चुनाव को लेकर प्रचार-प्रसार तेज हो जाएगा और शहर में चुनावी हलचल अपने चरम पर पहुंचने की पूरी संभावना है।

नगर पालिका चुनाव 26 अध्यक्ष के लिए 09 वार्ड पार्षद के लिए 228 मैदान में

रामगढ़ (बिभा): नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत गुरुवार को हुई स्क्रुटनी के उपरांत स्वीकृत एवं अस्वीकृत अभ्यार्थियों कि संख्या जारी। नगर पालिका चुनाव हेतु अध्यक्ष पद के लिए कुल 10 अभ्यर्थी, स्वीकृत 9 अभ्यर्थी, अस्वीकृत 1 अभ्यर्थी (ललिता देवी, उम्र कम होने के कारण। तथा वार्ड पार्षद के लिए कुल अभ्यर्थी 231, स्वीकृत 228, अस्वीकृत 3 (वार्ड नंबर 16 रूबी कुमारी, नीतू कुमारी, मतदाता सूची में नाम नहीं होने के कारण) वार्ड नंबर 32 (रीना देवी जाति प्रमाण पत्र दूसरे राज्य का होने के कारण।) होना बताया गया है।

प्रेक्षकों ने की निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा, कोषांगों के कार्यों से हुए अवगत

पलामू(बिभा)। नगरपालिका चुनाव को लेकर पलामू पहुंचे प्रेक्षकों ने गुरूवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त समीरा एस, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन सहित जिले के सभी पांचों नगर निकाय के निवार्ची पदाधिकारी, विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन की अबतक की तैयारियों की समीक्षा की। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नगर निकाय के संबंधित प्रेक्षक को एक-एक कर उनके क्षेत्र में अबतक किये गये कार्यों से अवगत कराया। सभी नगर निकाय क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्र, बुरका क्लैड पोलिंग स्टेशन, मतदान केंद्र तक कर्मी के आवागमन की सुविधा सहित अन्य कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधा, मतदान केंद्र, वाहन की आवश्यकता, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सामग्री, पोस्टल बैलेट, मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनीटरिंग के संबंध में जानकारी दी। बैठक में प्रेक्षकों को बताया गया कि जिले के पांचों नगर निकाय में कुल 103 वार्डों के लिये चुनाव कराया जाना है। इसके लिए 246 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। वहीं शस्त्रों का सत्यापन किया जा रहा है। साथ ही एफएसटी और एसएसटी का गठन किया गया है। बैठक में मेदिनिगर नगर निगम, विश्रामपुर नगर परिषद, छत्तरपुर नगर पंचायत, हुसैनाबाद नगर पंचायत के प्रेक्षक और हरिहरगंज नगर पंचायत समेत विभिन्न कोषांग के नोडल पदाधिकारी मौजूद थे।

बलदेव साहू क्रिकेट टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय एंकर तान्या पुरोहित करेंगी कार्यक्रम का संचालन

लोहरदगा(बिभा)। बलदेव साहू क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने जा रहे बहुप्रतीक्षित बलदेव साहू क्रिकेट टूनार्मेंट में इस बार दर्शकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की एंकरिंग का खास अनुभव मिलेगा। प्रसिद्ध एंकर तान्या पुरोहित पूरे आयोजन का संचालन करेंगी, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और आकर्षण और बढ़ने की उम्मीद है। इस आयोजन के मुख्य संयोजक लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में टूनार्मेंट को भव्य रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार, तान्या पुरोहित अपने ऊजार्वान अंदाज और पेशेवर प्रस्तुति के लिए जानी जाती हैं और उद्घाटन समारोह सहित विभिन्न विशेष कार्यक्रमों में उनकी एंकरिंग दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। आयोजकों का कहना है कि अंतराष्ट्रीय मंचों पर अनुभव रखने वाली तान्या पुरोहित की मौजूदगी से टूर्नामेंट को नई पहचान मिलेगी और खेल के साथ मनोरंजन का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा।

नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए 13 अभ्यर्थियों के नामांकन वैध, वार्ड सदस्यों की भी लिस्ट जारी

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले में नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के तहत बुधवार को नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किए गए नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (स्क्रूटनी) की प्रक्रिया संपन्न हुई।यह संवीक्षा निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता लोहरदगा द्वारा दिनांक 05 फरवरी 2026 को की गई।संवीक्षा के उपरांत कुल 13 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र वैध पाए गए।किसी भी अभ्यर्थी का नामांकन पत्र अस्वीकृत नहीं किया गया।वैध पाए गए अभ्यर्थियों की सूची इस प्रकार है अनिल उराँव, आरती कुमारी,प्रभात कुमार भगत,पावन एक्का,बालमुकुन्द लोहरा,राजेन्द्र लोहरा, रामलाल उराँव, लक्ष्मी नारायण भगत, विलियम कुजुर, विशाल डुंगडुंग, सतीश रंजन उराँव,संजय टोप्पो एवं संतोष उराँव शामिल है। निर्वाचन प्रक्रिया के अगले चरण में नाम वापसी एवं प्रतीक आवंटन की कार्रवाई निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

लोहरदगा वार्ड संख्या 07 से 12

वार्ड 07 अन्या राज,सचिता मिंज,सरिता गुप्ता,सुनीता टोप्पो एवं सुमन कुमारी, वार्ड 08 अभिषेक कुमार वर्मा,अविनाश कौर,अहमद अली,ओम प्रकाश गुप्ता,कमलेश कुमार,चंदन कुमार साहू,धर्मेंद्र भगत,प्रसाद राम एवं सपन चंद्र दास, वार्ड 09 अब्दुल वारिश,अयुब अली,मो० इर्शाद अहमद,जिआउल हक,परवेज खां,मो०प्रवेज खान,मासुक कुरैशी एवं शंकर कुमार भगत, वार्ड 10 इशरत प्रवीन,निशांत प्रवीण एवं सुलताना खातुन, वार्ड 11 मो०क्यामाउद्दीन कुरैशी,जफर इकबाल,दाऊद हसन,मनीर अंसारी,माजिद अंसारी,यूसुफ अंसारी एवं वारीस अंसारी, वार्ड 12 अब्दुल कादिर अली एवं रउफ अंसारी तथा 1 सदस्य वार्ड 07 से शीला देवी का रिजेक्ट हुई है।

वार्ड संख्या 01 से 06

वार्ड 01 गुलनाज परवीन,जहाँगीर कुरैशी, वार्ड 02 नुसरत खातून,फरजाना परवीन,माहे तलत,रूबी परवीन,साफिया शबनम, वार्ड 03 खुशबू कुमारी,चंदा देवी,राफिया खातून,रिफत तबस्सुम,सालेहा परवीन, वार्ड 04 आरती गुप्ता,कमला देवी,गीतांजली देवी,दीप्ती राय,नीना कुशवाहा,पूनम देवी,सरस्वती देवी,सिन्धु देवी, वार्ड 05 अजय उराँव,कमला देवी,प्रवीण लकड़ा,फ्रेडी कुजूर,राजकमल फ्रेडी एक्का, वार्ड 06 मनोज सोन तिर्की,सुगो देवी।

वार्ड संख्या 13 से 18

वार्ड 13 दिनेश कुमार पांडेय,मीर आरिफ, वार्ड 14 : ताहेरा तबस्सुम,मो. मोकिम खां,मोख्तार अहमद,मोहसिन खलीफा,राजेश गुप्ता,संगीता देवी,संदीप प्रसाद, वार्ड 15 मुन्नी मिंज,नीलम कुमारी मिंज,सीमा देवी, वार्ड 16 अभय वर्मा,अमर कुमार,किशुन महतो,मिथुन कुमार तमेड़ा,संतोष यादव, वार्ड 17 अंजलि कुमारी,शिवांजलि मिश्रा, वार्ड 18 कृतिक कुमार,प्रदीप कुमार,रितेंद्र कुमार महतो,विजय कुमार महतो और संगीता कुमारी

वार्ड संख्या 19 से 23

वार्ड 19 आकाश कुमार,कुमार अभिषेक,गीता देवी,प्रदीप कुमार,राजीव रंजन, वार्ड 20 अनिकेत उराँव,ओमपाल उराँव,तारामणी भगत,पवन कुमार तिर्की, वार्ड 21 चांदमनी कच्छप,मंजू उराँव,लक्ष्मी उराँव,शीला देवी, वार्ड 22 नीतू टोप्पो,सुनीता बाड़ा,सुषमा कुमारी, वार्ड 23 अशोक रजक,विनोद राम,बेबी कुमारी,ममता देवी और राजीव रजक शामिल है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौताः मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

ललित गर्ग

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां ह्लदेर आए, दुरुस्त आएह्व की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दशार्ता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और ह्लमेक इन इंडियाह्व को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को ह्लनिरंतर धैर्य का परिणामह्व बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाजी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दशार्ता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वाताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रूवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

संपादकीय

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति-निर्माण के सर्वोच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए, तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

बैंकों में 3.4 लाख करोड़ का सोना गिरवी, बैंकों का जोखिम बढ़ा

सनत कुमार जैन

सोने की कीमतों में गिरावट से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की चिंता बढ़ गई है। देश में गोल्ड लोन का चलन बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर लोन ले रहे हैं। हाल ही में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि और उसके बाद तेजी के साथ दामों में गिरावट ने बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की ऋण व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में करीब 9 करोड़ लोगों ने सोना गिरवी रख कर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लिया है। जिसके चलते लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का सोना बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के पास गिरवी रखा हुआ है। सोने के दाम में हालिया गिरावट ने इस पूरे तंत्र को हिला दिया है। बैंक और वित्तीय संस्थान सोने की कीमत का 75 फीसदी से 90 फीसदी तक फाइनेंस कर देते हैं। ऋण देने के जो नियम बना रखे हैं उसके अनुसार यदि दाम घटते हैं तो ऐसी स्थिति में ऋणधारक को ब्याज की मार्जिन मनी चुकानी पड़ती है। यदि वह मार्जिन नहीं दे पता है तो ऐसी स्थिति में बैंक और वित्तीय संस्थानों को अधिकार है कि वह सोने की नीलामी करके अपना पैसा वसूल कर लें। बीते वर्षों में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण गोल्ड लोन को सुरक्षित कर्ज मानते हुए बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोने पर कर्ज को बढ़ावा दिया है। लोगों ने भी बढ़ी हुई कीमतों का फायदा उठाकर ज्यादा कर्ज लिया। कई मामलों में टॉप-अप लोन भी प्राप्त किया है। अब सोने के दाम अप्रत्याशित रूप से घटने के कारण गिरवी रखे गए सोने का मूल्य कम हो गया है। कर्ज की राशि से सोने की कीमत कम हो गई है। ऐसी स्थिति में बैंकों द्वारा कर्जदारों से मार्जिन मनी जमा करने या अतिरिक्त सोना गिरवी रखने का दबाव बढ़ाया जा रहा है। समस्या यह है, गोल्ड लोन लेने वाले अधिकतर लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उनके पास ब्याज और मार्जिन मनी के रूप में जमा करने के लिए अतिरिक्त नकदी नहीं है। जिससे वह वित्तीय संस्थान द्वारा मांगी गई मार्जिन मनी को जमा कर सकें। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है, अगर कर्ज न चुकाने की स्थिति में बड़े पैमाने पर वित्तीय संस्थाओं द्वारा सोने की नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में तो बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ेगी। जिससे सोने की कीमतों में और भी बड़ी गिरावट आ सकती है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का घाटा बढ़ सकता है। इसका असर बैलेंस शीट पर भी पड़ेगा। सोने और चांदी की कीमतों में जिस तरह की तेजी और मंदी देखने को मिल रही है, उसने वित्तीय संस्थानों की चिंता को बढ़ा दिया है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर चला। जिसके कारण वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। बाजार में उपभोक्ता के पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं है। जिसके कारण बाजार में मांग घट रही है। नौकरी और रोजगार पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और अन्य बैंक इस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अर्थ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर सोने की कीमतों में तेज गिरावट जारी रहती है तो यह संकट बैंकिंग व्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों से सोना गिरवी रखने में 75 से 90 फीसदी तक लोन गिरवी रखने वालों को दिया जाता था। बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा सोने पर लोन लिया गया है। सोने में लिए गए ऋण का असर 9 करोड़ परिवारों पर सीधे रूप से देखने को मिल रहा है। जिस मध्यम वर्ग के पास सोना है, वह अपनी जरूरतें सोना गिरवी रखकर पूरी कर रहा था। देश की अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग के ऊपर कितना दबाव है, यह उसे दर्शा रहा है। वर्तमान आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होने की दशा में बाजार में मांग घटेगी। आने वाले समय में इसका असर रोजगार और व्यवसाय पर पड़ेगा। देश को आर्थिक मंदी का शिकार होना पड़ सकता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर भी भारी कर्ज है। रिजर्व बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंकों के पास पर्याप्त नगदी की उपलब्धता नहीं है। इसको देखते हुए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय की चिंता बढ़ गई है। सोने एवं चांदी में कर्ज किस मानक से दिया जाए, इसके लिए वित्तीय संस्थान चिंतन कर रहे हैं। वित्तीय संस्थाओं का

3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सोने के ऋण में फंसा हुआ है। शेयर बाजार में जिस तरीके के उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं, उसने भी रिजर्व बैंक की चिंता को बढ़ा दिया है। अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए रिजर्व बैंक अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर बदली हुई परिस्थितियों का मुकाबला किस तरह से किया जाए। किस तरह के नियम तैयार किए जाएं। जिसे भारतीय अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी का शिकार होने से बचे। सरकार और रिजर्व बैंक को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

सोशल मीडियाः संवाद का माध्यम या निजता का संकट?

सुनील कुमार महला

आज संचार क्रांति का युग है।हर कोई सोशल मीडिया,एआइ का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यों को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण-तस्वीरें,रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है। यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी-कभी आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। 'लाइक' और 'व्यू' की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारी ज़िंदगी की पल-पल की अहम् व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है-निजता का खतरा। आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन-अप करते समय जो निजी

जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताजा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8-7.1अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि सक्रिय स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85-90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है।साल 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकताओं की संख्या लगभग 65-70 करोड़ (650-700 मिलियन) है, जो कुल जनसंख्या का करीब 45-50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्क के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं। इस क्रम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी कंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी-कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां-कहां पहुंच चुकी है।सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज्यादातर लोग नियम और शर्तें पढ़े बिना ही 'सहमति' दे देते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यह बात कही कि ये शर्तें इतनी जटिल भाषा में लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। इसे निजी जानकारी चुराने का एक सभ्य तरीका कहा गया, जिसे मंजूरी नहीं दी जा सकती। माननीय कोर्ट ने यह भी कहा कि सुरक्षा और पहचान के नाम पर जानकारी लेना ठीक है, लेकिन जो लोग निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं-क्या देखा, क्या पसंद किया, कहाँ गए और इस डेटा का उपयोग विज्ञापन, प्रोफाइलिंग और कभी-कभी राजनीतिक या व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है। वास्तव में, डेटा लीक, अनधिकृत ट्रैकिंग और फेक प्रोफाइल जैसी समस्याएँ निजता के हनन को और गंभीर बनाती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति की पहचान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। निजता का हनन केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक समस्या भी है। बिना अनुमति तस्वीरें साझा करना, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग और ऑनलाइन बदनामी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। बच्चों और किशोरों के लिए यह खतरा और बड़ा है, क्योंकि वे डिजिटल जोखिमों को समझे बिना ही ऑनलाइन सक्रिय हो जाते हैं।इस चुनौती का समाधान बहुस्तरीय है। एक ओर सशक्त डेटा संरक्षण कानून, पारदर्शी प्लेटफॉर्म नीतियाँ और कड़ी जवाबदेही आवश्यक है; दूसरी ओर डिजिटल साक्षरता और व्यक्तिगत सावधानी भी उतनी ही जरूरी है-मजबूत पासवर्ड, गोपनीयता सेटिंग्स, सीमित साझा करना और अनुमति की संस्कृति। सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग ही निजता और अभिव्यक्ति के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन ?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

पलक्कड़ पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की

पलक्कड़ (एजेंसी)। केरल के पलक्कड़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई कर भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की है। पलक्कड़ मेडिकल कॉलेज के पास एक पिकअप वैन से 100 से अधिक जिलेटिन स्टिक के डिब्बे और 20 से ज्यादा डेटोनेटर के डिब्बे जब्त किए हैं। विस्फोटक ले जाने का तरीका इतना शातिराना था कि पुलिस भी दंग हुई। पलक्कड़ पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, यह जब्ती बुधवार देर रात की गई। खुफिया जानकारी मिली थी कि राज्य में विस्फोटकों की एक बड़ी खेप लाई जा रही है। इसी आधार पर जब पुलिस ने एक पिकअप वैन को रोकने का इशारा किया, तब ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के बजाय स्पीड़ बढ़ दी। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर वैन को घेरा और तलाशी ली। पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है, जिसकी पहचान सेंथिल के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि उसने कोयंबटूर से डिब्बे लोड किए थे और उन्हें त्रिशूर में एक खदान में ले जा रहा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि विस्फोटक को काले पत्थर की खदान के कामों में इस्तेमाल के लिए गुप्त रूप से ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि पहले भी ऐसे मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल विस्तृत जांच चल रही है।

मुझे अजित के साथ यात्रा करना था, लेकिन देरी के कारण मैं जा नहीं सका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री महादेव जानकर ने दावा किया है कि बीते सप्ताह बारामती में हुए विमान हादसे वाले दिन उन्हें भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ यात्रा करनी थी, लेकिन मुंबई देर से पहुंचने के कारण, वे जा नहीं सके। बारामती हवाई अड्डे पर 28 जनवरी को सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) के प्रमुख जानकर ने बताया कि दुर्घटना से कुछ दिन पहले उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता पवार से बातचीत हुई थी और उन्हें उसी विमान से बारामती जाने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं मुंबई देर से पहुंचा, जिसके कारण मैं अजित पवार के साथ बारामती विमान से नहीं जा सका। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और पवार की मृत्यु राज्य के लिए एक बड़ी क्षति है। धनगर (चरवाहा) समुदाय के नेता जानकर पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में प्रभाव रखने वाली आरएसपी के प्रमुख हैं।

बिहार के कैमूर में जहरीले बीज खाने से आठ बच्चे बीमार, सभी खतरे से बाहर

पटना (एजेंसी)। बिहार के कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मदुरना गांव में तब अफरा-तफरी मच गई, जब खेलते समय जहरीले पौधे के बीज खाने से आठ बच्चे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना और परिजन बच्चों को लेकर अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी बच्चे गांव के पूर्वी तालाब के पास खेल रहे थे। तभी उन्होंने पास में उगे डीजल प्लांट के फल तोड़े और उनके बीज खा लिए। लगभग एक घंटे बाद बच्चों में उल्टी, चक्कर आना, मतली और बेचैनी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। बच्चों की बिगड़ती हालत देखकर परिजनों ने तुरंत उन्हें चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर डॉक्टरों ने सभी बच्चों को भाभुआ सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बीमार बच्चों की पहचान लाडो कुमारी (5), ट्विंकल कुमारी (8), आशीर्वाद कुमार (7), कृष कुमार (8), अभिषेक कुमार (5), आदित्य कुमार (9), खुशी कुमारी (12) और अरुण कुमार (8) के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में सभी बच्चों को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. त्रिभुवन नारायण ने बताया कि सभी बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि समय पर इलाज मिलने से गंभीर स्थिति टल गई। चिकित्सकों ने अभिभावकों को चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चों को अज्ञात पौधों, फलों और बीजों से दूर रखें, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले कई जंगली पौधे अत्यधिक विषैले होते हैं। इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में शूटर को हथियार मुहैया करने वाला पुणे से गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के जुहू इलाके में मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना ने कानून-व्यवस्था और वीआईपी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच को लगातार अहम सुराग मिल रहे हैं। इसी कड़ी में एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, इससे जांच में नया मोड़ आया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम आशाराम फसले है, इस पुणे से हिरासत में लिया है। उस पर आरोप है कि आशाराम ने वारदात को अंजाम देने वाले शूटर को हथियार मुहैया कराया था। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। हालांकि, इस हमले को अंजाम देने वाला मुख्य शूटर अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। उसकी तलाश में क्राइम ब्रांच की कई टीमें मुंबई के अलावा अन्य राज्यों में भी दबिश दे रही हैं। आशंका हैं शूटर वारदात के बाद शहर छोड़कर फरार हो गया है। जांच में सामने आया है कि रोहित शेट्टी के घर पर हमला पूरी तरह से सुनियोजित था। आरोपियों ने कई दिनों तक उनके घर और आसपास के इलाके की रेकी की थी। सही मौके का इंतजार करने के बाद फायरिंग की गई और शूटर स्कूटी से फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में उसकी गतिविधियां कैद हुई हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। पुलिस जांच कर रही है कि वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी पुणे से कैसे लाई गई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी। कुछ आरोपियों का दावा है कि उन्हें टारगेट की जानकारी नहीं थी।

चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस पटरी से उतरी, मची चीख-पुकार सभी यात्री सुरक्षित

जाजपुर (एजेंसी)। ओडिशा के जाजपुर जिले में गुरुवार सुबह बड़ा रेल हादसा हुआ। चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस बेपटरी हो गई। एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन डिरेल होते ही चीख-पुकार मच गई। यात्रियों में दहशत फैल गई। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। सभी यात्री सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब 8 बजकर 51 मिनट पर चेन्नई से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही ट्रेन नंबर 22611 जखपुरा यार्ड से गुजर रही थी, तभी उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें एक एसी कोच और दो जनरल कोच शामिल हैं। उस वक्त ट्रेन की रफ्तार बहुत धीमी थी, इसलिए बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना, प्रक्रिया और जातिगत गणना का खाका तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बहुप्रतीक्षित आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर जानकारी दी है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होते ही तत्काल जाति जनगणना शुरू नहीं की जाएगी, बल्कि इसके लिए देशवासियों को दूसरे चरण का इंतजार करना होगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जाति से संबंधित विशिष्ट सवालों को दूसरे चरण की शुरुआत से ठीक पहले अधिसूचित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के अनुसार, इस विशाल राष्ट्रीय कार्य को दो मुख्य हिस्सों में विभाजित किया गया है। योजना के मुताबिक, पूरे देश में जनसंख्या की वास्तविक गिनती का काम मुख्य रूप से फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। हालांकि, भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी व बर्फीले राज्यों के दुर्गम इलाकों में यह प्रक्रिया सितंबर 2026 में ही शुरू कर दी जाएगी। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि इस संबंध में विस्तृत

जानकारी दिसंबर 2025 में ही सार्वजनिक कर दी गई थी, लेकिन कुछ वर्गों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए सरकार ने दोबारा तारीखों और प्रक्रिया को स्पष्ट करना आवश्यक समझा है।

जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण (हाउसलिस्टिंग) और उनकी गणना पर केंद्रित होगा। इस चरण के लिए सरकार ने 22 जनवरी को 33 प्रश्नों की एक सूची अधिसूचित की है। इनमें घर के मुखिया का लिंग, मकान में इस्तेमाल की गई सामग्री, विवाहित जोड़ों की संख्या, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच और वाहनों के प्रकार जैसे विवरण शामिल होंगे। यह चरण इस साल 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच संपन्न होगा, जिसमें प्रत्येक राज्य अपनी सुविधानुसार 30 दिनों की अवधि तय करेंगे। खास बात यह है कि हाउसलिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने का विकल्प भी दिया जाएगा।

वहीं, जाति जनगणना का महत्वपूर्ण कार्य दूसरे चरण के दौरान किया जाएगा। इस स्पष्टीकरण के बावजूद राजनीतिक गलियारों में बहस तेज है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल का जाति जनगणना कराने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है और यह पिछड़ों, दलितों तथा अल्पसंख्यकों (पीडीए) के साथ धोखा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मौजूदा नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं रखा गया है। कांग्रेस ने भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। जवाब में सरकार ने साफ किया है कि दूसरे चरण के दौरान ही जातिगत डेटा एकत्र किया जाएगा और इसके लिए अलग से अधिसूचना जारी होगी।

हिमाचल में पीएम मोदी की घोषणा पर सियासी घमासान, केंद्र पर भेदभाव के आरोप

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मानसून से हुई भारी तबाही के बाद केंद्र सरकार से मिलने वाली आपदा राहत को लेकर फिर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। बीते वर्ष 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं धर्मशाला पहुंचे थे और राज्य के लिए 1500 करोड़ रुपये के विशेष आपदा राहत पैकेज की घोषणा की थी। लेकिन लगभग चार महीने बीत जाने के बावजूद यह राशि अब तक हिमाचल प्रदेश को नहीं मिली है। इस देरी को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य के राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलकर कहा कि मोदी सरकार हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि 1500 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दूर, राज्य को आपदा राहत के नाम पर 15 पैसे तक नहीं मिले हैं। मंत्री नेगी ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश ने सदी की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा झेली थी, जिसमें राज्य को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। केंद्र सरकार की टीमों ने स्वयं हिमाचल आकर नुकसान का आकलन किया और रिपोर्ट में करीब 9300 करोड़ रुपये के नुकसान की पुष्टि भी की गई। इसके बावजूद, पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) के तहत केवल 2500 करोड़ रुपये की सहायता को ही मंजूरी दी गई। मंत्री नेगी का आरोप है कि इस स्वीकृत राशि का भी पूरा भुगतान अब तक नहीं किया गया है। वर्ष 2024 में केवल 600 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि हाल ही में फिर से 600 करोड़ रुपये देने की बात कही गई है। ऐसे में वर्ष 2026 में प्रवेश करने के बावजूद हिमाचल अभी भी 2023 की आपदा राहत का इंतजार कर रहा है। मंत्री नेगी ने सवाल उठाया कि जब उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों को आपदा राहत की पूरी राशि समय पर मिल सकती है, तो हिमाचल के साथ भेदभाव क्यों। उन्होंने इसे संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ बताते हुए सभी राज्यों के लिए समान व्यवहार की मांग की।

कृषि मंत्री पन्नीरसेल्वम के बिगड़े बोल- हिंदी वाले बेचते हैं पानी पूरी

-तमिलनाडु चुनाव में उत्तर-दक्षिण विवाद गहराया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले भाषा और पहचान की राजनीति एक बार फिर केंद्र में आ गई है। डीएमके सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की विवादित टिप्पणी ने राज्य में उत्तर-दक्षिण विवाद को हवा दे दी है और 'हिंदी थोपने' बनाम द्विभाषा नीति की बहस को फिर तेज कर दिया है।

तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, कि उत्तर भारत से आने वाले लोग केवल हिंदी जानने के कारण राज्य में सीमित रोजगार पाते हैं और उन्हें टेबल साफ करने, निर्माण मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करने पड़ते हैं। इसके उलट उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति तमिल और अंग्रेजी के कारण राज्य के युवा विदेशों में अमेरिका और लंदन जैसे देशों में जाकर अच्छी नौकरियां और ऊंची आय हासिल कर रहे हैं।

मंत्री के इस विवादित बयान को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विपक्षी दलों, खासकर भाजपा ने इसे उत्तर भारतीय प्रवासियों का अपमान बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां राज्य में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ नफरत और हिंसा को बढ़ावा दे सकती हैं। साथ ही इंडिया ब्लॉक के नेताओं, विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ नेताओं ने बयान से बनाई दूरी

जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री के बयान से दूरी बनाने की कोशिश की। डीएमके सांसद टी. आर. बालू ने कहा कि पन्नीरसेल्वम के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि डीएमके और द्रविड़ आंदोलन की शुरुआत से ही हिंदी थोपने के विरोध में रही है और पार्टी का रुख किसी समुदाय या क्षेत्र विशेष के खिलाफ नहीं है।

सपा सांसद बोले- उत्तर भारत का अपमान

इस बयान पर तमिलनाडु के बाहर से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने टिप्पणी को घटिया बताते हुए कहा कि यह पूरे उत्तर भारत का अपमान है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत ने देश को आधे से अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं और इस तरह के बयान क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ाते हैं।

असम के सीएम सरमा व परिवार ने 12,000 बीघा जमीन पर किया कब्जा

-गौरव गोगोई ने लगाए आरोप, बीजेपी ने किया पलटवार- उन्हें कोर्ट जाना चाहिए

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार ने पूरे राज्य में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया है। इन आरोपों को लेकर सीएम सरमा ने कहा है कि वह कांग्रेस के बड़े नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेंगे। वहीं, बीजेपी ने रॉबर्ट वाड्रा का जिक्र किया और सीएम पर लगे आरोपों का खंडन किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरव गोगोई ने दावा किया कि सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने इसी भूमि घोटाले को छिपाने के लिए उनके कथित पाकिस्तानी संबंधों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जांच की है और इससे कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सीएम सरमा और उनके परिवार ने पूरे असम में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया हुआ है। यह आंकड़ा अंतिम नहीं है, क्योंकि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में यह बढ़ सकता है।

वहीं सीएम सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके बारे में दिए गए झूठे, मनगढ़ंत और मानहानिकारक बयानों के लिए 9 फरवरी

को जितेंद्र सिंह, भूपेश बघेल, गौरव गोगोई और देबब्रत सैकिया के खिलाफ दीवानी और फौजदारी मानहानि कार्यवाही शुरू करेंगे। इन आरोपों का जवाब देते हुए सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रवक्ता रंजीब कुमार सरमा ने कहा कि गोगोई के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके इस बयान में क्या सच्चाई है? क्या इतनी बड़ी जमीन रखना संभव है, जबकि भारतीय कानूनों के मुताबिक कोई भी व्यक्ति 50 बीघा से ज्यादा जमीन नहीं रख सकता है? यह जमीन सीमा अधिनियम के कारण संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर गौरव गोगोई के पास कोई जानकारी है, तो उन्हें कोर्ट जाना चाहिए, जैसा कि लोग रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कोर्ट गए थे। बोफोर्स से लेकर वाड्रा मामलों तक, कई मुद्दों पर लोगों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। अगर आपके पास दस्तावेज हैं, तो उन्हें उजागर करने के लिए कोर्ट जाएं। बीजेपी नेता ने कहा कि हमारी न्यायिक प्रणाली भ्रष्टाचार को उजागर करने का मंच प्रदान करती है। गौरव गोगोई ऐसा इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि आरोप झूठे हैं। वह केवल अपने निराधार आरोपों से सनसनी पैदा करना चाहते हैं, और कुछ नहीं।

हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा हाल ही में गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों का जिक्र करने पर गोगोई ने कहा कि उन्होंने यह पिछले साल 10 सितंबर को क्यों नहीं किया? वह इन पांच महीनों से सो रहे थे और अचानक उन्हें मेरे पाकिस्तानी संबंधों की याद आ गई। सीएम सरमा ने पहले भी घोषणा की थी कि वह 10 सितंबर 2025 तक गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों से जुड़े सभी सबूत सार्वजनिक करेंगे। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा कि उन्हें पता है कि हम उनके और उनके परिवार के भ्रष्टाचार एवं भूमि हड़पने के मामलों की फाइल तैयार कर रहे हैं।

दिल्ली धमाका मामला: अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को जालसाजी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई दो अलग-अलग प्राथमिकियों (एफआईआर) के आधार पर की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कामकाज में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी थी।

इस पूरे मामले की जड़ें सुरक्षा से जुड़े एक बेहद संवेदनशील घटनाक्रम से जुड़ी हैं। पुलिस के अनुसार, इस फर्जीवाड़े की जांच का सिलसिला लाल किले के समीप हुए एक धमाके के बाद शुरू हुआ था। उस घटना के बाद जब सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, तो अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संचालन में कई संदिग्ध अनियमितताएं और दस्तावेजी जालसाजी के तथ्य सामने आए। इसी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर गहन तफ्तीश शुरू की। उल्लेखनीय है कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी सक्रिय है और उसने वित्तीय हेरफेर के कोण से अपनी जांच पहले ही शुरू कर दी थी। ईडी की जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर ही दिल्ली पुलिस ने सिद्दीकी को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के उपरांत जावेद अहमद सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहाँ से पुलिस को चार दिन की रिमांड मिली है। इस अवधि के दौरान पुलिस सिद्दीकी से यूनिवर्सिटी के फंड्स, फर्जी दस्तावेजों और अन्य संदिग्ध गतिविधियों के बारे में विस्तार से पूछताछ करेगी।

यह यूनिवर्सिटी पहली बार तब चर्चा में आई थी जब फरीदाबाद में एक कश्मीरी डॉक्टर मुजम्मिल शकील को भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच में पता चला कि शकील इसी यूनिवर्सिटी में शिक्षक के रूप में कार्यरत था। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में उसके पास से लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। इसी कड़ी ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान यूनिवर्सिटी के प्रबंधन की ओर खींचा, जिसके बाद अब चेयरमैन की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस का मानना है कि रिमांड के दौरान इस मामले में कई और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

राहुल गांधी ने मजाक में कही थी बात, बिट्टू ने तो किया है कांग्रेस के साथ विश्वासघात

-कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा- बीजेपी ने रवनीत बिट्टू को झाड़ पर चढ़ा दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर दिया बयान पर विवाद जारी है। इस बीच कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि बात हंसी मजाक में कही गई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि बिट्टू ने कांग्रेस के साथ विश्वासघात तो किया ही है। बुधवार को संसद परिसर में राहुल गांधी ने बिट्टू को गद्दार कह दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी साफ दिल के हैं। उन्होंने यह हंसी मजाक में कह दिया, लेकिन उसको हवा दी बीजेपी ने और रवनीत बिट्टू को भड़का दिया। इसे कहते हैं कि झाड़ पर चढ़ाना। ऐसा नहीं करना चाहिए। राहुल गांधी ने लाइट मूड में कहा था, मैंने देखा था। राज ने आगे कहा कि दूसरी बात यह है कि चिढ़ने की क्या बात है। कांग्रेस ने ही तो इनको नेता बनाया। इनके पूरे खानदान को नेता बनाया। तो विश्वासघात किया भी है, लेकिन जिस टोन में राहुल गांधी ने कहा उसमें कुछ गलत नहीं था।

बता दें संसद परिसर में सांसदों का प्रदर्शन चल रहा था। वहां, राहुल गांधी भी मौजूद थे। उस दौरान बिट्टू सामने से आ रहे थे। उन्हें देखकर राहुल गांधी ने कहा, खिए यहां एक गद्दार चला आ रहा है...मेरे गद्दार मित्र, चिंता मत करो, वापस आओगे। इस पर केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया, ये देश के दुश्मन हैं। राहुल गांधी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री बिट्टू से हाथ मिलाने का प्रयास किया, हालांकि बीजेपी नेता ने हाथ नहीं मिलाया और सीधे संसद भवन के अंदर चले गए।

बिट्टू ने बाद में राहुल गांधी को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का बिगड़ा हुआ बेटा करार दिया। बीजेपी नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यह बात कई अन्य सांसदों से क्यों नहीं कही, बल्कि केवल एक सिख से ही क्यों कही? बिट्टू ने एक वीडियो संदेश में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे खुद को सबसे बड़ा देशभक्त मानते हैं क्योंकि उनके पिता राजीव गांधी ने अपना जीवन कुर्बान किया था। मैंने पार्टी में यह लड़ाई लड़ी कि मेरे दादा, बेअंत सिंह गांधी परिवार द्वारा लगाई गई आग के कारण पंजाब में शहीद हुए।

सालगिरह पर मिसाल : दिवा-जीत अदाणी ने 500 दिव्यांग महिलाओं को दिया सम्मान और सहारा

अहमदाबाद : अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के बेटे जीत अदाणी और बहू दिवा अदाणी ने अपनी शादी की पहली सालगिरह एक अनोखे और प्रेरणादायक तरीके से मनाई। उन्होंने इस खास दिन को दिव्यांग महिलाओं के साथ मनाते हुए अपनी सामाजिक पहल ह्यअदाणी मंगल सेवाह्ल के एक वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया।

गुरुवार शाम अहमदाबाद के शांतिग्राम स्थित बेल्वेडियर क्लब के लॉन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभार्थी महिलाएं और उनके परिवार शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम का माहौल बेहद भावनात्मक और स्नेहपूर्ण रहा।

दिवा और जीत अदाणी ने अपनी शादी से पहले 5 फरवरी 2025 को यह संकल्प लिया था कि वे हर साल दिव्यांग महिलाओं की मदद करेंगे। इसी संकल्प से ह्यअदाणी मंगल सेवाह्ल की शुरूआत हुई। इसका उद्देश्य दिव्यांग महिलाओं को लंबे समय तक आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

इस पहल के तहत पहले ही वर्ष में 500 दिव्यांग महिलाओं को सहायता दी गई। प्रत्येक लाभार्थी महिला को 10 लाख रुपये की सावधि जमा (एफडी) दी गई है, जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के

सहयोग से बनाई गई है। इससे महिलाओं को हर महीने निश्चित आमदनी मिलेगी और 10 साल बाद उन्हें पूरी राशि भी मिल जाएगी।

यह योजना 25 से 40 वर्ष की आयु की उन दिव्यांग महिलाओं के लिए है, जिनके पास यूडीआईडी कार्ड है। लाभार्थियों का चयन ह्यूथ फॉर जॉब्सह्ल प्रोजेक्ट के माध्यम से किया गया।

अदाणी मंगल सेवा के तहत हर साल 500 महिलाओं को सहायता देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए हर वर्ष करीब 50 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाती है। यह पहल अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित की जा रही है।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना और चिंतन से हुई। इसके बाद सेवा के उद्देश्य पर आधारित प्रस्तुति दी गई। मुख्य आकर्षण का क्षण तब आया, जब लाभार्थी महिलाओं को एफडी के प्रमाण पत्र सौंपे गए। महिलाओं के चेहरों पर सुरक्षा और आत्मविश्वास की झलक साफ दिखाई दी। अहमदाबाद के नेत्रहीन संघ द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी लोगों का मन मोह लिया।

गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जीत और दिवा को सालगिरह की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल कई परिवारों के जीवन में सम्मान और नई उम्मीद लेकर आई है। उन्होंने इसे एक पिता के लिए गर्व का क्षण बताया।

अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि गरिमा, सपनों और सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि साहस और आत्मबल की पहचान है।

जीत अदाणी ने कहा कि मंगल सेवा उन्हें यह सिखाती है कि सच्ची मदद वह होती है जो लगातार और सम्मान के साथ दी जाए। वहीं दिवा अदाणी ने कहा कि यह पहल विश्वास पर आधारित है और इसका उद्देश्य महिलाओं को स्थायी सुरक्षा देना है।

सेवा को बनाया जीवन का हिस्सा

कार्यक्रम का समापन सामूहिक रात्रिभोज के साथ हुआ। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि जब व्यक्तिगत खुशी को समाज की भलाई से जोड़ा जाता है, तब उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। अदाणी मंगल सेवा ने अपने पहले ही वर्ष में यह साबित कर दिया है कि सेवा, निरंतरता और संवेदनशीलता के साथ किया गया प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में दंपती ने अपने ही दो बच्चों के सिर काटे, उम्रकैद की सजा मिली

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दंपती को उनके दो बच्चों की क्रूर हत्या के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मॉरिस ज्वेल टेलर सीनियर (39 वर्ष) और उनकी पत्नी नताली सुमिको ब्रॉथवेल (49 वर्ष) को सोमवार को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई, साथ ही अतिरिक्त छह साल की सजा भी दी गई। जज ने इस अपराध को राक्षसी करार देते हुए कहा कि यह बेहद क्रूर हरकत है, जिसमें उन्होंने अपने 13 साल की बेटी मालियाका और 12 साल के बेटे मॉरिस की हत्या की, जिसमें चाकू से वार कर सिर काट दिया गया। यह घटना 29 नवंबर 2020 को उनके घर में हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या के बाद दंपती ने अपने दो छोटे बेटों को जबरन अपने भाई–बहन के कटे हुए शव देखने के लिए मजबूर किया और उन्हें कई दिनों तक बिना खाना दिए कमरों में बंद रखा। नवंबर 2025 में जूरी ने दोनों को दो मामलों में प्रथम श्रेणी की हत्या और बच्चों के साथ क्रूरता से दुर्व्यवहार के दो मामलों में दोषी ठहराया था। पुलिस को इस मामले की जानकारी तब मिली जब टेलर, जो एक पर्सनल ट्रेनर थे और कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन जूम सेशन्स लेते थे, अचानक अपने शेड्यूल्ड मीटिंग्स में लॉग इन करना बंद कर दिया। चिंतित क्लाइंट्स ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो घर में दो बच्चों के शव अलग–अलग बेडरूम में मिले, जिन पर तेज धार वाले हथियार से हमले के निशान थे। टेलर को कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया, जबकि ब्रॉथवेल को लगभग एक साल बाद 2021 में पकड़ा गया।

कनाडा में घर पर गोली चलाने के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। जबरन वसूली विरोधी गश्त पर निकली कनाडाई पुलिस ने एक घर पर गोलीबारी करने के आरोप में तीन भारतीयों को गिरफ्तार कर उन पर मामला दर्ज किया है। सरे पुलिस सेवा ने आरोपियों की पहचान हरजोत सिंह (21), तरनवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) के रूप में की है। इन पर एक–एक बार हथियार चलाने का आरोप है। तीनों को बृहस्पतिवार 5 फरवरी तक हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल 1 फरवरी की दोपहर सरे पुलिस को गोलीबारी और एक छोटी सी आग लगने की सूचना मिली। पुलिसकर्मी उस समय प्रोजेक्ट एश्योरेंस (जबरन वसूली) के हिस्से के रूप में सरे के क्रिसेंट बीच पड़ोस में गश्त कर रहे थे। उनके मौके पर पहुंचने के बाद जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी भारत के रहने वाले हैं। अभी यह साफ नहीं है कि ये किस गैंग से जुड़े हैं। मामले की जानकारी कनाडा सीमा सेवा एजेंसी को भी दे दी गई है। दोष सिद्ध होने पर इसका असर उनकी आव्रजन स्थिति पर भी पड़ सकता है। जांच एजेंसियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और धाराएं जोड़ी जा सकती हैं।

म्यांमार में 6 तीव्रता की भूकंप से कांपी धरती

नेपिदाव, एजेंसी। म्यांमार में मंगलवार को रात करीब 9 बजे भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6 माफी गई। इसका केंद्र जमीन के 20 किमी नीचे था। भूकंप 20.45 डिग्री उत्तरी अक्षांश व 93.86 डिग्री पूर्वी देशांतर पर महसूस हु। हालांकि, इसमें जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाला विवादित विधेयक वापस लिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने मंगलवार को विवादित सोशल मीडिया विधेयक को वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की तरफ से पेश सोशल मीडिया विधेयक 2025 की सभी तरफ आलोचना हुई थी। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करना था। गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने मीडिया को बताया कि मंगलवार को कैबिनेट बैठक में विधेयक वापस लेने का फैसला किया गया। आर्यल ने कहा, सरकार ने सोशल मीडिया बिल–2025 को संघीय संसद से वापस लेने का फैसला किया है। तत्कालीन संचार और सूचना मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने सोशल मीडिया साइट्स को नियंत्रित करने के मकसद से 28 जनवरी, 2025 को नेशनल असेंबली में यह विधयेक पेश किया था। ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने संसद द्वारा विधेयक पास होने से पहले ही 26 सोशल मीडिया साइट्स को प्रतिबंधित कर दिया था। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने मंगलवार को संकेत दिया कि देश में आम चुनाव दो चरणों में हो सकते हैं। कार्की ने कहा, अगर मौसम ने साथ नहीं दिया तो पर्वतीय जिलों में चुनाव दूसरे चरण में हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तय कार्यक्रम के अनुसार चुनाव कराने में हर जरूरी मदद करेगी। नेपाल की पीएम ने पांच मार्च को होने वाले चुनाव में सभी से प्रतिभाग करने की अपील की।

बांग्लादेश : चुनाव से पहले बढ़ी राजनीतिक हिंसा, 11 की मौत, 616 गंभीर घायल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है। आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले देशभर में राजनीतिक हिंसा में तेज़ बढ़ोतरी देखी गई है। जनवरी महीने में हिंसा से जुड़ी घटनाओं में दिसंबर 2025 की तुलना में भारी इजाफा हुआ है। यह जानकारी ढाका स्थित मानवाधिकार संगठन के हवाले से स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को दी। मानवाधिकार संगठन आइन ओ सालिश केंद्र (एएसके) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में राजनीतिक हिंसा की 75 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 616 लोग घायल हुए और 11 लोगों की मौत हो गई। इसके मुकाबले दिसंबर 2025 में 18 घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें 268 लोग घायल और चार की मौत हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 22 जनवरी को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा और प्रचार अभियान शुरू होने के बाद हिंसक झड़पों में और तेजी आई। एएसके के अनुसार, 21 से 31 जनवरी के बीच 49 झड़पें हुईं, जिनमें चार लोगों की मौत और 414 लोग घायल हुए। इससे साफ है कि मतदान की तारीख नजदीक आते ही हिंसा बढ़ती जा रही है।

मानवाधिकार संगठन ने यह भी बताया कि बढ़ती राजनीतिक हिंसा के बीच पत्रकारों को भी निशाना बनाया जा रहा है। दिसंबर में जहां ड्यूटी के दौरान 11 पत्रकारों के साथ बाधा या हमले की घटनाएं सामने आई थीं, वहीं जनवरी में यह संख्या बढ़कर 16 हो गई। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने यह जानकारी दी।

हिंसा पर चिंता जताते हुए एएसके ने सभी राजनीतिक दलों से संयम बरतने और चुनाव प्रचार के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया गया है। पिछले सप्ताह स्थानीय मीडिया ने बताया था कि चुनाव प्रचार शुरू होते ही उम्मीदवारों और कानून व्यवस्था से जुड़े कर्मियों को निशाना बनाकर धमकियों और हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

चुनावी अभियान की शुरुआत से ही कई निर्वाचन क्षेत्रों में गोलीबारी, चाकूबाजी, तोड़फोड़ और झड़पों की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कई लोग घायल हुए और कुछ की जान चली गई। इसके अलावा, कई इलाकों में चुनाव से जुड़ा बुनियादी ढांचा- जैसे कैंप, माइक्रोफोन, कार्यालय, वाहन और यहां तक कि मतदान केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे- तोड़फोड़ या लूट का शिकार हुए हैं।

12 फरवरी के चुनाव से पहले बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा लगातार बढ़ रही है। जो राजनीतिक दल पहले अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ मिलकर शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग की निर्वाचित सरकार को हटाने में शामिल थे, वही अब आगामी चुनाव जीतने के लिए आपसी सत्ता संघर्ष में उलझे हुए हैं।

रूस से बंद कर अमेरिका-वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, ट्रेड डील पर ट्रंप की प्रेस सचिव का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच नए व्यापारिक युग की शुरुआत हो चुकी है। सोमवार (02 फरवरी) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया पारस्परिक टैरिफ 18 फीसदी कर दिया। इसी के साथ लंबे समय से अटके व्यापार समझौते पर भी ट्रंप ने सहमति जताई है। ऐसे में अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते पर जानकारी साझा की है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश का वादा किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को अमेरिका-भारत समझौते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का जिक्र किया। लेविट ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने और इसके बजाय अमेरिका और संभवत वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमत हो गए।

कैरोलिन लेविट ने ट्रेड डील पर क्या बताया : वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा, 'भारत ने न सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है, बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने की भी प्रतिबद्धता जताई है, और संभवतः वेनेजुएला से भी, जिसका सीधा लाभ अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा, परिवहन और कृषि उत्पादों सहित अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।'

दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंधः लेविट : पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत के बाद व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा कि ये प्रतिबद्धताएं दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद की गई है। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप सभी ने देखा, राष्ट्रपति ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की; दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।

ग्रीस में बड़ा हादसा: ग्रीक कोस्ट गार्ड के जहाज से टकराई अप्रवासियों की नौका

चियोस, एजेंसी। ग्रीस के पूर्वी एजियन द्वीप चियोस के पास एक स्पीडबोट और ग्रीक कोस्ट गार्ड की नाव की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। ग्रीक कोस्ट गार्ड ने मंगलवार को बताया कि 24 लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसमें दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हुए हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि स्पीडबोट में कुल कितने लोग थे। हालांकि अभी बचाव अभियान जारी है, जिसमें चार गश्ती जहाज, एक हेलीकॉप्टर और डाइवर्स वाली एक निजी नाव शामिल हैं। स्थानीय मीडिया के वीडियो में देखा गया कि एक व्यक्ति को कंबल में लपेटकर कोस्ट गार्ड की नाव से लेकर एंबुलेंस में डाला जा रहा था, और दो बच्चों को भी वहां ले जाया गया। कोस्ट गार्ड ने यह भी बताया कि अभी टक्कर कैसे हुई और मरने वालों की पहचान कौन है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

यूरोपीय संघ में प्रवेश का ग्रीस मुख्य रास्ता : बता दें कि ग्रीस यूरोपीय संघ में प्रवेश का मुख्य रास्ता है, खासकर

उन लोगों के लिए जो युद्ध और गरीबी से भागकर आते हैं। इस रास्ते पर सुरक्षा की कमी और तेज समुद्र के कारण कई बार हादसे होते रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ग्रीस और यूरोपीय संघ की कई देश माइग्रेशन नियम कड़े कर चुके हैं।

इसमें डिपोर्टेशन तेज करना और हिरासत बढ़ाना शामिल है। इतना ही नहीं यूरोपीय देशों में माइग्रेशन पर लगातार बहस होती रहती है। कुछ देशों में दक्षिणपंथी पार्टियों का दबदबा बढ़ा है, और नियम सख्त हो गए हैं। इसके चलते आसाइलम लेने वालों की संख्या अब पहले जैसी नहीं रही।

फ्लाइट में महिला से यौन दुर्व्यवहार के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी करार, 7 मई सुनाई जाएगी सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के एक नागरिक को घरेलू उड़ान में महिला सहयात्री से यौन दुर्व्यवहार का दोषी ठहराया गया है। अदालत ने 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा को साल 2024 में विमान में सवार होने के दौरान महिला यात्री के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। ऐसे में अब सात मई को होने वाली सुनवाई में उसे अधिकतम दो साल की जेल हो सकती है। यह डी बताया गया कि वो अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है।

फ्लाइट में महिला यात्री से गंदी हरकत : वर्जीनिया के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक एक संघीय जूरी ने गुरुवार 29 जनवरी को वरुण अरोड़ा को यौन दुर्व्यवहार और हमले के आरोपों में दोषी ठहराया। बताया गया कि यह दोषसिद्धि 29 अगस्त, 2024 को

रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने के अंतिम चरण के दौरान हुई एक घटना से जुड़ा है।

हाथ हटाने के बाद भी बार–बार छू रहा था शख्स : अदालती रिकॉर्ड और मुकदमे के सबूतों का हवाला देते हुए अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय ने कहा कि एक महिला यात्री उस समय जाग उठी, जब वरुण अरोड़ा उसके साथ यौन दुर्व्यवहार कर रहा था। बयान में बताया गया है कि उसने स्लीप मास्क पहन रखा था और सोने का नाटक कर रहा था और पीड़िता के बार-बार उसका हाथ हटाने के बावजूद अपना हाथ उस पर रखता रहा। बगल वाली सीट पर बैठी थी महिला एफबीआई के विशेष एजेंट मार्क एस्पोसिटो की ओर से अदालत में दायर हलफनामे के अनुसार अरोड़ा गलियारे वाली सीट पर बैठा था, जबकि पीड़ित उसके बगल वाली बीच वाली सीट पर सो रही थी। हलफनामे के मुताबिक महिला ने अरोड़ा को अपने प्राइवेट पार्ट को छूने का पहली बार अनुभव करने के बाद खुद को उससे दूर करने की कोशिश की और उसका हाथ हटा दिया। लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और फिर से छूने की कोशिश करने लगा। तस्वीर खींचकर एयरलाइंस को दी सूचना हलफनामे के अनुसार, विमान से उतरते समय उसने उसकी एक तस्वीर ली और अगले दिन इस घटना की सूचना अमेरिकन एयरलाइंस को दी। एफबीआई ने मामले की जांच की और पुष्टि की है कि पीड़ित और संदिग्ध उड़ान में एक दूसरे के बगल में बैठे थे। आंशिक रूप से पीड़ित द्वारा ली गई संदिग्ध की तस्वीर की तुलना अरोड़ा के ड्राइविंग लाइसेंस पर मौजूद तस्वीर से करके। उसे अगस्त 2025 में गिरफ्तार किया गया था और उसी वर्ष अक्टूबर में उन पर आरोप तय किए गए थे।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के गवर्नर का इस्तीफा, स्टीफन मिरान ने छोड़ा सीईए के चेयरमैन का पद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर स्टीफन मिरान ने व्हाइट हाउस में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह अब व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकारों की परिषद (सीईए) के चेयरमैन नहीं रहेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

सितंबर 2025 में स्टीफन मिरान की हुई थी नियुक्ति : दरअसल में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर महीने में स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व के सात सदस्यीय बोर्ड में नियुक्त किया था। यह नियुक्ति तब हुई, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से नियुक्त गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने अचानक

इस्तीफा दे दिया था। मिरान ने कुगलर का कार्यकाल पूरा किया, जो 31 जनवरी को खत्म हुआ। हालांकि उनका कार्यकाल खत्म हो गया है, लेकिन जब तक सीनेट किसी नए गवर्नर की पुष्टि नहीं कर देती, तब तक मिरान फेड बोर्ड में बने रह सकते हैं। फेड एक गैर-राजनीतिक संस्था मानी जाती है। आमतौर पर कोई भी व्यक्ति व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़कर ही फेड में जाता है। लेकिन मिरान ने व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़ी नहीं थी, बल्कि बिना वेतन छुट्टी पर थे। इसी वजह से इस व्यवस्था पर सवाल उठे। स्टीफन मिरान ने पहले ही सीनेट से वादा किया था कि अगर वह 31 जनवरी के बाद फेड बोर्ड में बने रहते हैं, तो वे सीईए से इस्तीफा दे देंगे। अब उन्होंने वही किया है। इस पूरे घटनाक्रम से फेडरल रिजर्व में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने केविन वार्श को मौजूदा फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की जगह लेने के लिए नामित किया है। जेरोम पॉवेल का चेयरमैन के तौर पर कार्यकाल 15 मई को खत्म हो रहा है। लेकिन फेड के नियमों में एक 'तकनीकी रास्ता' है।

लीबिया में मारा गया गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम, 15 साल पहले पिता की हुई थी हत्या

ट्राइपोलि, एजेंसी। लीबिया के पूर्व शासक मुअम्मर गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी, मंगलवार को एक हमले में मारा गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने उनकी टीम के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि मुअम्मर गद्दाफी के बेटे की मंगलवार को पश्चिमी लीबिया में हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम के घर में घुस आए चार अज्ञात बंदूकधारियों के साथ उनकी सीधी मुठभेड़ हुई और इस दौरान उनकी मौत हो गई। गद्दाफी के करीबी नेता अब्दुल्ला ओथमान अब्दुर्रहीम ने फेसबुक पर इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि चार नकाबपोश बंदूकधारियों ने दोपहर में जिंटान शहर में गद्दाफी के आवास पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने कथित तौर पर मुठभेड़ से पहले सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे हमलावरों की पहचान पता नहीं चल पाई। वहीं सैफ अल-इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर ज्यादा जानकारी फिलहाल सामने नहीं आ पाई है। सैफ की टीम ने लीबियाई कोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हमले की जांच करने, अपराधियों की पहचान करने और इस ऑपरेशन की योजना बनाने वालों को जवाबदेह ठहराने की अपील की है।

कौन थे सैफ अल–इस्लाम गद्दाफी : लीबिया में 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के बाद भी सैफ यहां एक अहम नेता बने रहे। बता दें कि इस विद्रोह में उनके पिता मुअम्मर गद्दाफी मारे गए थे। गद्दाफी ने चार दशकों से अधिक समय तक लीबिया में राज किया था। सैफ ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई पूरी की थी और उन्हें कभी कई सरकारों द्वारा लीबिया का स्वीकार्य, पश्चिमी-अनुकूल चेहरा माना जाता था। कोई आधिकारिक पद ना होने के बावजूद, सैफ अल-इस्लाम को एक समय मेरा तेल समृद्ध उत्तरी अफ्रीकी देश में अपने पिता मुअम्मर गद्दाफी के बाद सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम ने कई उच्च-स्तरीय, संवेदनशील राजनयिक मिशनों में मध्यस्थता की। उन्होंने पश्चिम के साथ संबंध बनाए और खुद को एक सुधारक के रूप में पेश किया। साथ ही सैफ ने संविधान और मानवाधिकारों के सम्मान का भी आह्वान किया। हालांकि जब 2011 में गद्दाफी के लंबे शासन के खिलाफ विद्रोह हुआ, तो सैफ अल-इस्लाम ने अपनी दोस्ती के बजाय परिवार और कबीले की वफादारी को चुना और विद्रोहियों पर क्रूर कार्रवाई का मास्टरमाइंड बन गया। 2015 में, त्रिपोली की एक अदालत ने सैफ अल-इस्लाम को युद्ध अपराधों के लिए फायरिंग स्क्वाड द्वारा मौत की सजा सुनाई। इसके बाद 2017 में एक माफी कानून के तहत मिलिशिया द्वारा रिहा किए जाने के बाद से, सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी अंडरग्राउंड होकर जिंटान में रह रहे थे।

55 लाख का गियर पहनता है बलूच विद्रोही, पाक सेना के पास वैसे हथियार नहीं; रक्षा मंत्री का कबूलनामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में नेशनल असेंबली (संसद) में बलूचिस्तान की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के दौरान एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि बलूच विद्रोही- मुख्य रूप से बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाके पाकिस्तानी सेना से ज्यादा एडवांस और महंगे हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं और पाकिस्तानी सेना के पास ऐसे हथियार नहीं हैं। संसद में बोलते हुए ख्वाजा आसिफ ने हथियारों की कीमतों का हवाला देते हुए अपनी सेना की लाचारी बताई। उन्होंने कहा कि इन विद्रोहियों के पास ऐसी राइफलें हैं जिनकी कीमत 20 लाख रुपये (पाकिस्तानी रुपया) से अधिक है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट कहा- हमारे पास ऐसी राइफलें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विद्रोही 4,000 से 5,000 डॉलर की कीमत वाले थर्मल वेपन साइट्स और लेजर सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे वे रात के अंधेरे में भी सटीक निशाना लगा सकते हैं। पाक रक्षा मंत्री के मुताबिक, एक औसत बलूच विद्रोही का पूरा कॉम्बैट गियर (युद्धक साज-सज्जा) लगभग 20,000 डॉलर (करीब 55 लाख पाकिस्तानी रुपये) का है।

शारीरिक रूप से अक्षम सेना : ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान का विशाल भूगोल पाकिस्तानी सेना के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह प्रांत पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का 40% से अधिक है। उन्होंने कहा- इतने बड़े क्षेत्र को नियंत्रित करना किसी घनी आबादी वाले शहर को संभालने से कहीं ज्यादा मुश्किल है। हमारे सैनिक सक्रिय हैं, लेकिन इतने बड़े इलाके की गश्त और रखवाली करने में वे शारीरिक रूप से अक्षम साबित हो रहे हैं। यह बयान बलूचिस्तान में हुए हालिया भीषण हमलों के बाद आया है। जनवरी के अंत और फरवरी 2026 की शुरुआत में बीएलए ने पूरे प्रांत में ऑपरेशन हेरोफ के तहत समन्वित हमले किए। बीएलए ने 'ऑपरेशन हेरोफ 2.0' के तहत कई शहरों, जैसे- क्वेटा, ग्वादर, मस्तुंग, नुश्की, खुजदार आदि में पुलिस स्टेशन, सुरक्षा ठिकानों, नागरिक घरों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक साथ हमले किए। इन हमलों में महिला फिदायीन हमलावर भी शामिल थीं, जैसे आसिफा मेंगल और हवा बलोच।

बीएलए ने मचाया कोहराम : इन झड़पों में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार लगभग 17 सुरक्षाकर्मी और 33 नागरिक मारे गए, जबकि पाकिस्तान ने 177 विद्रोहियों को मार गिराने का दावा किया है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी चिंता जताई कि अब विद्रोहों में महिलाओं का इस्तेमाल आत्मघाती हमलावरों (जैसे 'मजीद ब्रिगेड') के रूप में किया जा रहा है। हालांकि बीएलए ने दावा किया है उसने 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए और कई बंधक बनाए। यह बलूचिस्तान में हाल के दशकों का सबसे बड़ा और सबसे घातक संघर्ष माना जा रहा है।

कहां से आ रहे हथियार : पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इन आधुनिक हथियारों (विशेषकर अमेरिकी निर्मित हथियारों) की मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि ये हथियार अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी जखीरे से आ सकते हैं। उन्होंने हमेशा की तरह इस अशांति के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का दावा किया, हालांकि इसके लिए कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल की तस्करी और आपराधिक नेटवर्क इन विद्रोहियों को फंड मुहैया करा रहे हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

हरारे (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भाररीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे।

भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

टीम इस प्रकार है

भारतीय टीम: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीम: थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट हुई हैं यूगांडा और नीदरलैंड

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप शुरु होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। विश्वकप मुकबले भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेले जाएंगे। इसमें कई नये रिकार्ड बन सकते है। अब तक हुए टी20 विश्व कप के आंकड़ों पर नजर डालें तो कि दो टीमें जिनके नाम विश्वकप में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड है। 2 टीमें इसमें अब तक 50 रनों के अंदर आउट हुई हैं। ये टीमें यूगांडा और नीदरलैंड हैं। ये दोनो ही टीमें 50 रनों के अंदर ही आउट हुई हैं। ये दोनो ही एसोसिएट टीमें रही हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत साल 2007 में हुई थे। वहीं साल 2014 तक कोई भी टीम 50 या इससे कम के स्कोर पर नहीं सिमटी थी। नीदरलैंड की टीम साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रनों पर आउट हो गई थी। इसके बाद 4 और बार टीमें 50 से कम के स्कोर पर सिमट गयीं। नीदरलैंड की टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में भी 50 से कम रनों पर आउट हुई थीं। सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में युगांडा की टीम सबसे आगे है, वह साल 2024 के टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं नीदरलैंड की टीम भी साल 2014 में 39 रनों पर आउट हुई थी। वहीं साल 2024 में युगांडा की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 40 रन के स्कोर पर आउट हुई। युगांडा एकमात्र टीम है, जो दो बार 40 से कम रनों पर आउट हुई है। वहं सूची में सबसे कम रनों पर आउट होने के मामले में चौथे नंबर पर नीदरलैंड है। वह , साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ केवल 44 रन ही बना पायी थी। पांचवें स्थान पर ओमान की टीम है। वह सला 2024 के टी20 विश्व कप में 44 रनों पर आउट हुई थी।

टी20 विश्वकप में सैमसन नहीं ईशान करेंगे पारी की शुरुआत : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस बार भी शायद ही टी20 विश्वकप खेलने का अवसर मिले। पिछली बार सैमसन टीम में शामिल थे पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। वहीं इस बार भी उन्हें अवसर मिलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अभिषेक शर्मा के साथ ईशान किशन पारी की शुरुआत करेंगे। सैमसन इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में असफल रहे थे जबकि ईशान ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में उन्हें विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद पहले ही समाप्त हो गयी थी। भारतीय टीम पहले अभ्यास मैच मे भी अभिषेक और ईशान के साथ उतरी। ईशान ने इस दौरा अर्धशतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया।

ईशान को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी मिली थी। इससे साफ है कि अब सैमसन की विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर उतरने की संभावना भी समाप्त हो गयी है।

इससे पहले जब टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम चुनी गई थी तो संजू सैमसन मैन ओपनर और मैन विकेटकीपर थे, लेकिन अब बैकअप ओपनर और बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टूर्नामेंट शुरू करेंगे।

सैमसन की इस हालत के कारण वह स्वयं हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज में सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए केवल 46 रन ही बनाये थे। सीरीज में उनका औसत 9.20 का था। 135.29 का स्ट्राइक रेट उनका रहा। 6 चौके और 2 छक्के पूरी सीरीज में उनके बल्ले से निकले। वहीं, अभिषेक ने 5 मैचों में 182 रन बनाए, बावजूद इसके कि वे दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं ईशान ने नंबर 3 पर 4 मैचों में 215 रन बनाए।

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं' नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले नागल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु ¬ भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नीदरलैंड के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से पहले कूल्हे की मामूली चोट से उबरने के दौरान दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। नागल खराब फॉर्म और उसके कारण खराब नतीजों की वजह से मुश्किलों से भरे 2025 सत्र के बाद विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों के एकाग्र रिहैबिलिटेशन ने उन्हें मुकाबले में उतरने से पहले आत्मविश्वास दिया है।

नागल ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा, ‘अच्छा महसूस कर रहा हूं, दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले दो-तीन हफ्तों से बहुत मेहनत कर रहा हूं। मेरे लिए शिविर बैंकॉक के ठीक बाद शुरू हो गया था। मुझे वहां इतना अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं उसी रात वापस आ गया, अपना रिहैब शुरू किया और सच कहूं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने डेविस कप के लिए तैयार होने के लिए वह सब कुछ किया जो मैं कर सकता था।’

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को बैंकॉक में कूल्हे में चोट लगी थी और उन्होंने माना कि उबरने का दौर मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। इस सुझाव के बावजूद कि धीमे कोर्ट भारत के लिए बेहतर हो सकते थे नागल ने बेंगलुरु में मुकाबला आयोजित करने के फैसले का समर्थन किया और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की ताकत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ‘(जेस्पर) डि जोंग और गाय (डेन ओडेन), वे दोनों क्ले कोर्ट पर बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उस सतह पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह अच्छा हुआ कि हमने बेंगलुरु को चुना। मैं यहां सहज हूं, मैंने अपने करियर में इन परिस्थितियों में खेलते हुए बहुत समय बिताया है।’

नागल ने परिचित माहौल के महत्व पर भी जोर दिया और आयोजन स्थल तय होने के बाद अपना ट्रेनिंग स्थल बेंगलुरु में स्थानांतरित कर लिया था। नागल ने कहा, ‘जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो हमने अपना शिविर स्थानांतरित कर लिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।’

उन्होंने कहा, ‘जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो

हमने अपना शिविर बदल दिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।’ नागल 2025 के उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद शीर्ष 100 से बाहर हो गए और उन्होंने इसे ‘एक बड़ा सीखने का अनुभव’ बताया। उन्होंने कहा, ‘अगर आप टेनिस में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो आपकी रैंकिंग गिरती है, पैसे कम मिलते हैं, सब कुछ खत्म हो जाता है। मैं ऐसे मैच हार रहा था जो मुझे जीतने चाहिए थे और करीबी मैच भी नहीं जीत पा रहा था। इसी वजह से रैंकिंग गिरने लगी।’

नागल ने पिछले साल सिर्फ दो एटीपी टूर स्तर की प्रतियोगिता खेली और चैलेंजर सर्किट में सात बार पहले दौर में ही बाहर हो गए। उन्होंने कहा, ‘यह दुर्भाग्यपूर्ण था, बीमार पड़ना, चोट लगना, लय खो देना। 2025 के आखिर में मैंने फिर से बेहतर खेलना शुरू किया लेकिन मैंने एक सीमित कार्यक्रम के अनुसार खेलने का फैसला किया और लंबे सत्र पूर्व कार्यक्रम पर ध्यान देने के लिए अपना सत्र जल्दी खत्म कर दिया।’

जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं रिंकू और प्रिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेटर रिंकू सिंह सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ इसी साल जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। रिंक अभी आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए टीम के साथ हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी शादी की तारीख शीघ्र ही सामने आयेगी। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल लखनऊ में हुई थी। इसमें कई दिग्गज राजनेता और क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। पहले दोनों के शादी को लेकर 18 नवंबर 2025 की तारीख सामने आई थी पर रिंकू के व्यस्त होने के कारण इसे टाल दिया गया था। रिंकू की सगाई की तस्वीरों को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया था। प्रिया के साथ उनके रिश्ते की खबर सोशल मीडिया पर छायी रही थी। सगाई की तस्वीरें और डांस के वीडियो भी प्रशंसकों ने जमकर पसंद किये थे। रिंकू आईपीएल 2024 के बाद से ही भारतीय टीम के साथ हैं। अभी वह टी20 विश्वकप में व्यस्त हैं। विश्वकप 7 फरवरी से शुरु होने वाला है। इसके बाद 26 मार्च से 31 मई के बीच आईपीएल मुकाबले होंगे। इसके बाद ही रिंकू और प्रिया की शादी होगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम में शामिल हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हैं।

टी20 विश्वकप में अभिषेक पर रहेंगी नजरें : शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे। इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं। उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं। इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा। उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है। वह मैदन में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है। शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की सबसे बड़ी ताकत उकसा आत्मविश्वास है। वह घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलने से और भी खतरनाक हो जाता है। साथ ही कहा , अगर अभिषेक रन बनाते हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि भारत मैच में आगे बना रहेगा रहेगा। इससे अंदाजा होता है कि अब भारतीय टीम की सफलता काफी कुछ अभिषेक की बल्लेबाजी पर आधारित रहती है। अभिषेक ने सबसे पहले आईपीएीएल 2024 में अपने आक्राामम प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। इसी कारण उन्हें टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम में भी अवसर मिला। जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी ही सीरीज में इस बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा दिखायी।

रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप को लेकर की भविष्यवाणी, ये टीम जीतेगी खिताब

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो ने कहा कि उन्हें इस साल के फीफा वर्ल्ड कप में एक नई ऊर्जा से भरी ब्राजील टीम देखने की उम्मीद है, और उन्होंने मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के सकारात्मक प्रभाव की तारीफ की। पांच बार की वर्ल्ड कप विजेता ब्राज़ील क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे थी, 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर रही, जो लीडर और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से 10 अंक पीछे थी। लेकिन रोनाल्डो ने कहा कि पिछले साल मई में अपनी नियुक्ति के बाद से एंसेलोटी ने राष्ट्रीय टीम में नया आत्मविश्वास जगाया है।

दो बार के वर्ल्ड कप विजेता ने पत्रकारों से कहा, ‘मैं बहुत आशावादी हूं।हमने कुछ बार मुलाकात की है और छठे खिताब पर विश्वास करने के लिए ब्राजीलियाई फैंस से अपील करते हुए एक मजेदार विज्ञापन भी फिल्माया है। मैं उन्हें जानता हूं, मैं उनके काम करने का तरीका जानता हूं, इसलिए जब वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए थे, उससे कहीं ज्यादा मैं अब उत्साहित हूं।’ वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ब्राजील 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी अभियान शुरू करेगा, जिसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड का सामना करेगा। रोनाल्डो, जिन्होंने 2002 में ब्राजील को आखिरी वर्ल्ड कप जीत दिलाई थी, जब उन्होंने आठ गोल किए थे, जिसमें जर्मनी के खिलाफ फाइनल में दो गोल शामिल थे, उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट देश को एकजुट करेगा। पूर्व बार्सिलोना और रियल मैड्रिड स्टार ने कहा, ''यह (वर्ल्ड कप) एक ब्राजीलियाई के लिए सबसे बड़ी खुशी है। यह एक ऐसा आयोजन है जो हमारे छठे खिताब की तलाश में ब्राज़ीलियाई लोगों को एक साथ लाएगा। मुझे लगता है कि हमें इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।' रोनाल्डो ने कहा कि उन्होंने 2024 और 2025 में क्रमशः ब्राजील के क्रूजेरो और स्पेन के वलाडोलिड में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी बेचने के बाद फुटबॉल क्लब के स्वामित्व से एक कदम पीछे हटने का फैसला किया है। 49 वर्षीय ने कहा, ‘फुटबॉल टीमों से जुड़े प्रोजेक्ट्स के साथ मेरा कोई वित्तीय लक्ष्य नहीं था। मैं खुद का एक प्रोजेक्ट लीड करने का अनुभव लेना चाहता था, जिसमें मैं इंचार्ज रहूं, और यह बहुत बढ़िया था। लेकिन जब मुझे समझ आया कि क्लब्स को आगे बढ़ाने के लिए मुझे पीछे हटना होगा, तो उसी पल मैंने दोनों स्टेक बेचने का फैसला किया।' अब वह छोटे बिज़नेस वेंचर्स पर फोकस कर रहे हैं, जैसे साओ पाउलो में एक नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की योजना जिसमें आर्टिफिशियल वेव पूल होंगे। उन्होंने कहा, ‘जब मैंने वे दोनों टीमें बेचीं, तो मैंने तय किया कि कुछ समय के लिए मैं फुटबॉल इंडस्ट्री से ज्यादा शांत चीजें चाहता हूं।’

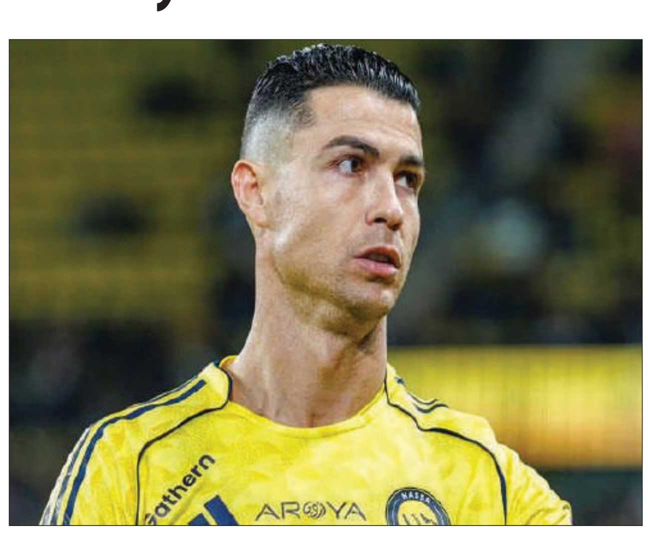

महिला हॉकी टीम की फिटनेस पर है ध्यान : कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ।भारतीय महिला हॉकी टीम इसी साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक की तैयारियों में लगी है। इसी को देखते हुए मुख्य कोच स्योर्ड मारिज्ने ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान टीम की फिटनेस बनाये रखने के साथ ही आपसी तालमेल को बेहतर करने पर रहेगा। मारिज्ने ने कहा कि फिटनेस पर अधिक ध्यान इसलिए दिया जा रहा है क्योंकि ये आजकल के खेल में सबसे जरुरी है। इसी पर टीम का प्रदर्शन आधारित रहता है। इसके अलावा खिलाड़ियों के एक जुट होकर खेलने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब टीम फिट होगी तभी वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगी क्योंकि दबाव सहने के लिए शारीरिक रुप से मजबूत होना जरुरी है। भारतीय टीम को अभी 8 से 14 तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर खेलने हैं। इसके अलावा एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक चक्र के अन्य बड़े टूर्नामेंट भी खेलने हैं। टीम आजकील बेंगलुरु स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में अभ्यास कर रही है। ये 18 फरवरी तक चलेगा। शुरुआत में इस शिविर में 49 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें 43 सीनियर और छह जूनियर थीं।

फेड कप 2026 चयन विवाद: विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने फेडरेशन कप 2026 के चयन को लेकर हरियाणा कुश्ती संघ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चयन मानदंडों को ‘अनुचित’ बताते हुए कहा कि मौजूदा नियम न सिर्फ भेदभावपूर्ण हैं, बल्कि कई प्रतिभाशाली पहलवानों के करियर पर भी खतरा बन सकते हैं। विनेश का मानना है कि सीमित ट्रायल नीति भारतीय कुश्ती में निष्पक्षता और नए टैलेंट के विकास दोनों के खिलाफ है।

चयन मानदंडों पर विनेश की कड़ी आपत्ति

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें फेड कप 2026 के ट्रायल केवल 2025 के सीनियर राज्य पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पहलवानों तक सीमित कर दिए गए हैं। उनका कहना है कि इस नीति ने हजारों मेहनती खिलाड़ियों को बिना किसी ठोस कारण के बाहर कर दिया है।

2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को बाहर क्यों?

विनेश ने खास तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक साल पहले देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवान अचानक अयोग्य हो जाते हैं। उनके मुताबिक, यह फैसला प्रदर्शन आधारित चयन की मूल भावना के खिलाफ है।

उम्र सीमा और चोट से जूझ रहे पहलवानों की अनदेखी

फोगाट ने यह भी कहा कि उम्र सीमा के कारण 2025 सीनियर नेशनल में हिस्सा न ले पाने वाले पहलवान 2026 में पूरी तरह योग्य हैं, फिर भी उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा। इसके अलावा, चोटिल खिलाड़ियों को भी चयन से बाहर कर दिया गया है, जो उनके अनुसार अन्यायपूर्ण है क्योंकि चोट खेल का हिस्सा होती है, अपराध नहीं।

‘ये टूर्नामेंट हर खिलाड़ी का सपना होते हैं’

विनेश ने जोर देकर कहा कि एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप और फेडरेशन कप जैसे इवेंट हर पहलवान के करियर के लिए बेहद अहम होते हैं। उनका मानना है कि मौजूदा चयन नीति खिलाड़ियों के भविष्य पर समय से पहले ब्रेक लगाने जैसा है और सालों की मेहनत को बेकार कर देती है।

निष्पक्ष ट्रायल की कमी से रुक रहा नया टैलेंट

स्टार पहलवान ने राज्य स्तर पर निष्पक्ष ट्रायल न होने को भारतीय कुश्ती की सबसे बड़ी समस्या बताया। उनके अनुसार, जब खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका ही नहीं मिलेगा, तो देश के लिए नई प्रतिभाएं सामने कैसे आएंगी।

ओपन ट्रायल की जोरदार मांग

विनेश फोगाट ने खुलकर ओपन ट्रायल की वकालत की। उन्होंने कहा कि असली टैलेंट सिर्फ मैट पर पहचाना जा सकता है, न कि कागजी मानदंडों से। किसी खिलाड़ी को ट्रायल का मौका न देना उसके साथ सबसे बड़ा अन्याय है।

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

अपने बयान के अंत में, विनेश ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और नायब सैनी से इस मुद्दे में दखल देने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य के पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए सरकार का हस्तक्षेप बेहद जरूरी है।

बांग्लादेश को विश्वकप में शामिल किया जाता है तो पाकिस्तान भी बदलेगाा बहिष्कार का फैसला : सेठी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा है कि अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बांग्लादेश को टी20 विश्वकप में शामिल करने के लिए तैयार हो जाता है तो उनकी टीम भारत के खिलाफ मैच खेलने के लिए तैयार हो जाएगी। वहीं आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को चेतावनी दी है कि मैच का बहिष्कार उसे भारी पड़ेगा। ऐसे में उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सकती है। आईसीसी ने यह भी साफ किया है कि बहिष्कार का कदम खेल और व्यावसायिक हितों के लिए सही नहीं होगा, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मुकाबले का महत्व बहुत बड़ा है. हालांकि आईसीसी ने अभी तक ये नहीं बताया है कि वह पीसीबी को किस प्रकार की सजा दे सकती है। वहीं सेठी का मानना है कि हालात अब भी ठीक हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 卐मेरे हिसाब से अगर बांग्लादेश को श्रीलंका बुलाया जा सकता है, तो अभी देर नहीं हुई है। वहां कई मैच खेले जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सभी लोगा विश्व क्रिकेट की भलाई को देखते हुए सही फैसला करेंगे। हर कोई भारत-पाकिस्तान मैच देखना चाहता है। साथ ही कहा कि अगर आईसीसी उनकी बात नहीं मानती है तो पाक मैच से बाहर रहने के फैसले पर बना रहेगा। उसने कानूनी मामलों से निपटने के लिए अपने वकीलों से बात की है।

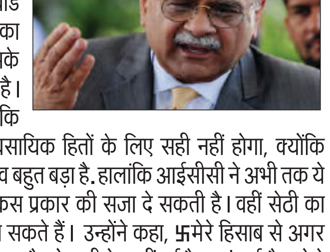

एआई में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डराया, निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

वॉलस्ट्रीट पर सॉफ्टवेयर कंपनियों में नुकसान के बाद गुरुवार को भारत में भी आईटी शेयरों में गिरावट आई। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डरा दिया। निफ्टी आईटी सूचकांक में 5.87 फीसदी की भारी गिरावट आई, जो 23 मार्च, 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। निफ्टी आईटी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.92 लाख करोड़ रुपए तक घट गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस दोनों के शेयर 7 फीसदी से ज्यादा टूट गए। विप्रो में 3.8 फीसदी की गिरावट आई। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स 4.6 फीसदी और एलटीआई माइंडट्री 5.5 फीसदी नुकसान में रहे। बेंचमार्क निफ्टी 0.19 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। सेंसेक्स भी 78.56 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,817.69 पर बंद हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक आईटी क्षेत्र को चिंता तब शुरू हुई जब एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने इन-हाउस वकीलों के लिए उत्पादकता टूल पेश किया, जो समूची कार्यप्रणाली को स्वचालित करता है। इससे निवेशकों को चिंता है कि ऐसे एआई टूल के विकास से पारंपरिक कारोबारी मॉडल वाले सॉफ्टवेयर कंपनियों को नुकसान होगा और पूरे उद्योग का मुनाफा घट जाएगा। स्वचालित टूल जारी होने की खबर से मंगलवार को वॉलस्ट्रीट पर बिकवाली शुरू हो गई और नैस्डैक 100 1.55 फीसदी नीचे बंद हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक गोल्डमैन सैक्स समूह के अमेरिकी सॉफ्टवेयर शेयरों का बास्केट 6 फीसदी गिर गया जो अप्रैल में शुल्क की वजह से हुई बिकवाली के बाद से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सॉफ्टवेयर की बिकवाली बढ़ गई है और कुछ ही सुरक्षित ठिकाने बचे हैं क्योंकि एआई में तेजी से विकास हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लाउड एक ऐसे चैटबॉट से एजेंट में बदल रहा है जो टेक्स्ट-आधारित सवालों के जवाब देता है और आपके मैक की लोकल फाइलों और ब्राउजर पर काम करता है।

वीवो वी50 5जी पर मिल रहा भारी डिस्काउंट, स्नैपड्रैगन प्रोसेसर व 50एमपी फ्रंट कैमरा भी

नई दिल्ली।

आप स्मार्टफोन खरीदने जा रहे है तो आपको वीवो वी50 5जी पर फिल्पकार्ट शानदार डिस्काउंट दे रहा है। कंपनी ने इस फोन को 39,999 रुपए की कीमत पर पेश किया था, लेकिन बैंक ऑफर्स और फ्लैट डिस्काउंट के बाद तो फोन की कीमत काफी कम हो गई।

वीवो वी50 5जी इस प्राइस पर काफी शानदार फीचर्स ऑफर कर रहा है। डिवाइस में शानदार परफॉर्मेंस, बड़ी और कलरफुल डिस्प्ले, फास्ट चार्जिंग सपोर्ट और शानदार कैमरे देखने को मिल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वीवो वी50 5जी की कीमत वैसे तो 39,999 रुपए है लेकिन फिल्पकार्ट अभी इस डिवाइस को सिर्फ 32,999 रुपए में खरीदने का मौका दे रहा है। फोन पर 7,000 रुपए तक का फ्लैट डिस्काउंट देखने को मिल रहा है।

इतना ही नहीं फोन पर जबरदस्त बैंक ऑफर भी मिल रहा है जहां फिल्पकार्ट एसबीआई या फिल्पकार्ट एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके 5फीसदी तक का कैशबैक भी मिल सकता है। जबकि कुछ बैंक के क्रेडिट कार्ड नॉन ईएमआई ऑप्शन पर 1500 रुपए तक का डिस्काउंट मिल रहा है। इसके अलावा आप अपना पुराना डिवाइस एक्सचेंज करके भी ज्यादा डिस्काउंट ले सकते हैं। पुराने स्मार्टफोन को एक्सचेंज करके आपको 26,650 रुपए तक का एक्सचेंज वैल्यू मिल सकता है। हालांकि, फाइनल एक्सचेंज वैल्यू आपके पुराने स्मार्टफोन के ब्रांड, मॉडल और फंक्शनैलिटी पर डिपेंड करेगी।

वीवो के इस फोन में 6.77-इंच का एमोलेड डिस्प्ले मिल रहा है। साथ ही फोन में 120एचजेड तक का रिफ्रेश रेट सपोर्ट भी मिलेगा। तेज धूप में यह डिवाइस 4,500 निट्स की पीक ब्राइटनेस भी ऑफर करेगा। फोन में स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट देखने को मिल रहा है। साथ ही इस फोन में 12जीबी एलपीडीडीआर4एक्स रैम और 512जीबी तक यूएफएस 2.2 स्टोरेज मिल रही है।

फोटोग्राफी के लिए वीवो वी50 5जी में डुअल कैमरा सेटअप देखने को मिल रहा है जहां 50एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा मिल रहा है। साथ ही डिवाइस में एक 50एमपी का सेकेंडरी कैमरा भी मिल रहा है। सेल्फी के लिए इस डिवाइस में 50एमपी का फ्रंट कैमरा मिल रहा है। इस स्मार्टफोन में 6,000मेगाहार्ट की बैटरी और 90वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी मिल रहा है।

विदेशी कंपनियों को कर छूट का लाभ लेने के लिए करनी होगी चार शर्तें पूरी

-यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उपलब्ध होगी

नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट में डेटा और क्लाउड सेंटर कंपनियों के लिए कर छूट की घोषणा के बाद वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि विदेशी कंपनियों को कर छूट का पात्र होने के लिए चार शर्तों को पूरा करना होगा। यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उस विदेशी कंपनी को उपलब्ध होगी, जो भारत समेत विश्व स्तर पर क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है। विदेशी कंपनी को छूट प्राप्त करने के लिए चार अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विदेशी कंपनी का अधिसूचित होना जरुरी है और भारत में जिस डेटा सेंटर कंपनी से डेटा सेंटर सेवाएं ली जा रही हैं, उसका भारतीय होना अनिवार्य है। अन्य शर्तों में यह भी शामिल है, डेटा सेंटर का इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिसूचित होना और विदेशी कंपनी द्वारा भारतीय उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली सेवाएं एक भारतीय पुनर्विक्रेता इकाई के जरिए प्रदान की जानी अनिवार्य हैं।

सूत्रों के मुताबिक यह छूट क्लाउड सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी विदेशी कंपनियों को निश्चितता प्रदान करती है, जो भारत में स्थित डेटा सेंटर से सेवाएं हासिल करती हैं। ऐसी विदेशी कंपनियों को कोई जोखिम नहीं होगा कि उनकी वैश्विक आय पर भारत में कर लगाया जाए। घरेलू आर्थिक गतिविधियों से होने वाली आय पर कर, जैसे कि रेजिडेंट डेटा सेंटर द्वारा वैश्विक इकाई को डेटा सेंटर सेवाएं प्रदान करना और रेजिडेंट पुनर्विक्रेता इकाई द्वारा भारतीय ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं बेचना, किसी भी अन्य घरेलू कंपनी की तरह ही कर योग्य रहेगा।

हालांकि, यदि भारतीय डेटा सेंटर किसी विदेशी कंपनी की संबद्ध इकाई है, तो 15 फीसदी का सुरक्षित कर मार्जिन प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी क्लाउड सेवा इकाई के साथ व्यवहार समान रहेगा, चाहे डेटा सेंटर भारतीय स्वामित्व वाला हो या वैश्विक इकाई की सहायक कंपनी, जिससे सभी के लिए समान अवसर तय होंगे। भारतीय डेटा सेंटर अब आत्मविश्वास से ऐसी वैश्विक क्लाउड इकाइयों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं, और बाद वाली इकाइयों को भारतीय डेटा सेंटरों के इस्तेमाल के कारण किसी भी प्रकार के कर जोखिम का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस कदम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे का विकास करना और डेटा सेंटरों में निवेश को बढ़ावा देना है।

अब येस बैंक की कमान संभालेंगे टोंसे, बैंक वृद्धि बहाली अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली।

येस बैंक में प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्याधिकारी का पदभार संभालने जा रहे विनय मुरलीधर टोंसे पर बैंक को वृद्धि के अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी है। वह प्रशांत कुमार की जगह लेंगे। हाल की तिमाहियों में बैंक के कारोबार की वृद्धि, खासकर खुदरा क्षेत्र में, सुस्त रही है, क्योंकि बैंक होम लोन और कार लोन जैसे ऋण क्षेत्र से हटकर मिल यील्डिंग सेग्मेंट की ओर बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान की वित्त क्षेत्र की दिग्गज एसएमबीसी द्वारा बैंक में पिछले साल 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के बाद यह नियुक्ति होने जा रही है, जिसे देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है। येस बैंक के मौजूदा एमडी और सीईओ प्रशांत कुमार की तरह मुरलीधर टोंसे भी भारतीय स्टेट बैंक में काम कर चुके हैं। वह नवंबर 2025 में स्टेट बैंक से प्रबंध निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

टोंसे के येस बैंक के एमडी और सीईओ पद पर नियुक्ति पर एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि उन्हें हर क्षेत्र का अनुभव है। अपनी सेवाओं के दौरान उन्होंने कॉरपोरेट बैंकिंग, मार्केट्स, इंटरनैशनल बैंकिंग और खुदरा समेकत करीब सभी प्रमुख क्षेत्रों का कामकाज देखा है। इसकी वजह से वह इस पद के लिए बेहतर विकल्प हैं।

सूत्रों ने कहा कि एमडी और सीईओ पद के लिए तीन उम्मीदवार दौड़ में थे, जिनमें से दो निजी क्षेत्र से थे। येस बैंक के बोर्ड ने टोंसे को चुना। टोंसे ने 1988 में स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप काम करना शुरू किया था।

भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा: सीतारमण

-ट्रेड डील की घोषणा के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां होंगी खत्म

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अब भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां खत्म हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब साल भर पहले निवेशकों ने पैसा निकालना शुरू किया था, तब भी भारत की वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत थी। उन्होंने कहा कि बुनियादी वृहद आर्थिक संकेतक तब मजबूत थे, बाद में मजबूत रहे और अब भी मजबूत ही हैं लेकिन निवेश की आवक के लिए कुछ और चाहिए। वित्तमंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच फोन बातचीत पर प्रतिक्रिया देखें तो पता चल जाएगा कि मौसम कितना बदल गया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि देश में निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा। इससे संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2027 के बजट में घोषित सीमा शुल्क में कटौती प्रस्तावित बड़ी कवायद की पहली किस्त थी। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क की व्यवस्था में कई स्तर हैं, जिन्हें सरकार सुधारों को एक साथ पूरा करने के बजाय जानबूझकर उन्हें चरणबद्ध तरीके से कर रही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मैं यह सब इस बजट में कर सकती थी, लेकिन जितने पर पूरा भरोसा था उसे किया। बाकी के लिए हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे। कुछ बदलाव तृतीयक संशोधनों के जरिये भी लाए जा सकते हैं या ऐसा कहें कि मेरे पास अभी कुछ और भी है, जिसे बाद में एक साथ लाएंगे लेकिन जितनी जल्दी हो उतना अच्छा।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा लगातार सुर्खियों में

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा भारतीय कार बाजार में माइलेज को लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मारुति सुजुकी कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी फुल टैंक में करीब 1200 किलोमीटर तक चल सकती है। 10.76 लाख रुपये से 19.57 लाख रुपये की कीमत में उपलब्ध इस मिड-साइज एसयूवी का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किया सेल्टोस और होंडा एलिवेट जैसे लोकप्रिय मॉडलों से होता है। इसके बावजूद ग्रांड विटारा मजबूत हाइब्रिड तकनीक और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की वजह से अपनी अलग पहचान कायम कर चुकी है। बिक्री के आंकड़े भी इसकी सफलता की पुष्टि करते हैं। पिछले छह महीनों में 50 हजार से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ यह एसयूवी हर महीने औसतन 8,355 ग्राहकों की पसंद बन रही है। मारुति और टोयोटा की साझेदारी में विकसित इस मॉडल में माइल्ड और स्ट्रॉन्ग दोनों तरह के हाइब्रिड इंजन विकल्प मिलते हैं। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से 27.97 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। इसमें दिया गया ईवी मोड पूरी तरह इलेक्ट्रिक मोटर पर कार चलाता है, जिससे ड्राइविंग न केवल शांत होती है बल्कि ईंधन की खपत भी काफी कम रहती है। फीचर्स के मामले में भी ग्रांड विटारा किसी से कम नहीं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.33 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 90.52 पर खुला, फिर कुछ बढ़त के साथ 90.40 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 7 पैसे की बढ़त दिखाता है। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक छोटे दायरे में कारोबार कर रहा था। आज सुबह डॉलर इंडेक्स 0.18 फीसदी बढ़कर 97.79 पर कारोबार कर रहा था।पिछले एक महीने में भारतीय रुपये में 0.36 फीसदी की गिरावट आई है और पिछले 12 महीनों में यह 3.25 फीसदी तक गिरा है।

कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर कमाए, ट्रेंट का रेवेन्यू बढ़ा

-टाटा पावर का वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 1,194 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कंपनी कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर के साथ 19 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। इस दौरान राजस्व 4.9 फीसदी बढ़कर 5.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि स्थिर मुद्रा में वृद्धि 3.8 फीसदी रही। वृद्धि के ये आंकड़े अधिकांश भारतीय प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कहीं बेहतर रहे। कॉग्निजेंट जनवरी-दिसंबर की अवधि को वित्त वर्ष मानती है। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2025 में अपने खुद के अनुमान को पार करने के बाद वह 4 से 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज करेगी। फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंटफैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंट का समेकित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 3.1 फीसदी बढ़ा। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इसका परिचालन राजस्व 14.8 फीसदी बढ़कर 5,345.1 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने कहा कि लेखा मानकों के कारण हमारे समेकित राजस्व में ट्रेंट हाइपरमार्केट कारोबार का राजस्व शामिल नहीं है। हालांकि इस परिणाम में इस उद्यम के लाभ का आनुपातिक हिस्सा शामिल है और इसकी गणना इक्विटी विधि के आधार पर की गई है। टाटा पावर का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली रूप से बढ़कर 1,194 करोड़ रुपए पहुंच गया। राजस्व में कमी के बावजूद कंपनी के मुनाफे में यह बढ़त दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1,188 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। बजाज फिनसर्व का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा और यह 2,229 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 2,231 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था।

जनवरी में रेनो की कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली । रेनो इंडिया कंपनी की साल के प्रथम महीने जनवरी में कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। यह बीते साल की तुलना में लगभग 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की इस सफलता में ट्रीबर और काईगर जैसे मॉडलों की बढ़ती मांग सबसे बड़ी वजह रही। किफायती कीमत, बेहतर परफॉर्मेंस और फैमिली-फ्रेंडली डिजाइन ने ट्रीबर को बजट सेगमेंट में लोकप्रिय विकल्प बनाया है। यह तेज वृद्धि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के औसत प्रदर्शन से काफी आगे है और यह दर्शाती है कि रेनो के मॉडल भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद में लगातार ऊपर चढ़ रहे हैं। वहीं काईगर ने भी युवाओं और शहरी ग्राहकों के बीच अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। इसके साथ ही, जनवरी के अंत में लॉन्च की गई नई जेनरेशन डस्टर ने रेनो ब्रांड के प्रति उत्साह को और बढ़ाया है। एसयूवी सेगमेंट में अपनी अलग पहचान रखने वाली डस्टर की नई अवतार में आधुनिक सुरक्षा फीचर्स, उन्नत तकनीक और अधिक केबिन स्पेस शामिल किए गए हैं। हाइब्रिड इंजन विकल्प की संभावना ने भी ग्राहकों का ध्यान खींचा है, जिससे बिक्री के अनुमान और मजबूत हुए हैं। डीलरशिप पर पूछताछ और बुकिंग के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि यह मॉडल ब्रांड को नई रफ्तार देने में अहम भूमिका निभा सकता है। रेनो इंडिया की चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और देशभर में फैले सेल्स और सर्विस नेटवर्क ने भी कंपनी की ग्रोथ को मजबूती दी है। आसान पहुंच और भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के कारण ब्रांड की विश्वसनीयता बढ़ी है। जनवरी 2026 के प्रदर्शन और नए मॉडलों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी से साफ है कि रेनो इंडिया भारतीय बाजार में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

उत्कृष्ट बैंकिंग, सुरक्षित पैसा और बेहतर रिटर्न का भरोसा

बेंगलुरुः बैंक चुनते समय आज ग्राहक सिर्फ नाम नहीं देखते, वे यह जानना चाहते हैं कि उनका पैसा कितना सुरक्षित है, बैंक की ग्रोथ कितनी स्थिर है और भविष्य में उन्हें कितना बेहतर फायदा मिल सकता है। मजबूत जमा, संतुलित ऋण और लगातार बेहतर नतीजे ही ग्राहकों के भरोसे की असली पहचान होते हैं। इस भरोसे को और मजबूत किया है उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों ने।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री संजीव नौटियाल ने कहा कि मजबूत जमा वृद्धि, घटती फंड लागत और बेहतर मार्जिन के चलते बैंक ने स्थिर और टिकाऊ प्रदर्शन किया है। 21.6% की पूँजी पर्याप्तता और मजबूत तरलता के साथ बैंक आने वाले समय में भी ग्राहकों को सुरक्षित और भरोसेमंद बैंकिंग अनुभव देने के लिए तैयार है।

बैंक ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में अब तक का सर्वाधिक तिमाही नेट इंटरेस्ट इनकम 1,000 करोड़ रुपए दर्ज किया। इस दौरान बैंक का कुल वितरण रिकॉर्ड स्तर 8,293 करोड़ रुपए रहा। दिसंबर 2025 तक बैंक की सकल ऋण पुस्तिका बढ़कर 37,057 करोड़ रुपए हो गई, जो सालाना आधार पर 21.6% की वृद्धि दशार्ती है। वहीं, जमा 22.4% की सालाना बढ़त के साथ 42,223 करोड़ रुपए तक पहुँच गए।

ग्राहकों के लिए राहत की बात यह रही कि बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार जारी रहा। दिसंबर 2025 में जीएनपीए घटकर 2.39% और एनएनपीए 0.58% रहा। संग्रह दक्षता 99.7% तक पहुँचने से बैंक की वित्तीय सेहत और मजबूत हुई है। सुरक्षित ऋण का हिस्सा बढ़कर कुल ऋण का 48% हो गया, जिससे जोखिम संतुलन बेहतर हुआ है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 503, निफ्टी 133 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 503.76 अंक नीचे आकर 83,313.93 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 133.20 अंक टूटकर 25,642.80 पर बंद हुआ। बाजार में सबसे अधिक गिरावट डिफेंस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई। इसमें एचएएल में 4.31 फीसदी, डेटा पैटनर्स 3.63 फीसदी और साइएंट डीएलएम 3.34 फीसदी की सबसे ज्यादा गिरावट रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस में 2.10 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.02 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.82 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी कंजप्शन इंडेक्स में 0.59 फीसदी गिरावट रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.38 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर में 0.14 फीसदी की बढ़त रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 166.50 अंक टूटकर की 59,517.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 221.20 अंक नीचे आकर 16,983.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान

व्यापक बाजार में भी कमजोरी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,737 शेयर लाभ के साथ ही उछले। वहीं 2,447 शेयरों में गिरावट रही। 158 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ ही 83,757 पर खुला। सुबह यह 273.15 अंक नीचे आकर खुला। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी टूटकर ,755.90 पर खुला। सुबह यह 87.15 अंक फिसलकर 25,685 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो आज सुबह शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट के पिछले सत्र के अनुसार रही। इस दौरान तकनीकी शेयरों में बिकवाली रही। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स करीब 2.35 फीसदी नीचे आया 0.49 प्रतिशत तक टूट गए। एसएंडपी 500 और नैस्डैक 100 में 0.51 और 1.8 फीसदी की गिरावट रहीए। निवेशकों को टेक शेयरों के महंगे वैल्यूएशन की आशंका रही।

इंडिगो ने बाजार में प्रभुत्व का दुरुपयोग कर प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला

-सीसीआई ने उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में इंडिगो के खिलाफ दिया जांच का आदेश

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में गुरुवार को विमानन कंपनी इंडिगो के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। सीसीआई ने अपनी शुरुआती जांच में पाया कि इंडिगो ने बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करते हुए सेवाओं को प्रतिबंधित करके प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला है। पिछले साल 18 दिसंबर को आयोग ने बयान में कहा था कि उसने 1 से 9 दिसंबर के बीच विभिन्न मार्गों पर हवाई सेवाओं में व्यवधान के संदर्भ में इंडिगो के खिलाफ दायर जानकारी का संज्ञान लिया है।

सीसीआई ने कहा कि हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द कर इंडिगो ने अपनी तय क्षमता का एक अहम हिस्सा बाजार से हटा लिया जिससे कृत्रिम अभाव उत्पन्न हो गया और अधिक मांग के समय यात्रियों को हवाई सफर की सुविधा नहीं मिल सकी। आयोग ने कहा कि बाजार में वर्चस्व वाली कंपनी की ओर से ऐसे आचरण को प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत सेवाओं की आपूर्ति सीमित करना माना जा सकता है। सीसीआई के आदेश के बारे में पक्ष जानने के लिए इंडिगो को ईमेल किया गया लेकिन अभी तक जवाब नहीं आया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई ने कहा कि प्रथम दृष्टया इंडिगो का यह आचरण भारत में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता प्रतीत होता है। इसके मद्देनजर आयोग ने मामले की विस्तृत जांच के लिए अपने महानिदेशक को निर्देश दिए हैं। महानिदेशक कार्यालय को 90 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आदेश से पता चला कि इंडिगो ने सीसीआई को बताया है कि प्रतिस्पर्धा अधिनियम आयोग को क्षेत्रीय नियामक ढांचे की पर्याप्तता या प्रभावशीलता की जांच करने का अधिकार नहीं देता है। इंडिगो ने कहा कि डीजीसीए के विशिष्ट अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामलों में आयोग का कोई भी हस्तक्षेप अधिकार क्षेत्र का गलत इस्तेमाल होगा।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। दोनों के भाव वायदा भाव नीचे आये। सुब घरेलू बाजार में सोने के वायदा कीमतें 1,49,00 रुपये, जबकि चांदी की 2,52,750 रुपये के करीब कारोबार रही हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोन-चांदी की कीमतों में नरमी रही। आज सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,098 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,948 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,53,046 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 3,964 रुपये की गिरावट के साथ 1,49,082 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,51,948 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,48,455 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। गौरतलब है कि सोने के वायदा भाव पिछले माह 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 10,754 रुपये फिसलकर 2,58,096 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,68,850 रुपये था। यह अनुबंध 16,131 रुपये की गिरावट के साथ ही 2,52,719 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 2,58,096 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,52,719 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

अमृत भारत योजना के तहत 172 रेलवे स्टेशनों को संवारा गया: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 172 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य पूरा हो गया है। इस योजना का उद्देश्य स्टेशनों और उनके आसपास के क्षेत्रों में सुविधाओं में सुधार करना, स्टेशनों को शहर के दोनों तरफ से जोड़ना और इमारत, वेटिंग हॉल व शौचालय जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाकर यात्रियों को बेहतर सेवाएं देना है। योजना में यात्रियों की संख्या के अनुसार चौड़े फुटओवर ब्रिज, एस्केलेटर और लिफ्ट, बेहतर पार्किंग क्षेत्र और पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम जैसी सुविधाओं को शामिल किया गया है। मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन और यात्रियों को सामान बेचने के लिए कियोस्क जैसी सुविधाएं भी

शामिल हैं। वैष्णव ने लोकसभा में लिखित उत्तर में कहा कि इसमें टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल समाधान, आधुनिक ट्रैक और स्टेशन पर एक सिटी सेंटर बनाने की योजना भी शामिल है। अब तक इस योजना के तहत 1,337 स्टेशनों को विकास के लिए चिन्हित किया गया है।

मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे देशभर के ब्रिज की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देता है। 2022-2025 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान कुल 8,626 रेलवे ब्रिज की मरम्मत, मजबूती और पुनर्निर्माण किया गया है।

रेलवे ब्रिज की जांच के लिए एक स्थापित प्रणाली है। ब्रिज का निरीक्षण साल में दो बार किया जाता है, एक बार मानसून के शुरू होने से पहले और एक विस्तृत निरीक्षण मानसून के बाद किया जाता है। कुछ ब्रिज की स्थिति के अनुसार अधिक बार निरीक्षण किया जाता है, ये चीफ ब्रिज इंजीनियर तय करते हैं। निरीक्षण के दौरान उनकी मरम्मत की जाती है। विशेष तकनीकी ऑडिट भी किया जाता है और इसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

सबवे और रोड अंडर ब्रिज का निरीक्षण भी मानसून से पहले और बाद में किया जाता है। आरयूबी और सबवे में जलजमाव को कम करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

ब्रिज पुनर्वास कार्य की विधियां भारतीय रेलवे ब्रिज मैनुअल में दी गई हैं। गुणवत्ता आश्वासन योजना, निरीक्षण और परीक्षण योजना का पालन कॉन्ट्रैक्ट प्रबंधन और कॉन्ट्रैक्ट की सामान्य और विशेष शर्तों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है।

यात्रियों की सुगम यात्रा को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे चलायेगी होली स्पेशल ट्रेनों

कोलकाता : भारतीय रेल होली पर्व 2026 के दौरान त्योहार के समय यात्रियों की मांग के अनुसार बढ़ी हुई संख्या को समायोजित करने के लिए 1410 स्पेशल ट्रेन यात्राएँ चलाने की योजना बना रही है। पीक सीजन के दौरान यात्रियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों की संख्या आगे और बढ़ाई जा सकती है। रंगों के इस पर्व पर अपने गृह नगर लौटने या मित्रों एवं परिजनों से मिलने जाने वाले यात्रियों को सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से ये विशेष ट्रेनें देश के विभिन्न गंतव्यों को आपस में जोड़ेंगी। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे भी होली के दौरान विभिन्न मार्गों पर होली स्पेशल ट्रेन संतरागाछी –एम.जी.आर. चेन्नई –संतरागाछी, संतरागाछी –तिरुवनंतपुरम –संतरागाछी, संतरागाछी –चारलापल्ली –संतरागाछी, संतरागाछी –दरभंगा –संतरागाछी, शालीमार –वडोदरा –शालीमार, शालीमार –विशाखापत्तनम –शालीमार, टाटानगर –कटिहार –टाटानगर, टाटानगर –बक्सर –टाटानगर, रांची –गोरखपुर –रांची, रांची –अजमेर –रांची, रांची –जयनगर –रांची का संचालन करेगी।

चुनाव आयोग ने पर्यवेक्षकों से कहा- पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों में केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किए जाने वाले सामान्य, पुलिस तथा व्यय पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की। यहां के भारतीय निर्वाचन प्रबंधन संस्थान में गुरुवार से शुरू यह दो दिवसीय बैठक तीन चरणों में होगी। आयोग के अनुसार कुल 1,444 अधिकारियों को ब्रीफिंग के लिए बुलाया गया है, जिनमें 714 सामान्य पर्यवेक्षक, 233 पुलिस पर्यवेक्षक और 497 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों को संबोधित किया। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पर्यवेक्षकों को आयोग के मार्गदर्शक दीप के रूप में चुना गया है। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी 824 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी मशीनरी को ऊर्जा प्रदान करेगी और वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें।

निर्वाचन आयुक्त डॉ. संधू ने कहा कि पर्यवेक्षक मैदान में तैनात चुनाव अधिकारियों के मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं। उनकी आमद का व्यापक प्रचार हो और वे मतदाताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पूरी तरह सुलभ रहें, ताकि किसी प्रकार के पक्षपात की धारणा भी न बने।

डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि पर्यवेक्षक आयोग के निर्देशों को अक्षरशः लागू कराएं और लोकतांत्रिक मूल्यों तथा निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। मतदाता सूचना पर्चियां समय से पहले वितरित की जाएं, ताकि मतदान के दिन मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक के दौरान आयोग ने पर्यवेक्षकों के साथ संदेह-निराकरण सत्र भी किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने मतदाता सूची तैयार करने, चुनाव संचालन, आईटी अनुप्रयोगों, मीडिया प्रबंधन तथा पांचों राज्यों की चुनावी तैयारियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

तीनों चुनाव आयुक्तों ने पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि वे चुनाव कानूनों, नियमों और दिशानिर्देशों से भली-भांति परिचित हों और आयोग को सीधे फीडबैक दें, ताकि सभी प्रावधानों का कड़ाई और निष्पक्षता से पालन सुनिश्चित किया जा सके। पर्यवेक्षकों को राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों और मतदाताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहने को भी कहा गया।

राजस्व वसूली के लिए कोयला कंपनियों को 183.85 अरब रुपये जमा करने की नोटिस

बिभा संवाददाता

धनबाद। जिला खनन विभाग ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) मुगमा, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला व टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन को राजस्व वसूली के लिए 183.85 अरब रुपए जमा करने का नोटिस भेजा है। नोटिस की तिथि से 15 दिन के अंदर रकम जमा करने का निर्देश दिया गया है। राशि जमा नहीं करने पर कंपनियों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस दायर किया जाएगा।

इसके बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने बताया कि उपरोक्त खनन कंपनियों ने निर्धारित अनुमति से अधिक जगह से वर्ष 2000 से 2010 के बीच कोयले का उत्खनन किया। इसमें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की 46, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल मुगमा) की 8, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला की दो और टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन की 3 कोलियरियां शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक में इन कोयला कंपनियों से करीब 183.85 अरब रुपये की वसूली की जाएगी। इसमें बीसीसीएल को चांच विक्टोरिया, गोविंदपुर एरिया, कतरास एरिया, सिजुआ एरिया, बरोरा एरिया, ब्लाक टू एरिया, कुसुंडा एरिया, पीबी एरिया, बस्ताकोला एरिया, लोदना एरिया, ईस्टर्न झरिया तथा वेस्टर्न झरिया की कोलियरी के लिए 17,337.87 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन को 385.19 करोड़ रुपए, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुगमा एरिया को 328.77 करोड़ रुपए तथा स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला को 333.42 करोड़ रुपए का भुगतान करना है। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर कोयला कंपनियों से रकम वसूली के लिए जिला खनन पदाधिकारी व सहायक खनन पदाधिकारी को अधिकृत किया है। उन्होंने बताया कि खान व भूतत्व विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की है। कोयला कंपनियों का पक्ष भी सुना गया है। दिसंबर तक सुनवाई के बाद अब नोटिस देकर आगे की कार्रवाई की तैयारीयां है। कोयला कंपनियों की ओर से राशि जमा नहीं करने की स्थिति में उनके विरुद्ध सर्टिफिकेट केस दर्ज किया जाएगा।

जिला खनन विभाग ने इसको लेकर संबंधित कंपनियों के अधिकारियों को इस मामले से भी अवगत करा दिया है।

आरपीसी मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट: दूसरे दिन दो मुकाबले, सकरी और मयूराक्षी की शानदार जीत

बिभा संवाददाता

रांची : रांची प्रेस क्लब द्वारा आयोजित आरपीसी मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 के तहत 5 फरवरी को जे.के. क्रिकेट एकेडमी मैदान में खेले गए मुकाबलों ने दर्शकों को भरपूर रोमांच दिया। टूनार्मेंट के इस दिन दो मैच खेले गए, जिनमें सकरी और मयूराक्षी टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

दिन का पहला मुकाबला कांची और सकरी टीम के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कांची टीम ने 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 126 रन बनाए। कांची की ओर से सोनू प्रभात ने 24 रन की अहम पारी खेली, जबकि फिरोज जिलानी ने 22 और सुजीत ने 21 रन का योगदान दिया। हालांकि अच्छी शुरूआत के बावजूद कांची की टीम बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच सकी।

सकरी की ओर से गेंदबाजी में सुनील सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 4 विकेट झटके और कांची की रन गति पर लगाम कस दी। उनके इस शानदार स्पेल ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सकरी टीम ने दमदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और मात्र 12 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। सकरी की जीत में शाहीन अहमद की नाबाद 53 रन की पारी निर्णायक रही, जबकि आफताब ने नाबाद 37 रन बनाए। रूपेश नारायण ने भी 21 रन का योगदान दिया। कांची की ओर से मनीष ने 19 रन देकर 1 विकेट लिया। शानदार गेंदबाजी के लिए सुनील सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दिन का दूसरा मुकाबला मयूराक्षी और शंख टीम के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए शंख टीम ने 16 ओवर में 5 विकेट पर 110 रन बनाए। शंख की ओर से जितेंद्र कुमार ने 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि अजय कुकरेती ने 17 रन जोड़े।

मयूराक्षी की ओर से गेंदबाजी में लाल दिवाकर ने 2 विकेट लेकर बल्लेबाजों को रोके रखा।

110 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मयूराक्षी टीम ने संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी का संतुलन दिखाते हुए 14.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 111 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया।

मयूराक्षी की ओर से अभिषेक सिन्हा ने शानदार 43 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा आमोद साहू ने 24 और ओम प्रकाश ने 22 रन का योगदान दिया। शंख की ओर से कमलेश मिश्रा ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए।

बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए अभिषेक सिन्हा को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

आरपीसी मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। पत्रकार खिलाड़ियों का उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक खेल टूर्नामेंट को खास बना रहा है, वहीं दर्शकों को आने वाले मैचों से भी इसी तरह के रोमांच की उम्मीद है।

टीएसएएफ और सेल के एमटीआई के बीच करार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य सेल के कर्मचारियों के लिए आउटबाउंड लीडरशिप डेवलपमेंट कार्यक्रमों को जारी रखना और उन्हें और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) वर्ष 2017 से सेल के साथ मिलकर कार्य कर रहा है और बीते आठ वर्षों में साहसिक गतिविधियों पर आधारित 100 से अधिक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन कर चुका है। नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, सहनशीलता और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किए गए इन पाठ्यक्रमों में आउटडोर एवं एडवेंचर गतिविधियों को गहराई से सीखने के माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है। अब तक टीएसएएफ द्वारा संचालित आउटबाउंड कार्यक्रमों में सेल के 2,000 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया है।

नवीनीकृत समझौता ज्ञापन 25 जनवरी 2026 से 25 जनवरी 2028 तक वैध रहेगा। इसका उद्देश्य संरचित अनुभवात्मक विकास हस्तक्षेपों के माध्यम से सेल में सीखने के परिणामों, कर्मचारी सहभागिता तथा नेतृत्व क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाना है।

यह समझौता ज्ञापन टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन की ओर से टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट एवं टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन के चेयरमैन डी. बी. सुंदरा रामम द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। वहीं सेल की ओर से प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई), सेल के कार्यकारी निदेशक (ह्यूमन रिसोर्सेसझ लर्निंग एंड डेवलपमेंट) संजय धर ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

हस्ताक्षर समारोह में टाटा स्टील के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें टाटा स्टील के चीफ स्पोर्ट्स मुकुल विनायक चौधरी तथा टाटा स्टील के स्पोर्ट्स एकेडमीज एंड एडवेंचर प्रोग्राम के हेड और टीएसएएफ के मैनेजिंग ट्रस्टी हेमंत गुप्ता शामिल थे।

सेल की ओर से इस कार्यक्रम में प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई), सेल के जेनरल मैनेजर इंचार्ज (ह्यूमन रिसोर्सेजझलर्निंग एंड डेवलपमेंट) अतनु मुखर्जी तथा सीनियर मैनेजर (ह्यूमन रिसोर्सेजझलर्निंग एंड डेवलपमेंट) सुश्री निहारिका उपस्थित रहीं।

आपका जीवन अनमोल है : आसनसोल मंडल ने रेल पटरियों पर अवैध प्रवेश और असुरक्षित पारगमन के खिलाफ जारी की कड़ी सुरक्षा चेतावनी

आम जनता से रेल पटरियों पर अवैध प्रवेश न करने और सुरक्षा नियमों का हर हाल में पालन करने की अपील

इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग एवं एलएचएस से सड़कझरेल संपर्क पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित

आसनसोल : पूर्व रेलवे के अंतर्गत आसनसोल मंडल ने रेल पटरियों पर अवैध रूप से प्रवेश करने और लेवल क्रॉसिंग पर असुरक्षित तरीके से पार करने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आम जनता के लिए कड़ी सुरक्षा चेतावनी जारी की है। रेल पटरियों पर अवैध प्रवेश और सुरक्षा नियमों की अनदेखी, गंभीर दुर्घटनाओं और जान-माल के नुकसान का प्रमुख कारण बनी हुई है। ऐसे हादसे प्रायः लापरवाही, जल्दबाजी, ध्यान भटकने और चेतावनी संकेतों की अनदेखी के कारण होते हैं। रेल पटरियों पर अवैध रूप से चलना न केवल अत्यंत खतरनाक है, बल्कि यह रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध भी है।

आसनसोल मंडल द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया तथा प्रत्यक्ष जनसंपर्क के माध्यम से निरंतर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यात्रियों और सड़क उपयोगकताओं को केवल अधिकृत पारगमन स्थलों जैसे लेवल क्रॉसिंग गेट एवं लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) का ही उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल की टीमें भी अवैध प्रवेश करने वाले व्यक्तियों को समझाइश दे रही हैं और इससे जुड़े गंभीर खतरों के प्रति उन्हें सचेत कर रही हैं।

सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेट उपलब्ध कराया गया है, जिसमें इलेक्ट्रिकल लिफ्टिंग बैरियर तथा स्टैंडबाय स्लाइडिंग गेट की व्यवस्था की गई है। यह प्रणाली ट्रेन संचालन को गेट संचालन से जोड़ती है, जिससे सिग्नलिंग और गेट प्रणाली के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित होता है तथा अनधिकृत पारगमन पर प्रभावी रोक लगती है। वहीं, एलएचएस के बढ़ते उपयोग से अवैध प्रवेश में कमी आ रही है और सड़क तथा रेल उपयोगकताओं के लिए सुरक्षित आवागमन संभव हो रहा है।

आसनसोल मंडल सभी पैदल यात्रियों, दोपहिया वाहन चालकों और अन्य वाहन चालकों से अपील करता है कि लेवल क्रॉसिंग गेट बंद होने की स्थिति में धैर्यपूर्वक रुकें और गेट के पूरी तरह खुलने के बाद ही आगे बढ़ें। जल्दबाजी में गेट के नीचे से निकलने या साइकिल, सामान अथवा वाहन के साथ जबरन पार करने का प्रयास न करें। किसी भी स्थिति में अनधिकृत स्थानों से रेल पटरियों को पार न करें। सुरक्षा नियमों की अनदेखी गंभीर दुर्घटना और जान के नुकसान का कारण बन सकती है। आपका जीवन अनमोल है – सतर्क रहें, रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहें।

ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज, पतरातू में विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता सत्र आयोजित

बिभा संवाददाता

पतरातू: विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज, पतरातू में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कैंसर जागरूकता सत्र का संचालन डॉ. अभिषेक रंजन द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों एवं कॉलेज स्टाफ को कैंसर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

डॉ. अभिषेक रंजन ने अपने संबोधन में कैंसर की मूल अवधारणा को सरल शब्दों में समझाते हुए बताया कि यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जीवनशैली में आए बदलाव, तंबाकू एवं धूम्रपान का बढ़ता उपयोग, असंतुलित खान-पान, शारीरिक निष्क्रियता और तनाव कैंसर के बढ़ते मामलों के प्रमुख कारण हैं।

सत्र के दौरान डॉ. रंजन ने कैंसर के विभिन्न प्रकारों जैसे मुख कैंसर, स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर एवं रक्त कैंसर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों पर विशेष जोर देते हुए बताया कि लंबे समय तक न भरने वाले घाव, शरीर में किसी भी प्रकार की असामान्य गांठ, अचानक वजन कम होना, लगातार खांसी या स्वर में बदलाव, असामान्य रक्तस्राव तथा लगातार थकान जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

डॉ. अभिषेक रंजन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कैंसर की पहचान प्रारंभिक अवस्था में हो जाए तो इसका सफल इलाज संभव है। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, स्क्रीनिंग टेस्ट और समय पर चिकित्सकीय परामर्श को अत्यंत आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने यह जानकारी दी कि कुछ प्रकार के कैंसर, विशेषकर गर्भाशय ग्रीवा कैंसर एवं हेपेटाइटिस-बी से संबंधित कैंसर की रोकथाम के लिए टीकाकरण उपलब्ध है।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील करते हुए डॉ. रंजन ने तंबाकू एवं शराब से दूरी, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने को कैंसर से बचाव के प्रमुख उपाय बताया।

कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जागरूकता संदेश को समाज में फैलाने का संकल्प लिया। कॉलेज प्रशासन ने डॉ. अभिषेक रंजन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

देश की पहली सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को विज्ञान भवन से देश की पहली सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी को आगामी तीन वर्षों के भीतर पूरे देश में शुरू किया जाएगा और यह टैक्सी चालकों के आर्थिक सशक्तीकरण का एक बड़ा माध्यम बनेगी।

अमित शाह ने कहा कि फिलहाल भारत टैक्सी की शुरूआत गुजरात के कुछ शहरों के साथ दिल्ली और एनसीआर में की जा रही है लेकिन अगले तीन साल से भी कम समय में यह देश के हर राज्य और प्रमुख शहरों में उपलब्ध होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक भारत टैक्सी टैक्सी चालकों के कल्याण का एक सशक्त मॉडल बनेगी।

टैक्सी चालकों को सारथी की संज्ञा देते हुए शाह ने कहा कि अभी तक उनकी टैक्सी का पहिया किसी और की कमाई करता था, लेकिन भारत टैक्सी के माध्यम से अब वही पहिया उनकी अपनी कमाई और समृद्धि के लिए घूमेगा। उन्होंने कहा कि सहकार टैक्सी जो भी मुनाफा कमाएगी, उसमें से तीन वर्ष बाद केवल 20 प्रतिशत राशि सहकार टैक्सी के पास रहेगी, जबकि शेष 80 प्रतिशत राशि प्रति किलोमीटर की औसत के आधार पर सीधे सारथियों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी। सहकार टैक्सी के मालिक भी स्वयं सारथी ही होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी देश की माताओं और बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने सारथी दीदी की अवधारणा का उल्लेख करते हुए बताया कि ऐप पर एक अलग विंडो के माध्यम से महिला यात्रियों के लिए महिला चालक उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उनकी यात्रा और अधिक सुरक्षित हो सकेगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com